खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-116

'मन की बात' में पीएम मोदी का ऐलान – पीड़ितों को मिलकर रहेगा न्याय

हमले के दोषियों और षड्यंत्रकारियों को देंगे कठोरतम जवाब

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 121वें संस्करण के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने मन में गहरी पीड़ा होने की बात करते हुए कहा कि मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुँचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है – भले वो किसी भी राज्य का हो, वो कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वो उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। बकौल पीएम मोदी, उन्हें एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक चहल-पहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों

की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे – देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया। पीएम मोदी ने समझाया कि आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। उन्होंने सन्देश दिया कि हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है, हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। बकौल पीएम मोदी, आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। 'मन की बात' के 121वें संस्करण में पीएम मोदी ने कहा कि भारत के हम लोगों में ▶10 पर

पहलगाम आतंकी हमला :

एनआईए ने जांच के लिए मामला दर्ज किया, सबूतों की तलाश तेज की

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच अपने हाथ में ले ली है और आतंकी साजिश का पता लगाने के लिए सबूतों की तलाश तेज कर दी है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद रविवार को जम्मू में मामला दर्ज किया और कई टीम जांच में जुटी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को नृशंस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए एनआईए के महानिरीक्षक (आईजी) के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है। उन्होंने बताया कि एनआईए की टीम सबूत जुटाने के लिए बुधवार से ही आतंकी हमले वाली जगह पर डेरा डाले हुए हैं।

एनआईए के एक बयान में कहा गया, 'एनआईए की टीम आतंकवादियों के बारे में सुराग हासिल करने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन जांच कर रही हैं। फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की सहायता से टीम पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं, ताकि उस आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके, जिसके कारण यह भयावह हमला हुआ ▶10 पर

पाकिस्तान का होगा कसकर इलाज

व्यापार पूरी तरह बंद करेगा भारत, दवाई के लिए तरसेगा जिन्ना का देश

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमला कर पाकिस्तान ने ये फिर बता दिया है कि वह कभी नहीं सुधरेगा। इस बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। दवाइयां भी नहीं भेजी जाएंगी। जिन्ना का देश इलाज के लिए भी अब तरसेगा। भारत से बड़ी मात्रा में पाकिस्तान को दवाई सप्लाई होती है। पाकिस्तान करीब 40 प्रतिशत फार्मास्युटिकल की आपूर्ति भारत से करता है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत ▶10 पर

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में दिखाई अपनी ताकत एंटी-शिप मिसाइल किया लॉन्च

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारतीय नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी-शिप मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिससे उनकी लंबी दूरी की सटीक हमला करने की क्षमता और युद्ध तत्परता का प्रदर्शन हुआ है। नौसेना ने कहा कि यह अभ्यास देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए उसकी तैयारियों की पुष्टि करता है किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह। नौसेना द्वारा साझा किए गए वीडियो में कोलकाता क्लास के विध्वंसक जहाज और नीलगिरि तथा क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट सहित कई फ्रंटलाइन युद्धपोतों से ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सरफेस क्रूज मिसाइलों को लॉन्च किया गया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर नौसेना ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें कहा गया, भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, ▶10 पर

भारत न छोड़ने वाले पाकिस्तानियों पर होगी बड़ी कार्रवाई

3 साल जेल, 3 लाख जुर्माना या दोनों सजाएं

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की गई है। जिसमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों (अलग-अलग वीजा रखने वालों) को देश छोड़ने का निर्देश

दिया गया था। जिसमें कुछ चले गए हैं और कुछ दो दिन कुछ और भी वापस देश से भेजे जाएंगे। वहीं इस नियम को न मानने वाले पाकिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, कोई भी पाकिस्तानी नागरिक, जो सरकार की तरफ से निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा और उसे तीन साल तक की जेल या अधिकतम तीन लाख रुपये का जुर्माना या दोनों सजाओं का सामना करना पड़ सकता है।

बता दें कि, सार्क वीजा रखने वालों के लिए भारत छोड़ने की समय-सीमा 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा रखने वालों के लिए समय-सीमा 29 अप्रैल है। जिन 12 श्रेणियों के वीजा धारकों को रविवार तक भारत छोड़ना है, वे हैं – आगमन पर वीजा, व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री।

4 अप्रैल को लागू हुए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम 2025 के अनुसार, निर्धारित समय से अधिक समय तक रहना, वीजा शर्तों का उल्लंघन करना या प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनाधिकार प्रवेश करने पर तीन साल की जेल और 3 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। अधिनियम में कहा गया है, 'जो कोई भी, (क) विदेशी होते हुए, भारत के किसी क्षेत्र में उस अवधि से अधिक अवधि तक रहता है, जिसके लिए उसे वीजा जारी किया गया था या धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए वैध पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेज के बिना भारत में रहता है या भारत या उसके अंतर्गत किसी भाग में प्रवेश और रहने के लिए उसे जारी किए गए वैध वीजा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए कोई कार्य करता है'। (ख) धारा 17 और 19 के अलावा इस अधिनियम के किसी अन्य प्रावधान का ▶10 पर

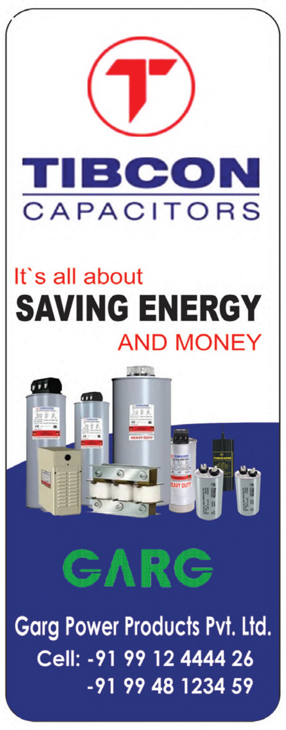

विदेश मंत्री जयशंकर और डोभाल ब्रिक्स बैठक में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल ब्राजील में होने वाली अहम ब्रिक्स बैठक में हिस्सा नहीं लेने वाले हैं। इस समय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लगातार बैठकों का दौर भी जारी है। ऐसे में अजित डोभाल और जयशंकर का यहां रहना ज्यादा जरूरी है, इसी वजह से दोनों ब्रिक्स की इस बैठक में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि 30 अप्रैल को ब्राजील में कई देशों के विदेश मंत्री और सुरक्षा सलाहकार शामिल होने जा रहे हैं। भारत भी क्योंकि ब्रिक्स का अहम सदस्य है, ऐसे में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को यहां शामिल होना था। लेकिन ऐन वक्त पर स्थिति को देखते हुए इस बैठक को स्किप करने का फैसला हुआ।बताया जा रहा है कि ब्रिक्स की इस बैठक में -ख, क्लाइमेट फाइनेंस, क्रॉस बॉर्डर पेमेंट्स इनीशियेटिव और मल्टीलेटरल संस्थानों में सुधार जैसे कई मुद्दों पर विस्तार से मंथन होने जा रहा है।

अब ब्रिक्स की बात करें तो यह दुनिया की पांच अहम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का एक संगठन है। इसकी स्थापना जून के महीने में साल 2006 में की गई थी। इसमें पहले केवल ब्राजील, रूस, भारत और चीन ही शामिल थे। इसका नाम पहले ब्रिक था। इसके बाद साल 2010 में इसमें साउथ अफ्रीका में शामिल हो गया। फिर संगठन का नाम बदल गया और ये ब्रिक से बदलकर ब्रिक्स हो गया है। हर साल पांच देशों में से बदल-बदलकर इस समिट की मेजबानी करते हैं। वैसे इस समय भारत के लिए ब्रिक्स से ज्यादा जरूरी देश में रहकर सीमा को सुरक्षित करना है। पहलगाम हमले के बाद से ही तीनों सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं, लगातार युद्धाभ्यास और मिसाइल परीक्षण भी हो रहे हैं, सीडीएस अनिल चौहान के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की एक अहम बैठक भी संपन्न हो चुकी है।

आतंकवाद और उसके मूल के खिलाफ होनी चाहिए निर्णायक लड़ाई : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ देशभर में विरोध देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी बीच रविवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन को और आगे बढ़ाने और

आतंकवाद एवं उसके मूल के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की बात कही।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) शासित जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की बात कही। उन्होंने लिखा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद, आतंकवाद और उसके ▶10 पर

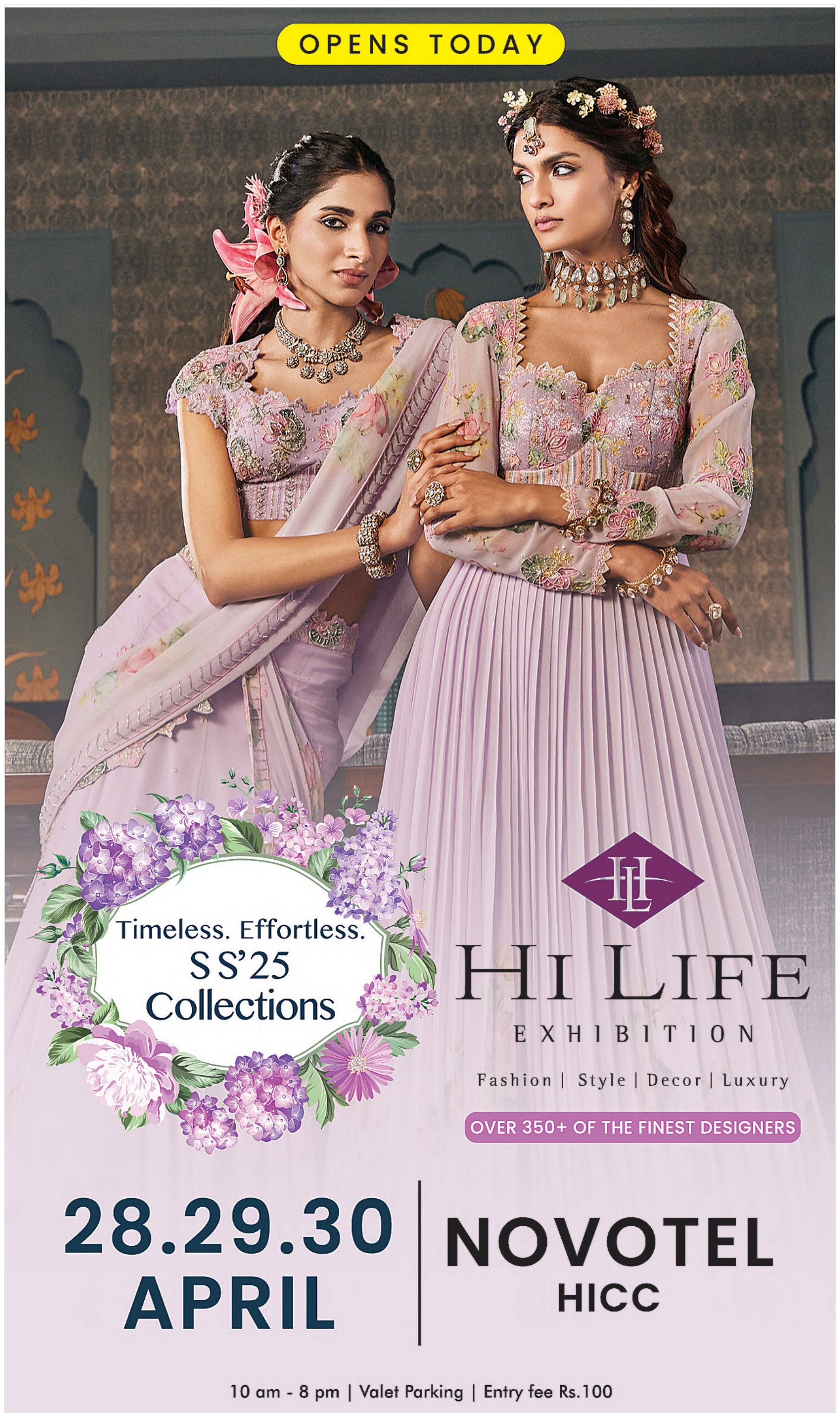

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 27^0

मध्यप्रदेश के मंदसौर में हादसा

वैन कुएं में गिरी, 12 लोगों की दर्दनाक मौत

पीएम मोदी और सीएम मोहन यादव ने जताया शोक

मंदसौर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के बूढ़ा-टकरावद फंटे के पास दोपहर करीब एक बजे एक ईको वैन बाइक से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सीधे पास के कुएं में गिर गई। इस हादसे में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। इस हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस त्रासदी पर गहरा शोक व्यक्त किया है।जानकारी के अनुसार, वैन में सवार लगभग 14 लोग उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के प्रसिद्ध आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। ▶10 पर

तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली

तिरुवनंतपुरम, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो बाद में झूठी निकली। एक ई-मेल भेजकर यह धमकी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि यह ई-मेल हवाई अड्डा प्रबंधक की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुआ।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, सूचना मिलते ही केरल पुलिस और सीआईएसएफ कर्मियों ने हवाई अड्डे और उसके परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बम की धमकी झूठी साबित हुई। अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर हवाई अड्डे की बम खतरा आकलन समिति ने हवाई अड्डे पर प्रासंगिक सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हवाई अड्डा प्रबंधन इस संबंध में सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि धमकी से हवाई अड्डा संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

झेलम में बढ़ा पानी तो पीओके में आ गई बाढ़, भारत पर पानी छोड़ने और सूचित नहीं करने का गंभीर आरोप

इस्लामाबाद,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

झेलम नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि होने के कारण पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे स्थानीय प्रशासन में इमरजेंसी जैसी स्थिति बन गई। पाकिस्तान ने इसे सिंधु जल समझौते का उल्लंघन बताते हुए भारत पर वाटर टेररिज्म फैलाने का आरोप लगाया है।

पीओके प्रशासन का कहना है कि भारत ने बिना किसी पूर्व सूचना के उरी बांध से पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ की स्थिति बन गई और हट्टियन बाला जिले में लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। मुजफ्फराबाद और चकोटी जैसे क्षेत्रों में प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए चेतावनी दी और लोगों से नदी से दूर रहने की अपील की। इसके चलते जानवरों और फसलों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने की खबरें हैं।

कहा जा रहा है कि भारत की ओर से यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद उठाए गए अन्य कठोर कदमों का हिस्सा हो सकता है, जब भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय लिया था। इसके अलावा, भारत ने आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शने की बात भी कही है, जो कि पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी हो सकती है।

झेलम नदी के जलस्तर में इस वृद्धि के बाद, पीओके के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई और स्थानीय प्रशासन ने इसे भारत द्वारा जानबूझकर किया गया एक कदम बताया, जो सिंधु जल समझौते का उल्लंघन करता है। पाकिस्तान का कहना है कि दोनों देशों को एक-दूसरे को पानी छोड़ने के बारे में पहले सूचित करना चाहिए था, लेकिन भारत ने ऐसा नहीं किया।

भारत ने नहीं दिया कोई बयान

भारत ने इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन इससे पाकिस्तान की स्थिति में एक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां वह पानी की कमी के लिए शोर मचा रहा था, लेकिन अब वही पानी उसे संकट में डाल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सहकारी घोटाले की आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने सहकारी घोटाले के एक मामले में आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया राई को बीती रात गिरफ्तार कर लिया। रविवार को संसद को इसकी औपचारिक जानकारी दी गई है। सीआईबी ने काठमांडू में स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक में हुए 265 करोड़ रूपये के घोटाले में सांसद राई की संलग्नता की पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। बीती रात को उनके निवास से ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि आठ महीने से फरार की सूची में रही नेपाल कांग्रेस की सांसद माया राई को गिरफ्तार कर इसकी जानकारी संसद सचिवालय को दे दी गई है। रविवार को सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर देवराज घिमिरे ने पुलिस द्वारा सांसद राई को गिरफ्तार किए जाने की औपचारिक जानकारी दी। फिलहाल गिरफ्तार सांसद राई को जिला अदालत काठमांडू में पेश कर उनसे पूछताछ करने के लिए आठ दिनों की कस्टडी मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत में इस संबंध में चार्जशीट दायर होने के बाद से ही सांसद राई की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त कीं संवेदना

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है। हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें, यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है। इन मूल्यों के खिलाफ इस तरह के अपराध करना न केवल एक पाप है, बल्कि हमारे धार्मिक और मानवीय सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है। पूर्व राजा ने हमले में जान गंवाने वाले नेपाली नागरिक सहित सभी पीड़ित परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। शाह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह भारत सरकार और भारत की जनता के पक्ष में खड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में नेपाली जनता का पूर्ण समर्थन रहेगा।

यूक्रेन ने बम से उड़ाया रूसी जनरल, एक गिरफ्तार

मास्को। रूसी जनरल को बम विस्फोट में उड़ाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पता चला है कि यूक्रेन के एक खुफिया अधिकारी ने ही रूसी जनरल को कार में विस्फोट करके उड़ा दिया था। यह विस्फोट रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया था। इस मामले में रूस की जांच एजेंसियों ने यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुतिन के करीबी मेजर जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक शनिवार को अपनी कार में बैठने जा रहे थे। तभी कार में भारी विस्फोट हो गया, जिसमें मेजर जनरल की मौके पर ही मौत हो गई थी। यह घटना रूस के बाल सिखा इलाके में हुई। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक यह हमला यूक्रेन से ही रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया। इस वारदात में यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन का हाथ पाया गया। उसे शनिवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की तफ्तीश जारी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाक की नापाक हरकत, चीन को मिला कमजोर किया पहलगाम हमले की निंदा का बयान

न्यूयॉर्क,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में निंदा के दौरान पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी दोगली नीति का परिचय दिया। आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के बावजूद पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर निंदा प्रस्ताव के शब्दों को कमजोर करने की कोशिश की। इस हमले में अधिकांश मृतक पर्यटक थे, फिर भी पाकिस्तान ने सीधे तौर पर आतंकवादियों की निंदा करने से परहेज किया और केवल दुख जताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा प्रस्तावित मूल मसौदे में भारत सरकार के साथ सक्रिय सहयोग का आह्वान था, जैसा कि पुलवामा हमले के बाद भी किया गया था। लेकिन पाकिस्तान ने चीन का सहारा लेकर भाषा को बदलवाया। नतीजतन, अंतिम बयान में संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने की बात कही गई — जिससे सीधे तौर पर भारत का नाम हट गया।

संयुक्त राष्ट्र का नरम रुख

पहलगाम हमले के बाद जारी यूएनएससी के बयान में कहा गया, कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई घायल हुए। सदस्यों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों और उनके मददगारों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, इस बार भाषा अपेक्षाकृत नरम रही और भारत सरकार के साथ सीधे सहयोग का उल्लेख नहीं किया गया — जैसा पुलवामा हमले के निंदा वक्तव्य में था। पाकिस्तान की रणनीति ही थी कि आतंकियों को उसने स्वतंत्रता सेनानी बताया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने पहलगाम हमले को लेकर आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी बताने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी भारत के जांच प्रयासों का समर्थन करने के बजाय तटस्थ और पारदर्शी अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की, जिससे पाकिस्तान की मंशा और अधिक स्पष्ट हो गई।

पाकिस्तान ने चीन से लगाई गुहार, जल युद्ध में हो शामिल, लेकिन क्या संभव है पानी रोकना

इस्लामाबाद। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ती जा रही है। पाकिस्तान के नेता और आम लोग अब अपने सदाबहार मित्र चीन से मांग कर रहे हैं कि वह ब्रम्हपुत्र नदी का जल यानी भारत का पानी रोक दे। सोशल मीडिया से लेकर टीवी डिबेट्स तक पाकिस्तान में यही चर्चा है कि चीन भारत की नदियों पर लगाम लगाकर उसे सबक सिखा सकता है। लेकिन क्या वास्तव में ऐसा संभव है और अगर चीन ऐसा करता भी है तो भारत पर उसका कितना असर होगा पाकिस्तान के कई विशेषज्ञ यह तर्क दे रहे हैं कि भारत की अधिकांश नदियां चीन से होकर निकलती हैं, और अगर चीन पानी रोकता है तो भारत प्यासा रह जाएगा। लेकिन सच्चाई यह है कि भारत की जल व्यवस्था बहुपरतीय है — भारत के भीतर ही दर्जनों नदियां बहती हैं और अधिकांश आबादी का जल स्रोत उन्हीं पर निर्भर है। सिंधु नदी बेसिन के जल बंटवारे में भी भारत ने पाकिस्तान को 80प्रतिशत से ज्यादा पानी दिया था। इसके बावजूद, पाकिस्तान ने आतंकवाद का समर्थन कर भारत के धैर्य की सीमाएं पार कर दीं, जिसके चलते अब भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित किया है। भारत-चीन संबंध और जल मुद्दा जहां भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि जैसी कानूनी व्यवस्था थी, वहीं भारत और चीन के बीच ऐसा कोई बाध्यकारी जल-बंटवारा समझौता नहीं है। हां, बाढ़ के मौसम में ब्रह्मपुत्र नदी जैसे कुछ जलस्रोतों को लेकर जल-विज्ञान डेटा साझा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) ज़रूर है। लेकिन कानूनी बाध्यता के अभाव में चीन स्वतंत्र है। चीन ने तिब्बत के मेडोग क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर सुपर डैम बनाने की योजना बनाई है, जिससे पानी के प्रवाह को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोकता भी है, तो इसका प्रभाव मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश, असम और सिक्किम जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों पर पड़ेगा, न कि पूरे भारत पर। भारत की विशाल जल प्रणाली इसे देशव्यापी संकट से बचाए रखेगी। पाकिस्तान की चीन से मदद की अपील को विश्लेषक उसकी किसी और को पिता बनाने की प्रवृत्ति करार दे रहे हैं। आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान जितना दोषी है, उतना भारत चीन के लिए नहीं है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद जरूर हैं, लेकिन भारत चीन में आतंकवाद नहीं फैलाता और न ही उसकी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप करता है। इसलिए चीन के पास पाकिस्तान जैसा प्रतिशोध लेने का कोई नैतिक या रणनीतिक कारण नहीं है। भारत की तैयारियां विश्लेषकों का मानना है कि भारत इस संभावित चुनौती को लेकर भी तैयार है। अरुणाचल और असम जैसे राज्यों में तेजी से बांध निर्माण की परियोजनाएं शुरू हो रही हैं ताकि जल स्टोरेज बढ़ाया जा सके और आपात स्थिति में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस प्रकार पाकिस्तान की चीन से मदद की उम्मीद एक मिथक से ज्यादा कुछ नहीं है।

अब पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी ने दी भारत को गीदड़ भभकी

इस्लामाबाद,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कड़े कदमों से पाकिस्तान बौखला गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व बिलावल भुट्टो के बाद अब वहां के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत को गीदड़ भभकी दी है। कहा कि यदि भारत ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो 240 मिलियन पाकिस्तानी आखिरी सांस तक लड़ने के तैयार बैठे हैं।

गृह मंत्री नकवी यहीं नहीं रुके। उन्होंने यहां तक आरोप लगा दिए कि भारत पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में शामिल है। भारत की धमकियों से पाकिस्तान की सरकार डरने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौते को रद्द करने समेत कई बड़े कदम उठाए हैं। इसके चलते पाकिस्तान के नेता आपा खो बैठे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जहां भारत को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे चुके हैं, वहीं बिलावल भुट्टो ने तो यहां तक कह डाला कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या फिर भारत के लोगों का खून। अब गृहमंत्री ने भी आपा खोते हुए उल्टे भारत पर ही आतंकवाद फैलाने का आरोप मढ़ दिया है।

ट्रंप का बयान अतिश्याक्तिपूर्ण, 15 सौ साल से चल रहा भारत-पाक सीमा विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में अमेरिका की किसी भूमिका से इंकार किया है। ट्रंप ने कहा कि दोनों देश इस मसले को किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। ट्रंप पहले अपने कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन अब ट्रंप से पूछा कि क्या वे इस मुद्दे पर चिंतित हैं और क्या वे दोनों देशों के नेताओं से बात करने वाले हैं, तब उन्होंने इस बार मध्यस्थता की पेशकश नहीं की। रोम में वे पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव 1500 साल से चल रहा है। हालांकि, यह ऐतिहासिक रूप से अतिशयोक्ति है। भारत हमेशा से अपनी सीमा विवादों में बाहरी मध्यस्थता के खिलाफ रहा है, चाहे वह पाकिस्तान के साथ हो या चीन के साथ।

17 साल की चीयरलीडर पॉपकॉर्न लंग्स से पीड़ित, क्या होती है ये बीमारी

17 साल की चीयरलीडर ब्रायना मार्टिन को एक गंभीर फेफड़ों की बीमारी पॉपकॉर्न लंग्स से पीड़ित पाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रायना बीते तीन वर्षों से वेपिंग की आदत से जूझ रही थी। एक दिन अचानक ब्रायना को सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई, जिसके बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच में सामने आया कि वह ब्रोंकियोलाइटिस ऑब्लिटरन्स नामक दुर्लभ बीमारी का शिकार हो चुकी है, जिसे आम भाषा में पॉपकॉर्न लंग्स कहा जाता है। इसमें फेफड़ों के सबसे पतले वायुमार्ग, ब्रॉन्कियोल्स, में सूजन आ जाती है और धीरे-धीरे वहां स्कार टिशू बन जाता है। इसके कारण वायुमार्ग सिकुड़ जाते हैं, जिससे व्यक्ति को सांस लेने में लगातार कठिनाई होती है। इस बीमारी का नाम पॉपकॉर्न लंग्स क्यों पड़ा पॉपकॉर्न लंग्स शब्द का इस्तेमाल पहली बार उन कर्मचारियों के लिए हुआ था, जो माइक्रोवेव पॉपकॉर्न फैक्ट्रियों में काम करते थे और डायसिटाइल नामक रसायन के संपर्क में आने के बाद बीमारी से पीड़ित पाए गए।

नेपाल इस कठिन समय में खड़ा है भारत के लोगों के साथ: डॉ. राणा

काठमांडू के भारतीय दूतावास में हुआ हमले में मृत लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

काठमांडू,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नेपाल के भारतीय दूतावास में सभा का आयोजन किया गया। इसमें नेपाल के उप प्रधानमंत्री विष्णु पौडेल, विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की।

विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा कि नेपाल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करता है। नेपाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। नेपाल इस कठिन समय में भारत सरकार और लोगों के साथ खड़ा है। आतंकवाद से निपटने के दौरान कोई दोहरा मानक नहीं होना चाहिए। किसी भी आतंकवादी समूह द्वारा किसी भी देश या उसके लोगों के खिलाफ किसी भी उद्देश्य के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा में नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, माओवादी के राष्ट्रीय सचिव छविलाल विश्वकर्मा, पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंथ ठाकुर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के शिशिर खनाल आदि मौजूद रहे।

इनके अलावा नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवादी हमले की निंदा की है। साथ ही सभी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहने का संदेश दिया है।

चीन ने रोबोट्स मामले पर जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ा, अब साउथ कोरिया और सिंगापुर से होड़

बीजिंग,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले दिनों इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर करीब 13 मील की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। यह इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ था, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है।

दरअसल रोबोट्स के बीच मैराथन दौड़ कराकर चीन बतलाना चाहता था कि रोबो की दुनिया में वह अकेला बादशाह है। रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन अपनी तरक्की को दिखा रहा था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

इस प्रकार देखने में आया है कि चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ दिया है। चीन में 2023 तक प्रति 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट थे, यह आंकड़ा जर्मनी के 429 और जापान के 419 से ज्यादा है। अब सिर्फ साउथ कोरिया और सिंगापुर ही रोबोट घनत्व में चीन से आगे हैं।

2032 तक 66 अरब डॉलर का होगा ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट

ग्लोबल ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट का साइज 2023 में 2.43 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) का था, जिसके 2032 तक 66 अरब डॉलर (5 लाख 63 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है। ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रकार का रोबोट है, जिसका आकार इंसानी शरीर जैसा होता है। फिलहाल ह्यूमनॉइड रोबोट विकास के शुरुआती स्टेज में है। वहीं भारत का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 2023 में 42 मिलियन डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) था, जिसके 2030 तक 149.4 मिलियन डॉलर (करीब 1200 करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है।

इंडस्ट्रियल नौकरियों में होंगे 2.5 लाख रोबोट्स

गोल्डमैन साक्स का अनुमान है कि 2035 तक ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 38 अरब डॉलर (3 लाख 24 हजार करोड़ रुपए) का होगा। पांच सालों में 2.5 लाख ह्यूमनॉइड रोबोट इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए भेजे जाएंगे। 2035 तक 10 लाख रोबोट ग्राहकों द्वारा खरीदे जाएंगे।

सेंथिलबालाजी व पोनमुडी का मंत्रिमंडल से इस्तीफा, थंगराज फिर से बने मंत्री

चेन्नई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
जैसा कि व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही थी भ्रष्टाचार और अनुचित/घृणास्पद भाषण के मामले में अदालतों द्वारा गंभीर आरोपों का सामना कर रहे तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री वी सेंथिलबालाजी और के पोनमुडी ने रविवार रात को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया जबकि पूर्व मंत्री टी मनो थंगराज को मंत्रिमंडल में फिर से शामिल कर लिया गया।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री व द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन की सिफारिशों पर राज्यपाल आर एन रवि ने दोनों मंत्रियों के इस्तीफे और श्री मनो थंगराज को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल करने को स्वीकार कर लिया।

श्री सेंथिलबालाजी के पास विद्युत, निषेध और आबकारी विभाग तथा श्री पोनमुडी के पास वन और खादी विभाग थे, जिनके पद पर बने रहने से सत्तारूढ़ द्रमुक पर भारी राजनीतिक और कानूनी दबाव के अलावा बड़ी शर्मिंदगी भी हुई है। दोनों मंत्रियों के विभागों को तीन मंत्रियों को आवंटित किया गया है।

श्री थंगराज का शपथ ग्रहण समारोह कल शाम राजभवन में होगा।

यह दूसरी बार है जब द्रमुक के करूर के कद्दावर नेता सेंथिलबालाजी, जो हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों में 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा होने के बाद भी कठघरे में हैं, इसके अलावा उच्चतम न्यायालय के अभियोग ने उनका पद पर बने रहना असंभव बना दिया है।

वहीं पार्टी के विल्लुपुरम के कद्दावर नेता माने जाने वाले श्री पोनमुडी ने अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

न्यायालय से राहत मिलने के बाद, दोनों को पिछले वर्ष ही मंत्रिमंडल में पुनः शामिल किया गया था, जब श्री सेंथिलबालाजी ने बिना विभाग के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था तथा श्री पोनमुडी ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्धि के पश्चात अयोग्यता का सामना करते हुए पद छोड़ दिया था।

श्री सेंथिलबालाजी को विद्युत, निषेध तथा आबकारी के समान विभागों के साथ मंत्रिमंडल में पुनः शामिल किया गया था, उन्हें 23 जून को नौकरी के लिए नकद घोटाले में पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किए जाने के पश्चात शीर्ष न्यायालय ने सोमवार (कल) तक यह तय करने के लिए अल्टीमेटम दिया था कि वह मंत्री पद चाहते हैं या जमानत।

वहीं, श्री पोनमुडी - पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री - हिंदू धर्म से जुड़ी महिलाओं के विरुद्ध उनके हाल ही में अपमानजनक तथा असभ्य टिप्पणियों के लिए मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा स्वप्रेरणा से कार्यवाही का सामना कर रहे थे, तथा कुछ दिन पहले जारी किए गए न्यायालय के आदेश के बावजूद पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज न किए जाने के पश्चात भी।

इसके परिणामस्वरूप विपक्षी दलों ने कड़ी निंदा की, जिसके बाद कुछ दिन पहले खुद श्री स्टालिन ने उन्हें द्रमुक के उप महासचिव के पद से हटा दिया था।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिवहन मंत्री एस एस शिवशंकर को श्री सेंथिलबालाजी के पास मौजूद बिजली का अतिरिक्त विभाग दिया गया है, जिन्हें जून 2023 में पीएमएलए मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत पर रिहा किए जाने के दो दिन के भीतर मंत्री बनने के लिए शीर्ष न्यायालय द्वारा कड़ी फटकार लगाई गई थी। उन्हें परिवहन और बिजली मंत्री के रूप में नामित किया गया था।

श्री सेंथिलबालाजी के पास मौजूद निषेध और उत्पाद शुल्क का दूसरा विभाग अतिरिक्त रूप से आवास और शहरी विकास मंत्री एस मुथुसामी को आवंटित किया गया है (जिन्होंने पहले यह विभाग संभाला था, जब श्री बालाजी ने पीएमएलए मामले में गिरफ्तारी के बावजूद बिना विभाग के मंत्री बने रहने के लिए पिछले साल फरवरी में इस्तीफा दे दिया था) और उन्हें आवास व निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में नामित किया गया था।

श्री पोनमुडी के पास जो वन और खादी विभाग थे, उन्हें दूध और डेयरी विकास मंत्री आर.एस. राजकन्नप्पन को अतिरिक्त रूप से आवंटित कर दिया गया है, जिन्हें वन और खादी मंत्री बनाया गया है। सोमवार को दूसरी बार शपथ लेने के बाद श्री मनो थंगराज को दूध और डेयरी विकास विभाग का वही प्रभार मिलेगा, जो पहले उनके पास था।

एफबीआई चीफ काश पटेल ने की पहलगाम हमले की निंदा

भारत सरकार को समर्थन रहेगा जारी

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने रविवार को जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

22 अप्रैल को हुए इस क्रूर हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले को अंजाम दिया था।

इस हमले ने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक कूटनीतिक और सार्वजनिक आक्रोश पैदा कर दिया है।

पटेल ने एक्स पर लिखा, एफबीआई कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के सभी पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है। एफबीआई भारत सरकार को अपना पूरा समर्थन देना जारी रखेगी। उन्होंने आगे कहा, यह आतंकवाद की बुराइयों से हमारी दुनिया को लगातार होने वाले खतरों की याद दिलाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और आतंकवादी कृत्य की कड़ी निंदा की।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ट्रंप ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और इस जघन्य हमले के अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए भारत के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

हालांकि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी लेकिन पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए रोम जाते समय एक जब एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने उस प्रस्ताव को दोहराने से इनकार कर दिया।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह स्थिति को लेकर चिंतित हैं और क्या वह भारत और पाकिस्तान के नेताओं से बात करने की योजना बना रहे हैं, ट्रंप ने जवाब दिया, उस सीमा पर 1500 वर्षों से तनाव है। उन्होंने कहा, लेकिन वे किसी न किसी तरह से इसका समाधान निकाल लेंगे। मुझे यकीन है कि मैं दोनों नेताओं को जानता हूं।

मध्यस्थता करने का कोई इरादा न दिखाने के बावजूद, ट्रंप और उनके अधिकारियों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और भारत को समर्थन देने का वादा किया।

भारत ने किया हुक्का-पानी बंद, मदद के लिए फिर 'दोस्त' चीन के पास भागा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव काफी ज्यादा बढ़ चुका है। लगातार मोदी सरकार की तरफ से ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे पाकिस्तान को बड़े झटके लग रहे हैं। अब इस बीच पाकिस्तान को फिर अपने जिगरी दोस्त चीन की याद आई है, फिर चीन से ही पैसा मांगा गया है। रिपोर्ट्र्स से मुताबिक पाकिस्तान चाहता है कि चीन उसकी स्वैप लाइन को 10 अरब युआन तक और ज्यादा बढ़ा दे।

एक रिपोर्ट कहती है कि पाक विदेश मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक इंटरव्यू के दौरान खुद इस बात को स्वीकार किया है कि उन्होंने चीन से स्वैप लाइन को 10 अरब युआन तक बढ़ाने की अपील की है। पाक विदेश मंत्री ने बताया है कि वर्तमान में पाकिस्तान को चीन से 30 अरब युआन की मदद मिल रही है। इसी राशि को 40 अरब युआन तक बढ़ाना है।

अब जानकारी के लिए बता दें कि जब

तमाम देश अपेन केंद्रीय बैंकों के बीच करेंसियों की अदली-बदली करते हैं, इस पूरी प्रक्रिया को ही स्वैप लाइन का नाम दिया गया है। इस समय चीन तो वैसे भी कई देशों को ऐसे ही डेप्ट ट्रैप में फंसा रहा है, वो अर्जेंटीना और श्रीलंका जैसे देशों के साथ स्वैप लाइनों को मजबूत कर रहा है। अब युद्ध या फिर अस्थिरता के दौरा में यही स्वैप लाइन कई देशों के लिए लाइफलाइन बन जाती है। इस एक प्रक्रिया से ऐसा विश्वास मिलता है कि किसी एक विशेष मुद्रा पर ज्यादा दबाव नहीं आने वाला है, बाजार भी इससे ज्यादा स्थिर रहता है।

अब पाकिस्तान तो इस समय बुरी तरह फंस चुका है, पहलगाम हमले के बाद से ही पूरी दुनिया ने उसे आइसोलेट कर दिया है। इस आतंकी हमले की निंदा तो चीन ने भी की है, लेकिन उसकी तरफ से पाकिस्तान पर कोई एक्शन लिया जाएगा, ऐसा मुश्किल है। इसी वजह से पाकिस्तान भी मुश्किल समय में अब चीन से ही मदद की आस लगाए बैठा है।

पंजाब को अशांत करने की साजिश रच रही आईएसआई

सीमा पार से लगातार भेज रही हथियार, कई बड़ी खेप बरामद

अमृतसर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पंजाब में किसी बड़ी घटना को अंजाम देना चाहती है। अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकियों और गैंगस्टरों का सहारा ले रही है। इसके लिए आईएसआई की ओर से लगातार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से घातक हथियार भारतीय सीमा में फेंके जा रहे हैं।

इन हथियारों को बीकेआई और गैंगस्टर अपने गुर्गों की मदद से ठिकाने लगाने में जुटे हैं लेकिन

पुलिस और सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कड़ी निगरानी के चलते आईएसआई अपनी योजना में सफल नहीं हो रही।

हाल ही में बीकेआई के नाबालिग सहित 13 आतंकियों से बरामद आइईडी, आरडीएक्स, ग्रेनेड और पिस्तौलों की बड़ी खेप भी इस ओर इशारा कर रही है कि आईएसआई राज्य को एक बार फिर अशांत करना चाहती है।

अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए राज्य के बड़े राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को निशाना बनाने की योजना बनाई जा रही है। खास बात यह है कि पुलिस की ओर से हथियारों की बरामदगी के बावजूद लगातार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हथियारों को भेजा जा रहा है।

पिछले बुधवार को पुलिस ने आईएसआई की ओर से ड्रोन के माध्यम से अमृतसर में भेजी गई हथियारों की बड़ी खेप को बरामद किया। इनमें साढ़े चार किलो आरडीएक्स, आइईडी बनाने के लिए बॉक्स, डेटोनेटर, रिमोट कंट्रोल, बैटरियां, पांच ग्रेनेड और पिस्तौल शामिल थे।

खेत में इतनी बड़ी मात्रा में हथियार बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियां भी हैरान हैं। पंजाब पुलिस के खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इतनी बड़ी मात्रा में हथियार मिलने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

सुरक्षा एजेंसियों ने भी राज्य पुलिस को सतर्क रहने को कहा है। आठ दिन में आइईडी, आरपीजी, आरडीएक्स और ग्रेनेड मिलने के बाद सरकार चिंता में है।

लोग धैर्य रखें, सरकार पहलगाम हमले के गुनाहगारों पर कर रही कार्रवाई : जनरल वी के सिंह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को जनता से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख सिंह विक्रम विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के लिए उज्जैन में थे।

सिंह ने पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ... सरकार इस पर कुछ कार्रवाई कर रही है। हम सभी को धैर्य रखना चाहिए और भविष्य में सतर्क रहना चाहिए, ताकि अगर हमें कुछ भी असामान्य दिखाई दे, तो हम पहले से ही इसका पता लगा सकें।

भारत और पड़ोसी देश के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, आप पाकिस्तान के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हमारे देश के बारे में बात करें।

विश्वविद्यालय के छात्रों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने भविष्य में देश को चलाने वाले युवाओं से कहा है कि उन्हें खुद को सशक्त बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखना भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा था कि भारत ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा था, पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने जीवनसाथी खोया। आज पूरे देश में इस बात का आक्रोश है।

भारत में अमीरी-गरीबी के बीच लगातार बढ़ रही खाई चिंताजनक : कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
कांग्रेस ने कहा है कि विश्व बैंक ने भारत में लगातार बढ़ रही गरीबी तथा असमानता पर हाल में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें सरकार की नीतियों के कारण अमीरी-गरीबी के बीच बढ़ रही खाई तथा अन्य कई विन्दुओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

पार्टी ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा पर किए गये आकलन के अनुसार हाल के वर्षों में भारत में गरीबी में निरंतर गिरावट आई है और यह अब बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने यहां जारी बयान में कहा कि डेटा की गुणवत्ता, स्थिरता और विश्वसनीयता को प्राथमिकता देना जरूरी है क्योंकि कुछ रिकॉर्ड के अनुसार डाटा को तोड़ मरोड़ कर पेश करना तथा डाटा से खिलवाड़ सरकार का टूल किट बन गया है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती गरीबी और असमानता ने मोदी सरकार की नीतियों को और गंभीर बना दिया है जिसके कारण चंद अमीरों और अरबों गरीबों के बीच बढ़ती खाई अब और चौड़ी हो रही है। सरकार के लिए निजी कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा देना जरूरी हो गया है लेकिन सीमित उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने की नीति इसमें बड़ी बाधक बन रही है।

साध्वी निरंजन ने कहा

आतंकवाद और पाकिस्तान को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

औरैया, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।
पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य साध्वी निरंजन ज्योति ने पहलगाम में हुई आतंकी घटना को लेकर पाकिस्तान और आतंकवाद पर जमकर प्रहार किया। साध्वी ने कहा कि इस बार आतंकियों और उनके आका पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने सिंधु नदी समझौता रद्द कर यह साफ कर दिया है कि इस बार पानी और खून साथ नहीं बहेगा। चुन-चुन कर बदला लिया जाएगा। सभी राजनीतिक दल इस मामले में सरकार के साथ हैं। साध्वी निरंजन ज्योति औरैया में तिलक महाविद्यालय में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव विषयक कार्यक्रम में बोल रही थीं।

साध्वी निरंजन ज्योति ने एक राष्ट्र एक विधान और एक चुनाव के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव का क्रम जद्द-जेहद वाला है। सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर मन बना

चुकी है। उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद पर हमला बोला। साध्वी ने कहा कि निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया है। वह भी इस आधार पर कि वह हिंदू हैं या मुसलमान। धर्म पूछकर गोलियां बरसाई गई हैं। जिन परिवारों के बेटे गए हैं, उन्हें वापस तो नहीं लाया सकता, लेकिन उनका बदला जरूर लिया जाएगा। इस बार मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

साध्वी ने कहा कि देश की सभी राजनीतिक पार्टियां जिनकी विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन इस मुद्दे पर सभी केंद्र सरकार के साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का प्लान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक होगी या युद्ध, यह अभी खुलासा नहीं किया जाएगा, लेकिन जो होगा वह बड़ा होगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सर्वेश कठेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल गौतम, सदर विधायक गुड़िया कठेरिया, पूर्व कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, अनूप गुप्ता समेत कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हुकस्टेप क्वीन बनी पूजा हेगड़े

फिल्म रेट्रो के कनीमा गीत ने मचाई धूम

पूजा हेगड़े अपनी आगामी फिल्म रेट्रो की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं। फिल्म के रिलीज से पहले ही इसके गाने कनीमा ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, खासकर यूट्यूब पर। इस गाने में जबरदस्त बीट्स, धमाकेदार म्यूजिक और पूजा हेगड़े का एडिक्टिव हुकस्टेप है, जिसने गाने की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा किया है। अब तक, हालिया रिलीज़ हुए लिरिकल वीडियोज़ में कनीमा का वीडियो यूट्यूब पर 40 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। पूजा की नैचुरल प्रेज़ेंस और उनकी डांसिंग स्किल्स ने इस गाने को एक बड़ी उपलब्धि दिलाई है। इस बेहतरीन सफलता के अलावा, सोशल मीडिया पर पूजा के फैंस उनका हुकस्टेप दोहराते नजर आ रहे हैं और गाने की कैची बीट्स का मजा ले रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे पूजा ने शूटिंग के दौरान किया था।

ऑडियंस ने गाने के हुकस्टेप को रिक्रिएट करना शुरू कर दिया है और ये एक ट्रेंड बन गया है। यूट्यूब पर वीडियो आए एक महीने हो चुके हैं, लेकिन तब से लेकर अब तक यह गाना सोशल मीडिया पर रेट्रो वेडिंग वाइब और पूजा के ऑथेंटिक डांस मूव्स के चलते वायरल होता जा रहा है। दर्शकों ने यहां तक कहा कि पूजा हेगड़े ने अपने को-स्टार सूर्या को अपने डांस से ओवरशैडो कर दिया। अब जब कनीमा का लिरिकल वीडियो 40 मिलियन व्यूज़ पार कर चुका है, तो पूजा हेगड़े ने इस उपलब्धि को अपने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेट किया।

वहीं फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है और केवल छह दिनों में ही यूट्यूब पर 21 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ पा चुका है। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में पूजा हेगड़े प्यार और मासूमियत का स्पर्श लेकर आई हैं, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक हैं कार्तिक सुब्बाराज और रेट्रो 1 मई को रिलीज होने वाली है। रेट्रो के अलावा, पूजा हेगड़े जल्द ही एक बॉलीवुड रोम-कॉम फिल्म हाय जवानी तो इश्क होना है में भी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग पूजा ने शुरू कर दी है और इसमें उनके अपोज़िट होंगे वरुण धवन। फिल्म के निर्देशक हैं डेविड धवन और यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी।

फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी आकांक्षा शर्मा

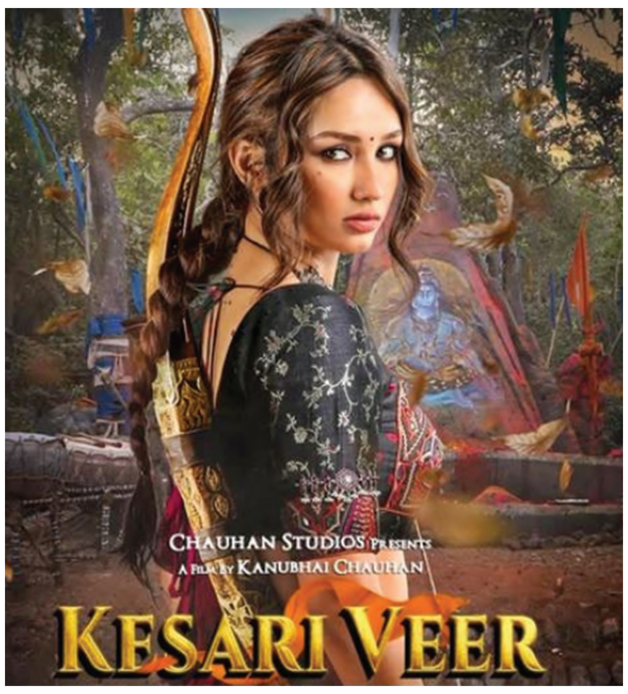

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आईं आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है। उनके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है। फिल्म से एक्ट्रेस का पहला लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और बेहतरीन योद्धा। इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हर-हर महादेव लिखा। साथ ही बताया कि फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।आकांक्षा से पहले मेकर्स ने सुनील शेट्टी का भी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। फिल्म में एक्टर योद्धा वेगड़ा जी का किरदार निभाते दिखाई देंगे। पोस्टर में सुनील शेट्टी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर दहाड़ते नजर आए। उनका निडर योद्धा अवतार प्रशंसकों को काफी पसंद आया। पोस्टर के बैकग्राउंड में गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर भी नजर आ रहा है।फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे।'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। यह उन गुमनाम योद्धाओं की कहानी दर्शकों के सामने लाएगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया। 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' का निर्देशन प्रिंस धीमान ने और निर्माण चौहान स्टूडियो के तहत कनु चौहान ने किया है।

शैतान के बाद जानकी बोदीवाला फिल्म मर्दानी 3 में आएंगी नजर

काफी समय से अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपनी सुपरहिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।वह एक बार फिर पुलिस की वर्दी में धाक जमाने को तैयार हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अभिराज मीनावाला ने संभाली है।अब मर्दानी 3 में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला की एंट्री हो चुकी है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ गया है।रिपोर्ट के अनुसार, रानी की मर्दानी 3 की स्टार कास्ट में जानकी शामिल हो गई हैं।वह फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।जानकी ने साल 2024 में आई फिल्म शैतान के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने फिल्म में अजय देवगन की बेटी का किरदार निभाया था।जानकी ने 2015 में फिल्म छैलो दिवस से अपने अभिनय करियर की शुरआती की थी।

मर्दानी 3 की रिलीज तारीख से पहले ही पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अभिराज मीनावाला ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा फिल्म के निर्माता हैं।बता दें मर्दानी 22 अगस्त, 2014 में रिलीज हुई थी, वहीं फिल्म का दूसरा भाग 2019 में आया था।फिल्म में रानी ने पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया था। इसके निर्देशक प्रदीप सरकार थे।

फिल्म भूल चुक माफ का नया गीत चोर बाजारी फिर से जारी, रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

अभिनेता राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म भूल चुक माफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। यह पहला मौका है, जब राजकुमार और वामिका किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे।अब भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से रिलीज हो गया है, जिसमें राजकुमार और वामिका डांस करते दिख रहे हैं।चोर बाजारी फिर से गाने को नीरज श्रीधर, सुनिधि चौहान, जहराह एस खान और तनिष्क बागची ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल इरशाद कामिल हैं।यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण हुआ है।फिल्म में राजकुमार ने रंजन तो वामिका ने तितली का किरदार निभाया है। सीमा पहवा इस फिल्म में राजकुमार की मां बनी हैं।सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है!सिंगर सुनिधि चौहान ने कहा, इस गाने में कुछ ऐसा है जो आपका ध्यान खींचता है। गाना प्ले होते ही, आप गुनगुनाने लगेंगे और अपने पैरों को थिरकने से नहीं रोक पाएंगे! मैं चोर बजारी फिर से का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।फिल्म में राजकुमार और वामिका के अलावा जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, संजय मिश्रा और सीमा पाहवा लीड रोल में नजर आएंगे। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

मृणाल ठाकुर के हाथ लगी एटली की 800 करोड़ी फिल्म

अब अल्लू अर्जुन संग करेंगी रोमांस

पुष्पा 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अल्लू अर्जुन ने जवान के निर्देशक एटली के साथ हाथ मिलाया है।इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं और अब खबर है कि फिल्म में अल्लू के साथ मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया है।फिल्म में 3 अभिनेत्रियां नजर आएंगी। इनमें में एक के लिए मृणाल के नाम पर निर्माताओं की मोहर लग चुकी है।आइए पूरी खबर जान लेते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, मृणाल ने कल मुंबई के एक स्टूडियो में फिल्म की तीन मुख्य अभिनेत्रियों में से एक की भूमिका निभाने के लिए लुक टेस्ट दिया।फिल्म में वह अल्लू के साथ रोमांस करती दिखेंगी। उनका लुक फिल्म में एकदम हटके होगा।उधर अन्य अभिनेत्रियों के लिए दीपिका पादुकोण और जाह्नवी कपूर के नाम पर विचार किया जा रहा है। जाह्नवी फिल्म साइन करने के बेहद करीब हैं, वहीं दीपिका के साथ बातचीत अब भी जारी है।अल्लू-मृणाल दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।इससे पहले अल्लू ने मृणाल की फिल्म हाय नाना को खूब सराहा था और अभिनेत्री के अभिनय पर भी जमकर प्यार लुटाया था। फिल्म देखने के बाद अल्लू न सिर्फ इसकी कहानी, बल्कि इसमें मृणाल के अभिनय और उनके अंदाज के भी मुरीद हो गए थे।उधर एक इंटरव्यू में मृणाल ने कहा था कि वह अल्लू की प्रशंसकों में शुमार हैं और उनके साथ काम करना चाहती हैं।सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का बजट 800 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। खबर तो यह भी आई कि इसके लिए अल्लू को 175 करोड़ रुपये मिल रहे हैं।इस साल 8 अप्रैल को अल्लू के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म का आधिकारिक रूप से ऐलान हुआ था।इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी, वहीं साल 2027 में यह फिल्म बड़े पर्दे पर आएगी।अदिवी शेष की अगली तेलुगू फिल्म डकैत में भी मृणाल मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इससे पहले इस फिल्म में श्रुति हासन को लिया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह मृणाल ने ली। ये फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी।इसके अलावा मृणाल को अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2, हुमा करैशी के साथ पूजा मेरी जान और वरुण धवन के साथ फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में देखा जाएगा।

गणेश जी की मूर्ति वास्तु दोष को दूर कर प्रदान करती है शुभ लाभ

धर्मशास्त्रों में सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा का विधान है। धार्मिक ग्रंथों के विवरण के अनुसार वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मा जी ने वास्तु शास्त्र के नियमों की रचना की थी, जिनका पालन करने से हर प्रकार का सुख मिलता है। व्यापार में सफलता तथा वास्तु दोष से बचने के लिए गणेश जी की पूजा एवं स्थापना जरूर करनी चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पूजा-पाठ के लिए घर के उत्तर-पूर्वी कोने में गणपति जी की मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। वहीं घर के मुख्य द्वार पर भी गणेश जी की मूर्ति लगाना उत्तम माना जाता है, क्योंकि यह घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है। यहीं से सकारात्मक ऊर्जा घर के अंदर प्रवेश करती है। ऐसे में यदि आपका मुख्य द्वार उत्तर या दक्षिण दिशा में है, तो गणेश जी की मूर्ति लगाना शुभ माना जाता है। मूर्ति इस प्रकार लगाएं की गणेश जी का मुख अंदर की ओर हो। मुख्य द्वार पर सिंदूरी रंग की मूर्ति लगाना बहुत ही शुभ होता है।

शास्त्रों के अनुसार सभी कार्यों की निर्विघ्नता पूर्ण सम्पन्नता के लिए गणेश जी की आराधना का विधान है। कोई भी पूजा गणेश जी के बिना अधूरी समझी जाती है। वास्तु के पंचतत्व आकाश, पृथ्वी, जल, वायु तथा अग्नि से मिल करके ही मानव शरीर का निर्माण हुआ है। गणेश जी की प्रतिमा का प्रयोग वास्तु शास्त्र में पंचतत्व के समन्वय एवं विघ्नों का नाश कर शुभता के लिए किया जाता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर और कार्यक्षेत्र में वास्तु नियमों का ध्यान रखने से व्यक्ति को इसके अच्छे परिणाम ही प्राप्त होते हैं। आपने कई लोगों को अपने ऑफिस डेस्क या फिर अपनी कार में गणेश जी रखते देखा होगा। वास्तु की दृष्टि से ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

नाना प्रकार की विधाओं में वास्तु शास्त्र के अंतर्गत गणेश जी का पूजन किया जाता है। चीन देश का वास्तु शास्त्र, फेंगशुई और रंग विज्ञान का समायोजन भी गणेश की उपासना पर ही आधारित है, बागुआ गणपति इसका प्रतीक है जिसका उपयोग फेंगशुई के अंतर्गत किया जाता है। गणेश जी की प्रतिमा की सूंड़ कहीं दाई ओर तो कहीं बायीं की ओर घूमी मिलती है। बाई सूंड़ वाले गणेश जी सौम्य स्वरूप के परिचालक है। इनकी पूजा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, आत्मस्वरूप का ज्ञान प्राप्त होता है जबकि दांयी सूंड़ वाले गणेश जी से सांसारिक समृद्धि की प्राप्ति होती है। जब भी आप अपने घर-कार्यालय में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें तो किसी वास्तुशास्त्री से

प्रतिमा की उंचाई, लम्बाई आदि विषयों की जानकारी लेकर ही शुभ मुहूर्त में गणेश जी को स्थापित करें।

सामान्यतयः उगते सूर्य की तरफ, जिस भी घर के सामने गणेश जी की प्रतिमा लगी होगी वहां प्रायः वास्तु दोष नहीं होता। टायलेट की जगह कभी भी गणेश जी की प्रतिमा न लगायें, ऐसी जगह कभी भी गणेश जी न लगायें जहां लोग थूकते हों। यदि घर के मुख्य द्वार पर गणेश जी की प्रतिमा लगाया है तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगायें कि दोनों की पीठ मिली रहे। अगर मकान का मुख्य द्वार का मुंह दक्षिण दिशा की ओर है तो गणेश जी की सूंड़ दाहिने तरफ होनी चाहिए। सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने के लिए बुधवार को भगवान गणेश को मोदक, 21 दूब, सिन्दूर, तथा पुष्प आदि चढ़ायें, तुलसी जी भूल करके नहीं चढ़ाना चाहिए, हो सके तो हाथी तथा चूहों को लड्डू खिलायें।

मिलते हैं लाभ

अगर आप वास्तु के नियमों के अनुसार, अपने घर या कार्यक्षेत्र आदि में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करते हैं, तो इससे वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। इसके साथ ही घर और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। इसका अच्छा प्रभाव परिवार के सदस्यों पर भी देखने को मिलता है और गणेश जी की कृपा से तरक्की के योग बनने लगते हैं। वास्तु शास्त्र में यह माना गया है कि भगवान गणेश की पूजा से रचना संबंधी वास्तु दोष दूर हो सकते हैं।

मूर्ति का रंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति स्थापित करना बहुत ही शुभ माना गया है। इसी के साथ आप सिंदूरी रंग की गणपति जी की मूर्ति भी घर में स्थापित कर सकते हैं। अगर आप बच्चों के स्टडी रूप में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करना चाहते हैं, तो इसके लिए पीले या हल्के हरे रंग की मूर्ति सबसे बेहतर मानी जाती है। आप इसे बच्चों के स्टडी टेबल पर स्थापित कर सकते हैं, इससे शिक्षा क्षेत्र में सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

ऑफिस में लगाएं गणेश की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस डेस्क पर भी भगवान श्री गणेश की मूर्ति लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऑफिस डेस्क पर गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति लगानी चाहिए। कार्यक्षेत्र में बप्पा जी की खड़ी हुई प्रतिमा लगाना अधिक शुभ माना जाता है। बस इस बात का ध्यान रखें कि गणेश जी का मुख दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अक्षय तृतीया पर बन रहा है रोहिणी नक्षत्र का शुभ संयोग

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि बहुत फलदायी मानी जाती है। इस साल यह पावन तिथि 30 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस बार यह और भी विशेष होने वाली है। ज्योतिषीय शास्त्र के अनुसार, इस अक्षय तृतीया पर रोहिणी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिस वजह से इस दिन किए गए कामों के चमत्कारी लाभ होने की संभावना है, तो चलिए इस तिथि से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

स्थिर लक्ष्मी योग – रोहिणी नक्षत्र स्थिरता का प्रतीक है और अक्षय तृतीया स्थायी धन और समृद्धि प्रदान करने वाली तिथि है। इन दोनों का एक साथ आना स्थिर लक्ष्मी योग का निर्माण करता है, जो आर्थिक रूप से बहुत लाभकारी माना जाता है। इस योग में किए गए निवेश लंबे समय तक लाभ देते हैं।

वृद्धि योग – रोहिणी नक्षत्र वृद्धि का कारक है। अक्षय तृतीया के साथ इसका शुभ संयोग वृद्धि योग बनाता है, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति और प्रगति का प्रतीक है। इस दिन किए गए शुभ काम जैसे कि नए व्यापार की शुरुआत या अन्य मांगलिक काम सफलता और समृद्धि लेकर आते हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए शुभ – रोहिणी नक्षत्र को विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए भी बेहद शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया तो स्वयं ही अबूझ मुहूर्त है, जिसमें बिना किसी पंचांग देखे शुभ कार्य किए जा सकते हैं। ऐसे में रोहिणी नक्षत्र का साथ मिलना विवाह आदि शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है।

अक्षय तृतीया के खास उपाय

लक्ष्मी पूजा – इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा अर्चना करें, उन्हें पीले फूल और तुलसी दल अर्पित करें।

दान-पुण्य – अपनी क्षमतानुसार दान करें। वस्त्र, अन्न, सोने का दान करना बहुत शुभ माना जाता है।

तुलसी पूजा – तुलसी के पौधे की पूजा करें और घी का दीपक जलाएं।

मंत्र जाप – ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः आदि मंत्रों का जाप करें।

वृषभ राशि समेत अन्य राशियों के लिए लकी रहेगी अक्षय तृतीया

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, जिसे अक्षय तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। इस बार यह पावन तिथि 30 अप्रैल को पड़ रही है। इस दिन किए गए दान, जप और शुभ काम से अक्षय फल मिलता हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल की अक्षय तृतीया कुछ राशियों के लिए बहुत लकी होने वाली है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया का दिन विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। इस दौरान आपको आर्थिक लाभ होने की संभावना है। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। साथ ही आय के नए स्रोत खुलेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और कोई शुभ समाचार मिल सकता है। साथ ही स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि– कर्क राशि वालों के लिए अक्षय तृतीया का दिन खुशियों से भरा रहेगा। करियर में तरक्की मिलेगी। महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हो सकती है। व्यापार में विस्तार की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और अविवाहित लोगों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। इस दौरान आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले सकते हैं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया का दिन भाग्य में वृद्धि लेकर आएगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा और आपके कामों की सराहना होगी। अगर आप लंबे समय से किसी संपत्ति में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है। इसके साथ ही पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया शुभ समाचार लेकर आ सकती है। करियर में लाभ होगा। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं, तो यह समय आपके लिए अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। इसके साथ ही आप किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं।

मोहिनी एकादशी पर पूजा के समय जरूर करें ये उपाय, चमक उठेगा सोया भाग्य

वैदिक पंचांग अनुसार, गुरुवार 08 मई को मोहिनी एकादशी है। यह पर्व पूर्णतया जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्राप्त से साधक के जीवन में शुभ और मंगल का आगमन होगा। साथ ही जीवन में व्याप्त संकटों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिषियों की मानें तो मोहिनी एकादशी पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से हर काम में सफलता मिलेगी। इसके अलावा, आय और सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। अगर आप भी लक्ष्मी नारायण जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

एकादशी के उपाय

अगर आप सुख और सौभाग्य में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय गाय के कच्चे दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से कुंडली में चंद्र और शुक्र दोनों ग्रह मजबूत होंगे। शुक्र मजबूत होने से साधक के सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है।

अगर आप कारोबार में तरक्की पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन स्नान-ध्यान के बाद लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय गन्ने के रस से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर होती है।

अगर आप लक्ष्मी नारायण जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

अगर आप आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो एकादशी के दिन पूजा के समय लक्ष्मी नारायण जी को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस उपाय को करने से देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

विष्णु मंत्र

* शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम्।।

* दन्ताभये चक्र दरो दधानं, कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।
धृताब्जया लिंगितमब्धिपुत्रया, लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे।।

* ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये
धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।

* ऊँ हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम ।।

* ॐ वासुदेवाय विघ्माहे वैधयाराजाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे अमृता कलसा हस्थाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।

चंद्र देव की कृपा पाने के लिए करें इन मंत्रों का जाप, मानसिक तनाव से मिलेगी निजात

ज्योतिष शास्त्र में चंद्र देव को मन का कारक कहा जाता है। चंद्र देव की कृपा बरसने से जातक को सभी प्रकार के शुभ कामों में सफलता मिलती है। साथ ही मन प्रसन्न रहता है। वहीं, कमजोर चंद्रमा से जातक को मानसिक तनाव की समस्या होती है। व्यक्ति सही फैसले लेने में असमर्थ रहता है। इसके लिए ज्योतिष कुंडली में चंद्रमा मजबूत करने की सलाह देते हैं।

देवों के देव महादेव की पूजा करने से जातक या साधक पर मन के कारक चंद्र देव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। अगर आप चंद्र देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद गाय के कच्चे दूध से भगवान् शिव का अभिषेक करें। साथ ही पूजा के समय चंद्र देव के नामों का जप करें। चंद्र देव के नामों के जप से मानसिक तनाव की समस्या दूर होती है।

चंद्र देव के 108 नाम

1. ॐ केतवे नमः।
2. ॐ स्थूलशिरसे नमः।
3. ॐ शिरोमात्राय नमः।
4. ॐ ध्वजाकृतये नमः।
5. ॐ नवग्रहयुताय नमः।
6. ॐ सिंहिकासुरीगर्भसंभवाय नमः।
7. ॐ महाभीतिहराय नमः।
8. ॐ चित्रवर्णाय नमः।
9. ॐ पिंगळाक्षाय नमः।
10. ॐ फलधूम्रसंकाशाय नमः।
11. ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः।
12. ॐ महोरगाय नमः।
13. ॐ रक्तनेत्राय नमः।
14. ॐ चित्रकारिणे नमः।
15. ॐ तीव्रकोपाय नमः।
16. ॐ महाशूराय नमः।
17. ॐ पापकंटकाय नमः।
18. ॐ क्रोधनिधये नमः।
19. ॐ छायाग्रहविशेषकाय नमः।
20. ॐ अंत्यग्रहाय नमः।
21. ॐ महाशीर्षाय नमः।
22. ॐ सूर्यारये नमः।
23. ॐ पुष्पवद्ग्रहिणे नमः।
24. ॐ वरदहस्ताय नमः।
25. ॐ गदापाणये नमः।
26. ॐ चित्रशुभ्रधराय नमः।
27. ॐ चित्रध्वजपताकाय नमः।
28. ॐ घोराय नमः।
29. ॐ चित्ररथाय नमः।
30. ॐ शिखिने नमः।
31. ॐ कुळत्थभक्षकाय नमः।

32. ॐ वैदूर्याभरणाय नमः।
33. ॐ उत्पातजनकाय नमः।
34. ॐ शुक्रमित्राय नमः।
35. ॐ मंदारखाय नमः।
36. ॐ शिखिनेंधपकाय नमः।
37. ॐ अंतर्वेदिने नमः
38. ॐ ईश्वराय नमः।
39. ॐ जैमिनिगोत्रजाय नमः।
40. ॐ चित्रगुप्तात्मने नमः।
41. ॐ दक्षिणाभिमुखाय नमः।
42. ॐ मुकुंदवरप्रदाय नमः।
43. ॐ महासुरकुलोद्भवाय नमः।
44. ॐ घनवर्णाय नमः।
45. ॐ लघुदेहाय नमः।
46. ॐ मृत्युपुत्राय नमः।
47. ॐ उत्पातरूपधारिणे नमः।
48. ॐ अदृश्याय नमः।
49. ॐ कालाग्निसन्निभाय नमः।
50. ॐ नृपीठाय नमः।
51. ॐ ग्रहकारिणे नमः।
52. ॐ सर्वोपद्रवकारकाय नमः।
53. ॐ चित्रप्रसूताय नमः।
54. ॐ अनलाय नमः।
55. ॐ सर्वव्याधिविनाशकाय नमः।
56. ॐ अपसव्यप्रचारिणे नमः।
57. ॐ नवमेपापदायकाय नमः।
58. ॐ पंचमेशोकदाय नमः।
59. ॐ उपरागगोचराय नमः
60. ॐ पुरुषकर्मणे नमः।
61. ॐ तुरीयेस्थेसुखप्रदाय नमः।
62. ॐ तृतीयेवैरदाय नमः।
63. ॐ पापग्रहाय नमः।
64. ॐ स्फोटकारकाय नमः।
65. ॐ प्राणनाथाय नमः।
66. ॐ पंचमेश्रमकारकाय नमः।
67. ॐ द्वितीयेस्फुटवाग्धत्रे नमः।
68. ॐ विषाकुलितवक्त्राय नमः।
69. ॐ कामरूपिणे नमः।
70. ॐ सिंहदंताय नमः।
71. ॐ सत्योपनृतवते नमः।
72. ॐ चतुर्थेवमातृनाशाय नमः।
73. ॐ नवमेपितृनाशाय नमः।
74. ॐ अंतेवैरप्रदाय नमः।
75. ॐ सुतानंदनबंधकाय नमः।
76. ॐ सर्पाक्षिजाताय नमः।
77. ॐ अनंगाय नमः।
78. ॐ कर्मराश्शुद्भवाय नमः।
79. ॐ अपांतेकीर्तिदाय नमः।
80. ॐ सप्तमेकलहप्रदाय नमः।
81. ॐ अष्टमेव्याधिकर्त्रे नमः।
82. ॐ धनेबहुसुखप्रदाय नमः।
83. ॐ जननेरोगदाय नमः।
84. ॐ ऊर्ध्वमूर्धजाय नमः।
85. ॐ ग्रहनायकाय नमः।
86. ॐ पापदृष्टये नमः।
87. ॐ खेचराय नमः।
88. ॐ शांभवाय नमः।
89. ॐ आशेषपूजिताय नमः।
90. ॐ शाश्वताय नमः।
91. ॐ वटाय नमः।
92. ॐ शुभाशुभफलप्रदाय नमः।
93. ॐ धूम्राय नमः।
94. ॐ सुधापायिने नमः।
95. ॐ निशाकराय नमः।
96. ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
97. ॐ सिंहासनाय नमः।
98. ॐ केतुमूर्तये नमः।
99. ॐ रवींदुद्युतिनाशकाय नमः।
100. ॐ अमराय नमः।
101. ॐ पीठकाय नमः।
102. ॐ विष्णुदृष्टाय नमः।
103. ॐ अमरश्वराय नमः।
104. ॐ भक्तरक्षकाय नमः।
105. ॐ वैचित्र्यकपोलस्यंदनाय नमः।
106. ॐ विचित्रफलदायिने नमः।
107. ॐ भक्ताभीष्टफलदाय नमः।
108. ॐ केतवे नमः।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

संपादकीय

'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाएं

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सडक़ों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं। 'जयचंदों' का निचले स्तर तक जो जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सूचियां तैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व 'हरी झंडी' देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले 'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाया जाए।

> प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक बसक समय की जरूरत है

पाकिस्तान से पानी का रिश्ता हुआ समाप्त

प्रमोद भार्गव

> आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है।

कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान से अपने सैन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। इन्हें एक सप्ताह में भारत छोड़ना होगा। ये सभी निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई केंद्रीय कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए हैं। आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक सबक समय की जरूरत है। अमानुषिक दगाबाजी के आदि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने 16 अप्रैल 2025 को इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान के 'गले की नस' है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिश रचकर कश्मीर के अवाम की इसी आर्थिक श्वास की नली को अवरुद्ध कर दिया है। अब भारत ने पलटवार करते हुए सिंधु की जलधार को अवरुद्ध करके ईंट का जबाव पत्थर से देने का काम किया है। यदि यह जवाब बहुत पहले दे दिया गया होता तो शायद पाक से निर्यात आतंक के ये हालात पनप ही नहीं पाते? 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि में भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों का पानी बांटने का समझौता हुआ था। इस समझौते पर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी। इसके अंतर्गत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी व सतलुज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिम की नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाक को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है। जबकि भारत के

हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है। इसीलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है। लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति अब तक उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ है। जबकि जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में करीब 60 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद इस संधि के चलते इस राज्य को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इन्हीं नदियों के जल से होती है। पाक के बड़े भू-भाग की 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल की जरूरतें इन्हीं नदियों पर निर्भर हैं। यह संधि लंबे समय तक स्थगित रहती है तो पाकिस्तान में अकाल और सूखे के हालात बन सकते हैं। दरअसल सिंधु-संधि के तहत उत्तर से दक्षिण को बांटने वाली एक रेखा सुनिश्चित की गई है। इसके तहत सिंधु क्षेत्र में आने वाली तीन नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम पूरी तरह पाकिस्तान को उपहार में दे दी गई हैं। इसके उलट भारतीय संप्रभुता क्षेत्र में आने वाली व्यास, रावी व सतलुज नदियों के बचे हुए हिस्से में ही जल सीमित रह गया है। इस लिहाज से यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतरदेशीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की न केवल अनदेखी करता है, वरन बालिदान कर देता है। इतनी बेजोड़ और पाक हितकारी संधि होने के बावजूद पाक ने भारत की उदार शालीनता का उत्तर पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के रूप में तो दिया ही, अब इनका विस्तार भारतीय सेना व पुलिस के सुरक्षित ठिकानों तक भी किया हुआ है। अब पर्यटकों की हिंदू धार्मिक पहचान करके जो नरसंहार पहलगाम की बैसरन घाटी में किया है, वह यह जताने के लिए काफी है कि हमला धर्म के आधार पर किया गया है। ये सभी हमले आतंकवाद को बहाना बनाकर छद्म युद्ध के जरिए किए गए, जबकि ये सभी हमले पाक सेना की करतूत हैं। दरअसल छद्म युद्ध में लागत तो कम आती ही है, हमलाबर देश पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर इस बहाने रक्षात्मक भी हो जाता है कि इन हमलों में उसका नहीं, आतंकवादियों का हाथ है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि इस संधि को तोड़ने की हिम्मत न तो 1965 में भारत-पाक युद्ध के बाद दिखाई गई और न ही 1971 में? हालांकि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर नए राष्ट्र बांग्लादेष को अस्तित्व में लाने की बड़ी कूट व रणनीतिक सफलता हासिल की थी। कारगिल युद्ध के समय भी हम इस संधि को तोड़ने से चुके हैं। देर से ही सही इस संधि को तोड़ने की पहल देशहित में है। दरअसल पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरोसी शुमार है। इसीलिए भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किशनगंगा पर बनने वाली 'किशन गंगा जल विद्युत परियोजना' की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने बुनियाद रखते ही नीदरलैंड में स्थित 'अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय' में 2010 में ही आपत्ति दर्ज करा दी थी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में किशनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित है। हालांकि 20 दिसंबर 2013 को इसका फैसला भी हो गया। दुर्भाग्य कहलें या भारत द्वारा ठीक से अपने पक्ष की पैरवी नहीं करने के कारण यह निर्णय भारत के व्यापक हित साधे रखने में असफल रहा है। न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी, लेकिन भारत को बाध्य किया गया कि वह 'रन ऑफ दि रिवर' प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। फैसले के मुताबिक किशनगंगा नदी में पूरे साल हर समय 9 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड का न्यूनतम जल प्रवाह जारी रहेगा। हालांकि पाकिस्तान ने अपील में 100 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड पानी के प्राकृतिक प्रवाह की मांग की थी, जिसे न्यायालय ने नहीं माना।

दृष्टि कोण

आतंकवाद पर अमरीका का ढुलमुल रवैया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेन्स की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमरीका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमरीका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमरीका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाए हैं। सही मायने में तो अमरीका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमरीका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमरीका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किंतु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमरीकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमरीकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्य कर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमरीकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमरीका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमरीका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किंतु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यावसायिक हित साधना भर रहा है। अमरीका के व्यावसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमरीका ने पाकिस्तान को घातक एफ-16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं, इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमरीका करता रहा है। अमरीका ने भारत के विरोध को नजरअंदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमरीका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोगों और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमरीका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आईज का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा के अहम सहयोगी अमरीका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाय भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं, अमरीका से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमरीका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी।

कुछ अलग

दिल देखो, बिल न देखो...

कौन कहता है कि सरकार काम नहीं कर रही? ऐसा कहने वालों को पहले अपने काले चश्मे उतारने चाहिए, वरना सरकार की पारदर्शिता कैसे दिखेगी? सरकार जनहित में इतनी संवेदनशील है कि अफवाह की फुसफुसाहट भी होती है तो खुफिया तंत्र तुरंत उसे पकड़ लेता है और बिना आव-ताव देखे जांच बैठ जाती है। क्योंकि सरकार जनहित को लेकर पूरी तरह समर्पित है। न कुछ गलत देख सकती है और न बर्दाश्त कर सकती है। इससे सरकार की कमिटमेंट और कार्यक्षमता की झलक दुनिया को मिल जाती है। नेताजी को खिलाया गया मुर्गा जंगली था या बेचारा देसी टाइप का था, सरकार ने राष्ट्रीय मीडिया में यह मामला उछलते ही फौरन पुलिस को सक्रिय कर दिया। जिन्होंने सोशल मीडिया और अखबारों में शहीद हुए मुर्गे को जंगली मुर्गी का नाम दे दिया था, उन पर केस दर्ज हो गए। पब्लिक को पता चल गया कि सरकार इस मामले में बहुत सख्त है। सरकार ने जांच बिठाई तो पता चला कि मुर्गा जंगली नहीं था। क्योंकि जंगली मुर्गी का जुगाड़ हो नहीं पाया था। क्योंकि जंगल में कोई जंगली मुर्गा बचा ही नहीं था। सब जान बचाकर इधर-उधर के राज्यों में भाग गए थे। फिर समोसा प्रकरण हुआ। समोसा नेता जी की प्लेट तक क्यों नहीं पहुंचा और रास्ते में कौन लोग उस समोसे को खा गए, इस बारे बड़ी-बड़ी खबरें छपी तो फिर सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जांच बिठा दी। मामला फाइव स्टार समोसा और देसी हलवाई के समोसे के बीच उलझ कर रह गया। जांच रिपोर्ट आई और गई। जनता में चर्चा शुरू हुई और फिर खत्म हुई। समोसा पेट से बाहर नहीं आया। होली के दिन एक और मामला सामने आया। कुछ सीनियर अफसरों ने परिवार सहित नाच-गाना किया, भोज रचाया और जनता की आंखों में गुलाल झोंक कर सरकारी खजाने से बिल ट्रेजरी में भेज दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश वह बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सरकार की इज्जत पर आंच आई। सरकार की फजीहत होने लगी तो सरकार ने फिर संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। लेकिन इस बार जांच उन अफसर पर नहीं बैठी जिन्होंने भोज किया था और बिल सरकार को प्रस्तुत कर दिया था, बल्कि उन पर बैठी जिन्होंने बिल लीक किया। यानी सरकारी खजाने से खाना-पीना तो जायज है, लेकिन बिल पब्लिक के सामने लीक कर देना बहुत बड़ा गुनाह है। अब लीक करने वालों पर एक्शन होगा। हो सकता है कि दो-चार बाबू सस्पेंड भी हो जाएं, क्योंकि सरकार संवेदनशील है। क्योंकि सरकार का रुख बहुत सख्त है। अपनी छवि को लेकर बहुत सतर्क है। सरकार सफेद मामलों में तो वाह-वाह ही लूटना चाहती है, लेकिन काले कारनामों पर पर्दा डाले रखना चाहती है। इसलिए फॉरेन जांच बिठा दी जाती है। कुछ महीने जांच चलती रहती है। फिर रिपोर्ट नेताजी के पास आती है। नेताजी के पलंग के नीचे फाइलों की मोटी गद्दियां हैं। हर गद्दी में एक जांच रिपोर्ट सो रही है और नेताजी उन्हीं के ऊपर सोते हैं पूरी तसल्ली से। पब्लिक को फिर किसी नई जांच का इंतजार रहता है और नई जांच के लिए किसी नए कारनामे का इंतजार रहता है। सरकार में कारनामे करने वाले बहुत गणमान्य लोग हैं। उन्हें ऐसे कारनामे करने का लंबा अनुभव है और उनके इस अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें ऊंचे पदों पर भी बिठा रखा है। हर जांच एक सरकारी नाटक है जिसमें कलाकार पुराने हैं, स्क्रिप्ट नई होती है। जनता दर्शक है। तालियां बजाती है और फिर भूल जाती है।

देश दुनिया से

संधि का स्थगन प्रदेश के विकास का आधार

पहलगाम हमले के विरोध में भारत सरकार ने प्रारंभिक स्तर पर जो कदम उठाए हैं, उनमें वर्ष 1960 में भारत-पाक के बीच वल्ड बैंक द्वारा व्यवस्थित सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। भारत सरकार के इस निर्णय से हालांकि शुरुआती दौर में तो पाकिस्तान को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, पर अगर भारत इस संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से आई नदियों के जल प्रवाह की दिशा को परिवर्तित करने के लिए एक आधारभूत ढांचे का निर्माण कर लेता है, तो उत्तर भारत में खुशहाली की नई इबारत तो लिखी जाएगी ही, साथ में पाकिस्तान की लगभग 21 करोड़ की जनसंख्या सीधे तौर पर प्रभावित होगी जो पाकिस्तान को हमेशा के लिए घुटनों पर लाने के लिए काफी है। भारत सरकार अगर अपने इस निर्णय पर अडिग रहती है तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे और पाकिस्तान के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो सकता है। आज से 9 वर्ष पूर्व इसी विषय पर 'दिव्य हिमाचल' के संपादकीय में प्रकाशित मेरे एक लेख में मैंने इस भेदभावपूर्ण संधि में बदलाव के बारे में स्पष्ट लिखा था और कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ हुई इस गलत संधि से पीछे हट जाता है तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद समेत कई समस्याओं का पूर्ण रूपेण सफाया हो जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग 9 वर्षों की बातचीत के पश्चात 19 सितंबर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी। इस संधि के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण मिला था, वहीं पाकिस्तान को झेलम, चेनाब और सिंधु नदी पर अधिकार मिला, हालांकि भारत पश्चिमी नदियों के भारत में बहने के दौरान कुछ हिस्से का सीमित मात्रा में उपयोग कर सकता था, परंतु यह कमोबेश पाकिस्तान की मर्जी पर ही निर्भर था। इस संधि को इसलिए भी भेदभावपूर्ण और गलत माना जाता रहा है क्योंकि इस संधि में भारत के हिस्से आई तीनों नदियों का कुल जल प्रवाह 41000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है, वहीं अकेली सिंधु नदी का जल प्रवाह 233000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को इस समझौते से 30 फीसदी, तो पाकिस्तान को कुल 70 फीसदी पानी मिला और सबसे ज्यादा अपमानजनक पहलू तो यह था कि भारत को इस संधि की अनुसार 125 मीट्रिक टन सोना अथवा 6 करोड़ 20 लाख पाउंड पाकिस्तान को देने के लिए बाध्य किया गया और भारत की कमजोरी देखिए कि 1965 के युद्ध के बावजूद भारत ने दस वार्षिक किस्तों में यह धनराशि पाकिस्तान को दी। इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी ही कहा जाएगा कि तीन युद्धों के बाद भी इस संधि को नहीं तोड़ा गया। इस संधि के टूटने से पाकिस्तान पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। कृषि आधारित उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। पहले से ही कई तरह की आंतरिक समस्याओं में उलझा पाकिस्तान इस झटके को सहन करने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान ने शायद सोचा ही नहीं था कि भारतीय नेतृत्व कभी इस हद तक जा सकता है। तीन युद्धों के पश्चात भी इस संधि के न टूटने को पाकिस्तान ने इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी मान लिया था और शायद यही कारण रहा होगा कि वह वर्तमान सरकार के निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने में गलत साबित हुआ। अब वह इसे लेकर अपनी आदत के अनुरूप हाय-तौबा तो जरूर मचाएगा, पर होगा वही जो भारत चाहेगा। इस संधि का भविष्य क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, पर इतना निश्चित है कि अगर भारत सरकार चाहे तो आतंकवाद समेत कई बड़ी समस्याओं का निराकरण इस संधि के सहारे पाकिस्तान की गर्दन दबाकर कर सकता है। भारत को होने वाले लाभ को अगर हम एक तरफ कर दें और केवल हिमाचल की दृष्टि से इस संधि के टूटने से होने वाले प्रभावों का आकलन करें तो भविष्य में सबसे ज्यादा लाभ हिमाचल को होने वाला है। हिमाचल प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से में आने वाली पश्चिमी नदियों में से एक चंद्रभागा (चेनाब) नदी जम्मू-कश्मीर में मिलने से पहले लाहुल-स्पीति के तांदी से पांगी घाटी के पद्दर तक 136 किमी हिमाचल प्रदेश में बहती है। तांदी में चंद्रा और भागा का संगम होने से पूर्व चंद्रा नदी अपने उद्गम स्थल से 115 किमी व भागा लगभग 60 किमी का सफर तय करती है। पर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि सुंदर प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच इतनी लंबी दूरी तय करने के बावजूद लाहुल और पांगी के साथ ही प्रदेश को सबसे ज्यादा जल घनत्व वाली इस नदी का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। एक अनुमान के अनुसार चंद्रभागा नदी बेसिन में 11000 मेगावाट जल विद्युत उत्पादित करने की क्षमता है, पर सिंधु जल संधि के कारण आज तक हम एक मेगावाट विद्युत क्षमता का भी दोहन नहीं कर पाए हैं। दूसरी संभावना रन ऑफ रिवर (जिसमें बिना बांध के नदी प्रवाह के सहारे विद्युत उत्पादन) है, पर इसमें उत्पादित विद्युत को प्रदेश के दूसरे भाग में पहुंचाना एक बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि यह सारा क्षेत्र हमेशा बर्फ से ढके रहने वाले पहाड़ों से घिरा हुआ है। ऐसे में एकमात्र विकल्प है कि पानी के प्रवाह को सुरंगों के सहारे मोडक़र प्रदेश के दूसरे भागों में विद्युत उत्पादित की जाए। सिंधु जल संधि के कारण हम चंद्रभागा नदी के प्रवाह को नहीं मोड़ सकते थे, पर 23 अप्रैल को इस संधि के स्थगित होने से अब ऐसी कोई बाध्यता नहीं रहेगी। छतड़ू (लाहुल) 2740 मी. पर यदि एक छोटा सा बांध बना कर चंद्रा नदी को मनाली (2000 मी.) की तरफ मोड़ दिया जाए तो मात्र 8 किमी की टनल बनाने से ही 700 मीटर के हेड पर 3000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादित की जा सकती है। ब्यास नदी बेसिन पर पहले से ही प्रदेश विद्युत विभाग और बीबीएमबी द्वारा तैयार किया गया जल विद्युत का आधारभूत ढांचा मौजूद है। लगातार जल उपलब्ध रहने के कारण वह अपनी पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन कर पाएंगे। दूसरा लाहुल के ही तींदी या मिंधल के पास से चंद्रभागा का प्रवाह मोड़ कर रावी में मिला दिया जाए तो विद्युत उत्पादन में हिमाचल नई ऊंचाईयां छू लेगा, साथ में सूखती नदियों को भी नया जीवनदान मिलेगा। चंद्रभागा नदी के प्रवाह को मोडऩे का सबसे ज्यादा लाभ उत्तर भारत के जल संकट से निपटने से मिलेगा।

आप का नजरीया

शहरी वजूद में खुली सांस

शहरी स्वच्छता के पैमानों में दम भरते हुए हिमाचल ने अपने नगरीय जीवन की नब्ज टटोली है। सूची के शिखर पर सोलन, तो अंतिम आठवें स्थान पर हमीरपुर रहा। आश्चर्य यह कि शिमला की स्वच्छता के अलंकार भी केवल सांतवां स्थान अर्जित कर पाए, जबकि धर्मशाला दूसरे स्थान पर रहा। स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर की परिकल्पना में नगर निगमों की जमीन पर, शहरों की यह व्याख्या बता रही है कि इस सफर की कहानी कठिन है। यही सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल के शहरीकरण को कमजोर मानता है। यहां राजधानी शिमला अगर निचली पायदान पर नजर आ रही है, तो यह चिंता का विषय है। यह इसलिए भी कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शिमला की स्वच्छता के आदर्श परिमार्जित होने चाहिएं, जबकि राजधानी का रुतबा लुढक़ गया। पर्वतीय शहरों की जरूरतें नागरिकों की बदलती जीवन शैली के कारण तीव्रता से बढ़ रही हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में कचरा भी बढ़ रहा है। शहरों के वजूद को खुली सांस लेने में तकलीफ है। गलियां तंग हैं, गलियां बंद हैं, जबकि भविष्य की नाकेबंदी पर नागरिक असहमति का राज है। स्वच्छता के दर्पण में टीसीपी कानून और टीसीपी महकमा कहीं छटपटा रहा है। इन आठ शहरों की नगर विकास योजना या तो मुकम्मल नहीं या आज तक सक्षम नहीं। स्वच्छ शहर की अहर्ताओं को पहचाने बिना शहर न तो सक्षम और न ही समृद्ध होंगे। सोलन जिसे मूल्यांकन में टॉप पोजिशन मिली है, उसे भी नागरिक जरूरतों से जूझना पड़ रहा है। पिछले दशक में बेशक नागरिक समाज और समृद्ध तथा शुमारी में शहर आगे हो गया, लेकिन पूरे शहर में एंबुलेंस पहुंचानी हो तो शीर्षासन करना पड़ेगा। सडक़ों के किनारे खड़े वाहनों को हटाना हो, तो नियमावली बदलनी पड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन की नई परिभाषा में इलेक्ट्रिक वाहन और रज्जु मार्गों का जाल बिछाना पड़ेगा। शहर में पार्किंग सुविधाओं और पार्कों में खुली सांस के लिए अतिरिक्त जमीन चाहिए। यह आज से सोचना पड़ेगा कि सोलन को कहां तक बढ़ाएं और कहां रोक दें। एक दिन इस सोलन में नया सोलन चाहिए। बेशक निजी व्यापारी पहाड़ खोद कर जमीन बेच रहे, लेकिन पर्वतीय शहर की आबरू बची कहां। शिमला का भविष्य 'राज्य राजधानी क्षेत्र' में बांटना होगा। शिमला अपने परिसर में कई सेटेलाइट टाउन की विरासत में खुद को बचा व संवार सकता है। इसके लिए वाकनाघाट में एक कर्मचारी नगर बसाकर वहां कुछ दफ्तर व सरकारी आवासीय व्यवस्था करनी होगी। धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजना 2109 करोड़ से सिमट कर 631 करोड़ की रह गई। यहां केंद्र ने 581 करोड़, जबकि राज्य ने मात्र 50 करोड़ दिए। आश्चर्य यह कि इस परियोजना को समझाने या आगे बढ़ाने के लिए सीमेंट-सरिया और ठेकेदारों के बीच एक जरिया ही समझा गया। कई योजनाओं के तिलक विभाग ले गए। एचआरटीसी को पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें और एक वर्कशाप के लिए धन देकर भी शहर को सार्वजनिक परिवहन नहीं मिला। यह दीगर है कि स्वच्छता के नाम पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर मेहनत हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीद–ारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे–मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ–साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख–शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं । महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद–विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच–समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उत–ार–चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ–साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 अप्रैल 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:13 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 09:38 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 08:01 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 11:07 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 02:54 तक
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पाराशर ऋषि जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ जंग के ध्वज वाहक हैं : सैनी

चंडीगढ़,27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने भीतर छुपे हुए परशुराम जी को पहचानें। अपने अंदर के साहस, ज्ञान और सेवा के भाव को जागृत करें, क्योंकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए ऐसे भाव और आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में सत्य, निष्ठा और धर्म को अपनाएं तथा एक ऐसा भारत और हरियाणा बनाएं जो आत्मबल से समृद्ध और आत्मा से पवित्र हो।

मुख्यमंत्री आज भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में 31 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सांसद कार्तिकेय शर्मा, सुरेंद्र नागर, रेखा शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे लिए सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से एक विशेष पर्व है, बल्कि यह भारत की उस महान सनातन परंपरा का भी प्रतीक है, जो समय– समय पर अधर्म का नाश करके धर्म की पुनः स्थापना करती रही है। भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ इसी जंग के ध्वज वाहक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत– विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया। उन्होंने केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। हमारी सरकार भी भगवान परशुराम जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान परशुराम जी ने शिक्षा के साथ साथ शस्त्र विद्या में भी राष्ट्र को समृद्ध किया है, उसी प्रकार आज हमें भी आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ–साथ अपनी सांस्कृतिक शक्ति को भी सशक्त करना होगा। हमारी परंपराएं, हमारी भाषा, हमारी संस्कृति ये सब हमारी आत्मा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया को योग, आयुर्वेद और शांति का मार्ग दिखा रहा है।

सैनी ने जिला सिरसा में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

चंडीगढ़27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को जिला सिरसा को लगभग 61 करोड़ 33 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के साथ ही चार अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के दो प्रोजेक्ट, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय तथा लोक निर्माण विभाग के एक–एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया।

साइक्लोथान 2.0 का समापन

हरियाणा नशे के खिलाफ एक दीवार बनकर खड़ा हो गया है : सैनी

सिरसा,27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार की नशा मुक्ति पहल के तहत शुरू हुई साइक्लोथान 2.0 के अंतिम दिन मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंच से नशे के खिलाफ एकजुट होने की सलाह प्रदेशवासियों की दी। उन्होंने दावा किया कि ये एक सामाजिक आंदोलन है जिसने लोगों को जागरूक किया है। यह अभियान 5 अप्रैल को हिसार से शुरू हुआ था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज सिरसा में हरी झंडी दिखाकर साइक्ल–ोथान को रवाना किया। यह यात्रा सिरसा से शुरू होकर ओढ़ा में समाप्त हुई। इस अभियान में 50 हजार से ज्यादा साइकिल सवार हिस्सा लिया, जिनमें युवा, बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्ति के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा , साइक्लोथान 2.0 न केवल एक साइकिल यात्रा है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है, जो युवाओं और समाज को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहा है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा : भजनलाल

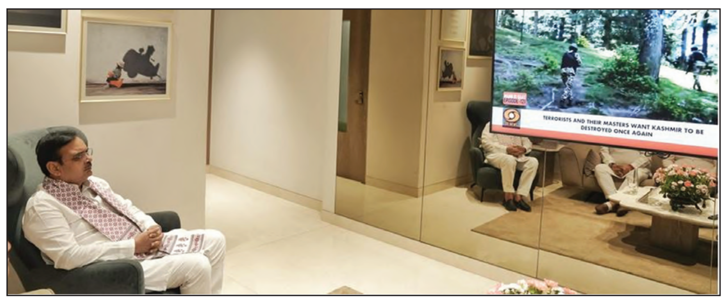

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा तथा हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी, मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए राहत अभियान और अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन भेजे जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट के समय विश्वमित्र के रूप में भारत की पहचान बन रही है। एक पेड़ मां के नाम अभियान की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में देशवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने मन की बात में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मंदिर शुद्धिकरण विवाद

पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा भाजपा से निष्कासित

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के एक मंदिर में हुए शुद्धिकरण विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आहूजा पर आरोप है कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद उसे गंगाजल से धुलवाया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आहूजा के खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोपों को सही पाते हुए रविवार को उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी है। यह कार्रवाई भाजपा की प्रदेश अनुशासन समिति द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। टीकाराम जूली के मंदिर में दर्शन करने के बाद मंदिर को गंगाजल से धुलवाने की घटना ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर काफी विवाद पैदा किया था। इस घटना को दलित समुदाय के अपमान के रूप में देखा गया, जिसके बाद भाजपा ने यह कठोर कदम उठाया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा नेतृत्व ने इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हुए डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है। टीकाराम जूली एक प्रमुख दलित नेता हैं और उनके साथ हुए इस व्यवहार को दलित समुदाय ने अपने सम्मान पर चोट के रूप में देखा है। ऐसे में, यदि भाजपा इस मामले पर नरम रुख अपनाती, तो इसका सीधा असर आगामी चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ सकता था।

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 56 टिकट बरामद

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आगामी आईपीएल मैचों की कालाबाजारी को रोकने के लिए सभी थाना अधिकारियों को कड़ी निर्देश दिए गए थे। इस मामले में, आईपीएल मैचों की टिकटों की कालाबाजारी के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है।

26 अप्रैल 2025 को सीएसटी टीम के कानि0 प्रदीप 10868 ने सूचना प्राप्त होने पर दो आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों में संदीप नाटाणी (45) और चंद्र प्रकाश (26) शामिल हैं। इनके पास से 28 अप्रैल 2025 के राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच होने वाले आईपीएल मैच के 56 टिकट बरामद हुए। संदीप नाटाणी के पास 40 टिकट थे, जिनकी कीमत 2400 रुपये प्रति टिकट थी, जबकि चंद्र प्रकाश के पास 16 टिकट थे, जिनकी कीमत 3200 रुपये प्रति टिकट थी। दोनों आरोपी इन टिकटों को काले बाजार में अधिक कीमत पर बेच रहे थे, 2400 रुपये वाले टिकट 4000 रुपये में और 3200 रुपये वाले टिकट 5000 रुपये में बेचे जा रहे थे। आरोपियों से पूछताछ के बाद यह सामने आया कि उन्होंने इन टिकटों को ब्लैक में बेचकर धोखाधड़ी की थी।

जली हुई कार मिली, युवक का अधजला शव बरामद

डीडवाना,27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना जिले के लाडनूं उपखंड क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बल्दु–गुणपालिया के कच्चे मार्ग पर एक कार में अचानक आग लगने से कार सवार व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बल्दू गांव निवासी प्रभुराम मेघवाल के रूप में हुई। यह घटना शनिवार रात को हुई थी, जिसके बारे में रविवार को पता चला। स्थानीय लोगों ने जली हुई कार देखी और पुलिस को सूचित किया।

कार से लगभग 75 प्रतिशत तक जले हुए अवस्था में प्रभुराम का शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर कार मिली, उससे कुछ दूरी पर मृतक का खेत भी स्थित है। घटना की जानकारी मिलते ही लाडनूं पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, ताकि आग लगने के कारणों और मृत्यु की असल वजह का पता लगाया जा सके। डीडवाना एसपी हनुमान प्रसाद मीणा, लाडनूं उप अधीक्षक विक्की नागपाल और थानाधिकारी महीराम बिश्नोई भी मौके पर पहुंचे और हर पहलू से जांच–पड़ताल में जुटे हुए हैं। क्षेत्र में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।फिलहाल आग लगने के कारण और प्रभुराम मेघवाल की मौत के पीछे की असल वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कार से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच गहनता से जारी है। इससे पहले राजस्थान के धौलपुर जिले के सरमथुरा–बाड़ी मार्ग पर सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया था।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, आभूषण और लैपटॉप बरामद

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के थाना बड़ायका क्षेत्र में एक चोरी की वारदात में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 13 और 14 अप्रैल की रात की है, जब चोरी करने वाले आरोपी सुखीजा नगर स्थित एक घर में घुसे थे और सोने के आभूषण समेत अन्य कीमती सामान चुरा लिया था।

चोरी किए गए सामान में सोने की चूड़ियां, मंगलसूत्र, बेलचूड़ी, एक लैपटॉप और एक बाइक शामिल हैं। चोरी की घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी सहायता के जरिए आरोपी सलमान खान और कौशल कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराए गए आभूषण और अन्य सामान बरामद किया। इसके अलावा, एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जिसका इस्तेमाल अपराधियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नालपुर में 5 मई से भक्त पूरणमल का पांच दिवसीय लख्खी मेला

नालपुर (राजस्थान),27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान में खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के गांव नालपुर के बिस्सा गांव में नाथ संप्रदाय के संस्थापक गुरु गोरखनाथ के परम शिष्य भक्त पूरणमल बाबा चौरंगी नाथ का विशाल लख्खी मेला आगामी 5 मई से 9 में तक आयोजित होगा। मेला प्रबंध कमेटी एवं भक्त पूरणमल सेवा समिति बिश्शा नालपुर के सहसंयोजक सूबेदार प्रभु दयाल ने बताया कि 5 मई को धाम के पुजारी (भक्त) जनों के द्वारा जात की स्थापना की जाएगी। 6 मई को धाम में देश के कोने–कोने से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं मे से नवजात शिशुओं की माताएं बच्चों की जात के लिए एवं नव विवाहित दंपति गठजोड़े की जात के लिए धाम में स्थित तालाबों में बाबा के पुजारीभक्तों के सानिध्य में मिट्टी की छटाई का पुण्य लेंगे यह जात्रि भक्त लोग उक्त वर्णित पांचो दिन मंदिर प्रांगण में ही शरणागत रहेंगे।7 मई को मुख्य रूप से दसमी के दिन बाबा को मानने वाले सभी भक्त लोग चूरमा की पिंडी का भोग अर्पण कर बाबा की चमत्कारी ज्योत दर्शन का लाभ लेंगे। 8 मई की रात्रि को मंदिर प्रांगण में बाबा का भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के आकाशवाणी लोक कलाकार नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी बाबा के इतिहास का गुणगान करेंगे। 9 मई को प्रातः से ही बाबा के मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल जाएंगे। जो पौराणिक विधि के अनुसार इस पांच दिवसीय मेले के दौरान बंद रहते हैं। मंदिर के कपाट खोलने के पश्चात धाम मे जात बैठे नवजात शिशु की माताएं अपने बच्चों का जडूला (मुंडन) करवायेंगी। नव विवाहित जोड़े अपने गठजोड़े की जात दे सकेंगे तथा बेरोजगार नवयुवक अपनी नौकरी के लिए मनौती मांगेंगे उल्लेखनीय है कि यह धाम इसी बात के लिए ही चर्चा में है जहां लोगों का मानना है कि यहां धाम में मनौती मांगने से बेरोजगार को नौकरी बांझ को बच्चा एवं कुंवारे को वधू मिलती है। इसीलिए हर वर्ष जिंनकी मनौती पूरी होती है वह है भक्त धाम के इस विशाल मेले में अपनी नौकरी की पहले महीने की तंखाह, नवजात शिशु की माता अपने बच्चों की जडूले की जात, एवं नव विवाहित जोड़े अपने गठजोड़े की जात बाबा के श्रद्धापूर्वक देते हैं। यहां सबसे बड़ी बात यह भी

बताते हैं कि देश आजाद होने के पश्चात सीमा पर हुए इतने बड़े युद्ध में आज तक इस गांव मैं कोई अब तक शहीद नहीं हुआ है जबकि यहां गांव के करीब 500 परिवारों के हर घर में एक या दो फौजी जरूर हैं अनेक युद्ध में भागीदार बने उन फौजी भाइयों का मानना है कि सीमा पर कारगिल जैसे घमासान युद्ध के दौरान हमारा सुरक्षित रहना बाबा का चमत्कार है। इन चमत्कारों से रूबरू होने के लिए अनेक बार समय–समय पर यहां बड़े स्तर पर मीडिया कर्मी भी आते रहते हैं। 9 मई को धाम मे स्थित तालाब में विधि विधान से गोदान का आयोजन होगा। सूबेदार ने बताया कि दूरदराज से आने वाले सभी हजारों भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए ठहरने एवं भोजन एवं जलपान की पूर्ण रूप से व्यवस्था मंदिर कमेटी एवं अन्य भक्तों के द्वारा नि:शुल्क रहेगी। इसके अलावा मंदिर में मेले के दौरान बाबा पूरणमल सेवा समिति हैदराबाद के द्वारा तीन दिवसीय यात्रियों के लिए भंडारे का आयोजन भी होगा। इनके साथ–साथ हैदराबाद के स्व.मनोहर लाल विद्याधर नालपुरिया एवं मामचंद सुरेश कुमार नालपुरिया के द्वारा भी साउथ इंडियन भंडारा रहेगा। इसकी जानकारी भंडारा आयोजन कमेटी के नरेश बंसल एवं राकेश नालपुरिया ने दी है। मेला प्रबंध कमेटी भक्त पूरणमल सेवा समिति के फाउंडर एवम पूर्व सचिव पवन भारती ने बताया कि हैदराबाद शहर से भी भक्त पूरणमल बाबा तोरंगीनाथ के मेले में सैकड़ो लोग पहुंचकर श्रद्धालुओं की अनेक तरह की सेवा देंगे। इसके साथ ही 7 मई को प्रातः 7:00 बजे से नवयुवक मंडल नालपुर के द्वारा गांव की चौपाल से बाबा की विशाल निशान यात्रा एवं महिलाओं द्वारा कलश यात्रा गाजे बाजे से निकाली जाएगी। निशान पदयात्रा में बाबा का सुंदर दरबार भक्तों के द्वारा सजाया जाएगा तथा बाबा पूरणमल की अखंड ज्योत के साथ दरबार रथ के साथ चलेगा। नवयुवक मंडल के शेर सिंह ठेकेदार ने बताया कि निशान यात्रा की तैयारियां जोरों से की जा रही है।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों पर बड़ा एक्शन

सीमा के 10-15 किमी दायरे में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई शुरू कर दी है। 25 से 27 अप्रैल के बीच हुए विशेष अभियान में कई जिलों में बड़ी तादाद में अतिक्रमण हटाए गए हैं। सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमाया हुआ था जिन्हें अब सरकार ने मुक्त कराने का अभियान छेड़ा है।

जनपद बहराइच के तहसील नानपारा के अंतर्गत भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 0 से 10 किलोमीटर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर 227 अवैध अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए थे। इनमें से पहले से हटाए गए 63 अतिक्रमणों के बाद, 25-27 अप्रैल के बीच 26 और अतिक्रमण हटवाए गए। अब तक कुल 89 अवैध कब्जेदारों से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। राहत की बात यह है कि किसी भी अतिक्रमित स्थल पर धार्मिक या शैक्षणिक संरचना नहीं पाई गई।

जनपद श्रावस्ती में बिना मान्यता के संचालित 17 मदरसों पर कार्रवाई की गई है। तहसील जमुनहा में 7 और तहसील भिनगा में 10 मदरसों को वैध कागजात न होने के कारण बंद करवा दिया गया। इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा से सटे 0-15 किलोमीटर क्षेत्र में अस्थाई व स्थाई अवैध कब्जों के 119 मामलों में भी राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत कार्रवाई जारी है।

सिद्धार्थनगर जिले की नौगढ़ तहसील में नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर भीतर 5 जगहों पर अवैध अतिक्रमण में मस्जिद और मदरसे के निर्माण की पुष्टि हुई है। फिलहाल उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच और कार्रवाई जारी है। वहीं शोहरतगढ़ तहसील में 6 स्थानों पर अवैध निर्माण चिन्हित हुए हैं। महाराजगंज जिले में फरेंदा, नौतनवा और निचलौल तहसीलों में भी क्रमशः 3, 10 और 6 स्थानों पर सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण पाया गया है। एक मामला न्यायालय में विचाराधीन है और शेष सभी मामलों में धारा 67 (1) के तहत बेदखली की कार्रवाई या अवैध निर्माण को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई जारी है।

बलरामपुर जनपद में भी सरकारी भूमि पर कुल 7 अवैध कब्जे चिन्हित किए गए हैं। इनमें से बलरामपुर तहसील में 5 और तुलसीपुर तहसील में 2 अवैध कब्जे शामिल हैं। इनमें 2 अवैध कब्जेदारों ने शासन द्वारा चिन्हित किए जाने के बाद स्वत: कब्जा हटा लिया, जबकि शेष पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 67 के अंतर्गत बेदखली की कार्रवाई की जा रही है।

योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, धार्मिक या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित अतिक्रमणों को शीघ्रता से हटाया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

इसी तरह जनपद लखीमपुर खीरी में भी अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि खसरा नंबर 222 कृष्णा नगर कॉलोनी तहसील पलिया में अनाधिकृत जगह पर नमाज पढ़ी जा रही थी। यहां मस्जिद बनाए जाने की योजना थी। इस अवैध निर्माण को हटा दिया गया है।इसके अतिरिक्त जनपद के अन्य स्थानों पर भी चिन्हीकरण किया जा रहा है। जहां कहीं भी अवैध निर्माण मिलेगा, वहां कार्रवाई की जाएगी।

गंगा नदी पर नया फोरलेन पुल बनाने के लिए सर्वे शुरू

17 सौ मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा पुल बनेगा

शुक्लागंज (कानपुर), 27 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटिश हुकूमत में बने पुराने गंगापुल के कुछ हिस्से के ढहने के बाद इसके समानांतर लगभग 235 करोड़ की लागत से नया फोरलेन बनाने की कवायद शुरू हो गई है। लगभग 17 सौ मीटर लंबाई का यह पुल तिवारी के बगीचा मोड़ से चढ़ेगा और कानपुर छोर पर गंगाघाट पुलिस चौकी पर उतरेगा।

पुल निर्माण के लिए शनिवार से सर्वे का कार्य शुरू हो गया है। कानपुर सेतु निगम और उन्नाव राजस्व विभाग की टीम ने शनिवार को सर्वे के तहत स्थलीय निरीक्षण भी किया।

कानपुर सेतु निगम के एई अनुराग सिंह और उन्नाव की नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी ने पुराने गंगापुल से 50 मीटर दूर प्रस्तावित पुल के निर्माण स्थल का जायजा लिया। इस दौरान राजस्व विभाग ने अपने नक्शे के आधार पर पुल के बीच आने वाली अड़चनों के बारे में जानकारी ली। सेतु निगम के एई अनुराग सिंह ने बताया कि नया फोरलेन पुल की अनुमानित लागत लगभग 235 करोड़ है, जो आगे घट-बढ़ सकती है। शनिवार से सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। इसमें पुल बनाए जाने के बीच आने वाली अड़चनें, कितनी जमीन का अधिग्रहण होगा, कितने मकान जद में आएंगे, इन सबको लेकर मंथन जारी है। उन्होंने बताया कि नया पुल 17 सौ मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा बनेगा। शुक्लागंज छोर के नवीन गंगापुल के मोहल्ला तिवारी का बगीचा मोड़ के पास से पुल चढ़ेगा और रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी बनाते हुए पुल को मिश्रा कॉलोनी छोर पर मोड़ते हुए कानपुर छोर के ओईएफ स्टेडियम मार्ग के पास से गंगाघाट पुलिस चौकी पर उतार जाएगा। निरीक्षण के दौरान लेखपाल अशोक सैनी, मनोज यादव व अन्य राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

शनिवार को मिश्रा कालोनी छोर पर सर्वे कार्य के लिए जब सेतु निगम और राजस्व विभाग की टीम पहुंची तो पुल बनाए जाने के दौरान मकान जाने के डर से कुछ लोग अपनी रजिस्ट्री आदि लेकर पहुंच गए। सेतु निगम के एई ने लोगों को बताया कि वह परेशान न हों, जिनके पास सही दस्तावेज होंगे, उन्हें सरकार की ओर से सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। मालूम हो कि पुल बनाए जाने की जद में करीब 30 से 40 मकान आ रहे हैं।

रेल गंगापुल के अपलाइन पर मरम्मत कार्य के कारण शनिवार सुबह आठ से शाम 4:30 बजे तक रेल पुल के नीचे का अंडरपास मार्ग को सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह से बंद रहा। ऐसे में पश्चिमी गंगाघाट से शहर की ओर आवागमन करने वालों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। यातायात को रेलवे स्टेशन के निकट पड़ने वाली रेलवे क्रॉसिंग मार्ग से निकाला गया। वहां रेलवे फाटक बंद होने पर कई बार जाम लगा।

पहलगाम हमले पर बेजा टिप्पणी

गायिका नेहा सिंह राठौर पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बेजा टिप्पणी करने वाली लोक गायिका नेहा सिंह राठौर पर एफआईआर दर्ज की गई है। रविवार को गुडंबा वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय सिंह निर्भीक ने नेहा के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया है।

हजरतगंज के एसीपी विकास जायसवाल ने बताया कि शिकायतकर्ता ने तहरीर में आर-ोप लगाया है कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म जाति के आधार पर एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध अपराध कारित करने के लिए उकसाने का काम किया है।

इतना नहीं नहीं सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए नेहा ने इस आतंकी हमले में मारे गए निर्देशों पर सवाल उठाए और दो समुदाय के विरुद्ध आपसी सौहार्द बिगाड़ने और शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए देश विरोधी बातें की हैं।

नेहा सिंह राठौर के भारत विरोधी बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहे हैं और पाकिस्तान में नेहा सिंह राठौर की प्रशंसा हो रही है। नेहा सिंह राठौर के सभी देश विरोधी बयान पाकिस्तान की मीडिया में भारत के खिलाफ प्रयोग किए जा रहे हैं और दुश्मन देश भारत पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। संकट की ऐसी स्थिति में नेहा सिंह राठौर के लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी के कारण देश के कवि समाज के साथ-साथ पूरे भारत देश के मान और सम्मान का हनन हो रहा है। एसीपी ने बताया कि इस मामले में आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है और जल्द नेहा सिंह राठौर को नोटिस देकर पूछताछ की जाएगी।

शाहजहांपुर में देश की पहली नाइट लैंडिंग हवाईपट्टी बनी

फाइटर प्लेन कर सकेंगे अभ्यास, सीएम योगी ने किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाईपट्टी का निरीक्षण किया। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाईपट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे आवागमन सुरक्षित होगा और किसी भी अपराधिक वारदात की आशंका पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेस-वे के विस्तार की बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि इसे प्रयागराज से गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। साथ ही मेरठ को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक हब बनाने की योजना है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे को फर्रुखाबाद से लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए बुंदेलखंड से जोड़ा जाएगा। इससे बुंदेलखंड में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिलेगी। योगी ने विश्वास जताया कि गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

यूपी में बच्चा-बच्चा कुचल रहा पाकिस्तान

खुर्जा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम की घटना के विरोध में खुर्जा की सड़कों पर पाकिस्तान के झंडे लगा दिए गए हैं, जिसके ऊपर लोग पैदल चल कर गुजर रहे थे।

साथ ही वाहनों के पहिए चढ़ा कर विरोध जता रहे थे। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। विभिन्न संगठनों की ओर से केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन भी दिए गए। लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान के विरोध का नया तरीका ढूंढ़ लिया है।

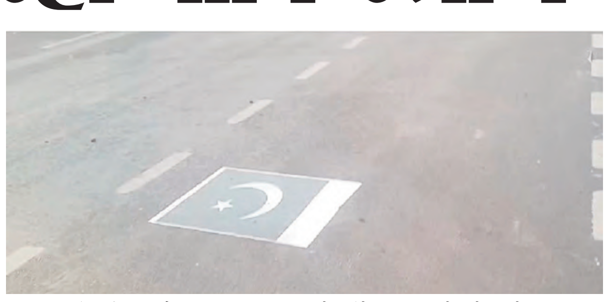

खुर्जा क्षेत्र के रोडवेज बस अड्डा तिराहा और जेवर अड्डा चौराहा पर सड़कों के ऊपर पाकिस्तान के झंडे लगा दिए, जिसके ऊपर चढ़ कर लोग गुजर रहे थे। हालांकि ये झंडे कागज के थे, जो लगातार वाहन गुजरने से फटकर खराब हो गए। सीओ खुर्जा विकास प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। वीडियो के आधार पर जांच की जाएगी

19 हजार सिपाहियों की भर्ती के लिए शुरू हुई तैयारी

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के 19 हजार से अधिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति मई माह के पहले सप्ताह में जारी होने के आसार हैं। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा कराने वाली कंपनी का चयन करने के साथ शासन से आवश्यक अनुमति ली जा रही है। विज्ञप्ति जारी होने के बाद इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन लेना शुरू कर दिया जाएगा।

बता दें कि डीजीपी मुख्यालय ने बीत दिनों भर्ती बोर्ड को सिपाही के 19,220 पदों पर सीधी भर्ती करने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसके बाद बोर्ड द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई थी। बोर्ड ने अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की संभावना जताई थी, हालांकि कुछ औपचारिकताएं पूरी करने की वजह से इसमें कुछ समय लग सकता है। अधिकारियों के मुताबिक मई माह के पहले सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की तैयारी की जा रही है।

भर्ती बोर्ड पीएसी में 9837, विशेष सुरक्षा बल में 1341, लखनऊ, गोरखपुर और बदायूं में पीएसी की महिला वाहिनी के लिए 2282, नागरिक पुलिस में 3245, सशस्त्र पुलिस (पीएसी) में 2444 और घुड़सवार पुलिस के 71 पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी करके ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगा। तत्पश्चात लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा

पोषण और स्वच्छता के लिए चला जागरूकता अभियान

खानपान में मोटे अनाज शामिल करने की सलाह

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में पोषण और स्वच्छता के प्रति छात्राओं ने जागरूकता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी किरण लता वर्मा ने लोगों को खानपान में मोटे अनाज का सेवन बढ़ाने की सलाह दी। राजधानी लखनऊ में राजाजीपुरम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से पोषण और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही अच्छा कार्य किया जा सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को खान-पान और स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। महिलाओं और किशोरियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ ही अपने खान-पान में पौष्टिक तत्वों को शामिल करना चाहिए। कुपोषण एक बड़ी समस्या है। यदि किशोरावस्था में ही पौष्टिक भोजन लिया जाए तो भविष्य में आने वाली कई तरह की बीमारियों को अपने आप दूर किया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से अपील की कि खानपान में मोटे अनाज का सेवन बढ़ाएं।

कार्यक्रम अधिकारी किरण लता वर्मा एवं डॉ निशी मिश्रा के नेतृत्व में जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली, महिलाओं एवं बच्चों में पोषण इत्यादि विषय पर मलिन बस्तियों में लोगों को जागरूक किया। इस दौरान साधना सिंह यादव एवं डॉ पूनम पांडे ने भी संतुलित आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह भी बताया कि मौसम के अनुसार खानपान में बदलाव करते रहना चाहिए।

कृष्णा भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे : रायुडू

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां) । पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्णा ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अभी तक सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के कारण पर्पल कैप के दावेदार हैं। गुजरात की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसकी ओर से कृष्णा ने अब तक 16 विकेट लिए हैं। कृष्णा पिछले काफी समय से फिटनेस की दिक्कतों के कारण खेल से दूसरे थे पर इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायीं थीं। इसके बाद से ही वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद फेंकना है । उनकी गेंदबाजी में बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल गुजरात ही नहीं भारतीय टीम के लिए भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर भी रायुडू से सहमत हैं और उनका भी कहना है कि कहा कि कृष्णा अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और गुजरात को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये हैं जो दबाव हटाता है। उनकी गति बढ़ गई है।

आरसीबी के कोच द्वारा हेजलवुड की जमकर प्रशंसा

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जमकर प्रशंसा की है। फ्लावर ने कहा कि हेजलवुड खेल के किसी भी प्रारूप में आसानी से दबाव का सामना करते हैं और जानते हैं कि कब कैसे गेंदबाजी करनी है। आरसीब के अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचने में भी हेजलवुड की अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन देकर 4 विकेट लिए थे। फ्लावर ने कहा, 'मैं उनके आखिरी दोनों ओवरों की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवरों में केवल सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवरों से पता चलता है कि वि किस स्तर का गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में खेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है पर उसके पास हर तरह की गेंदबाजी करने की क्षमता है। वहीं जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है। फ्लावर ने कहा कि तीन अलग-अलग तरह की तेज गेंदबाजी आक्रमण आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवनेश्वर कुमार का भी प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूटीटी कटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

शुभमन बोले, जिनसे मिला ही नहीं उनसे मेरा नाम जोड़ा गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज और आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अपने खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चाओं में बने रहते हैं। कुछ समय पहले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ उनके नाम को जोड़ा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान के साथ भी देखे गए। वहीं हाल में एक साझात्कार में शुभमन ने इन सभी बातों को आधारहीन बताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा कि मेरा नाम ऐसे लोगों से जोड़ा गया है जिनसे मैं कभी मिला ही नहीं। इसलिए मुझे इन बातों पर हैरानी होती है। मैंने कुछ लोगों को अपने जीवन में कभी देखा तक नहीं, फिर भी मेरे बारे में ऐसी बातें फैलती हैं। साथ ही कहा कि उनका पूरा ध्यान इस समय अपने करियर पर है आर रिलेशनशिप के लिए उनके पास न तो समय है और न ही रुचि। सारा तेंदुलकर के साथ उनकी कथित डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया के एक इंस्टाग्राम कमेंट से शुरू हुई थीं हालांकि दोनों को कभी सार्वजनिक रूप से एक साथ नहीं देखा गया।

आईपीएल : प्रभुसिमरन के 1,000 रन पूरे हुए

कोलकाता । पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले टीम के

पहले अनकैप्ड बल्लेबाज़ बन गये हैं। प्रभसिमरन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में लगाये अर्धशतक के दौरान ही अपने 1000 रन पूरे किये। अनकैप्ड खिलाड़ी वो होता है जिसने कभी भी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में कभी अपने देश की ओर से नहीं खेला हो। प्रभसिमरन ने अपनी पारी के दौरान 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की सहायता से 83 रन बनाये। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस सत्र में उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। उन्होंने कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है।

बेंगलुरु की सातवीं जीत, दिल्ली को 6 विकेट से हराया

क्रुणाल पांड्या-विराट कोहली के अर्धशतक

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की तरफ पहला कदम बढ़ा दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आरसीबी ने अरुण जेटली स्टेडियम में 7 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ आरसीबी के 10 मैचों में 14 पॉइंट हो गए हैं। अब प्लेऑफ में जाने के लिए उसे सिर्फ एक जीत चाहिए। पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 8 विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने एक समय 26 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। यहां से विराट कोहली और क्रुणाल पंड्या ने फिफ्टी लगाकर टीम को 19वें ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

दिल्ली ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए लड़ने लायक स्कोर नहीं बना पाई। दिल्ली की तरफ से केएल राहुल ने थोड़ा धीमा अंदाज में खेलते हुए 39 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 41 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर दिल्ली को 150 के पार पहुंचाया। शुरुआत तो गजब की थी दिल्ली कैपिटल्स की। जिस तरह से पहले तीन ओवर खेले गए थे। लेकिन इसके बाद तो मध्य ओवरों में करुण नायर और फाफ डुप्लेसी के विकेट गिरने के बाद रन रेट गिरा था और जिम्मेदारी अब केएल राहुल और कप्तान अक्षर पटेल पर थी।

अक्षर तो जल्दी आउट हुए लेकिन दो अहम विकेट भुवनेश्वर कुमार लेकर चले गए, जहां पर उन्होंने अहम समय पर केएल राहुल को आउट कर दिया। बाकी बची कहानी भुवी ने इस बीच आशुतोष का विकेट लेकर भी खत्म कर दी।

दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल ने 11 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 28 रन ठोके। फाफ डुप्लेसी थोड़ा धीमे रहे। डुप्लेसी ने 26 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये। करुण नायर चार और कप्तान अक्षर पटेल 15 रन बनाकर आउट हुए। विप्रज निगम छह गेंदों पर एक छक्के की मदद से 12 रन बनाकर रन आउट हुए।

दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 54 रन जोड़े और चार विकेट गंवाए। आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि हेजलवुड ने चार ओवर में 36 रन देकर दो विकेट लिए जबकि यश दयाल और क्रुणाल पांड्या ने एक-एक विकेट लिया।

मुंबई ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस को लगातार 5वीं जीत मिल गई है। वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 7 विकेट पर 215 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ एक समय मजबूत स्थिति में थी। 11 ओवर के बाद टीम का स्कोर 3 विकेट पर 109 रन था। मिचेल मार्श के साथ आयुष बडोनी सेट थे। दोनों को रन बनाने में कोई दिक्कत भी नहीं हो रही थी।

ट्रेंट बोल्ट वैसे तो पावरप्ले में नई गेंद से ज्यादा बॉलिंग करते हैं। लेकिन इस मैच में हार्दिक पंड्या ने पहला ओवर देने का बाद उन्हें हटा दिया।

12वें ओवर में एक बार फिर बोल्ट गेंदबाजी के लिए आए। 12वें ओवर की दूसरी ही गेंद पर बोल्ट ने मार्श को आउट कर दिया। धीमी गति की गेंद पर वह तिलक वर्मा के हाथ में शॉट खेल बैठे। मार्श ने 24 गेंद पर 34 रनों की पारी खेली।मिचेल मार्श जब आउट हुए तो लखनऊ का स्कोर 4 विकेट पर 110 रन था। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया।

161 पर टीम की पारी सिमट गई। आखिरी 9 ओवर में लखनऊ के बल्लेबाजों ने सिर्फ 52 रन बनाए। इस दौरान टीम के 7 बल्लेबाज आउट हुए। आखिरी ओवर में दिग्वेश राठी का विकेट लेकर बोल्ट ने ही लखनऊ की पारी का अंत किया। टीम का कोई भी खिलाड़ी 35 रनों का आंकड़ों को पार नहीं किया।

मुंबई इंडियंस विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) के अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (22 रन देकर चार विकेट) की अगुआई में शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत से तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। आईपीएल में हमेशा की तरह धीमी शुरुआत के बाद लय पकड़ने वाली मुंबई इंडियंस 10 मैच में 12 अंक लेकर गुजरात टाइटन्स (आठ मैच में 12 अंक) से नीचे बनी हुई है। एलएसजी 10 अंक से छठे स्थान पर है।

बेस्ट फील्डिंग के लिए प्रसिद्ध जोंटी रोड्स पहुंचेंगे छत्तीसगढ़

बेस्ट फील्डिंग के लिए मशहूर पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी जोंटी रोड्स को चाहने वाले रायपुरिंस के लिए एक अच्छी खबर है। जोंटी रोड्स आज रविवार को राजधानी रायपुर आ रहे हैं, जहाँ वह क्रिकफेस्ट के चयनित छात्रों के लिए फील्डिंग मास्टर क्लास लेंगे। वह रायपुर के अवंती विहार स्थित इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी के मैदान जाएँगे। उल्लेखनीय है कि क्रिकफेस्ट एक महीने तक चलने वाला क्रिकेट मास्टर क्लास समर कैंप है, जिसका आयोजन अरण्य ने एकाना के सहयोग से किया है। इस कैंप में भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसी संदर्भ में जोंटी रोड्स रायपुर आकर क्रिकफेस्ट के छात्रों को फील्डिंग का प्रशिक्षण देंगे। यह एक बेहतरीन अवसर है युवा क्रिकेटर्स के लिए, जहाँ वे विश्वस्तरीय फील्डिंग के गुर सिख पाएँगे।

गोयनका खिलाड़ियों को फैसले लेने में आजादी देते हैं : पूरन

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने फ्रैंचाइजी मालिक संजीव गोयनका का बचाव करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को फैसले लेन में आजादी देते हैं। गोयनका टीम की रणनीतियों में शामिल रहते हैं और माना जाता है कि उनका रवैया खिलाड़ियों की ओर सख्त रहता है। पिछले सत्र में कप्तान रहे केएल राहुल के साथ हुई उनकी बहस के बाद खास विवाद भी उठा था। राहुल को इसके बाद रिटेन नहीं किया गया था। इस बार भी वह टीम की हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बातचीन के लिए निशाने पर रहे हैं। उन पर खेल के मामलों में बिना कारण हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। पूरन ने गोयनका के कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं और उन्हें खेल के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं। पूरन ने बताया कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को कई अवसर प्रदान किए हैं, जिसका प्रभाव पूरी टीम के प्रदर्शन पर नजर आया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पूरन ने उम्मीद जताई कि इससे अब आने वाले मैचों में टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। पूरन इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में हैं। इस कैरेबियाई बल्लेबाज ने 9 मैचों में 47.13 की औसत और 204.89 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 377 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैच की दौड़ में बने हुए हैं।

मनोज तिवारी बोले कोच पोंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है।

कोपा डेल रे फाइनल: बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया, कोंडे ने एक्स्ट्रा टाइम में किया विजयी गोल

सेविले, 27 अप्रैल (एजेंसियां) । बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया।

ला कार्तूजा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

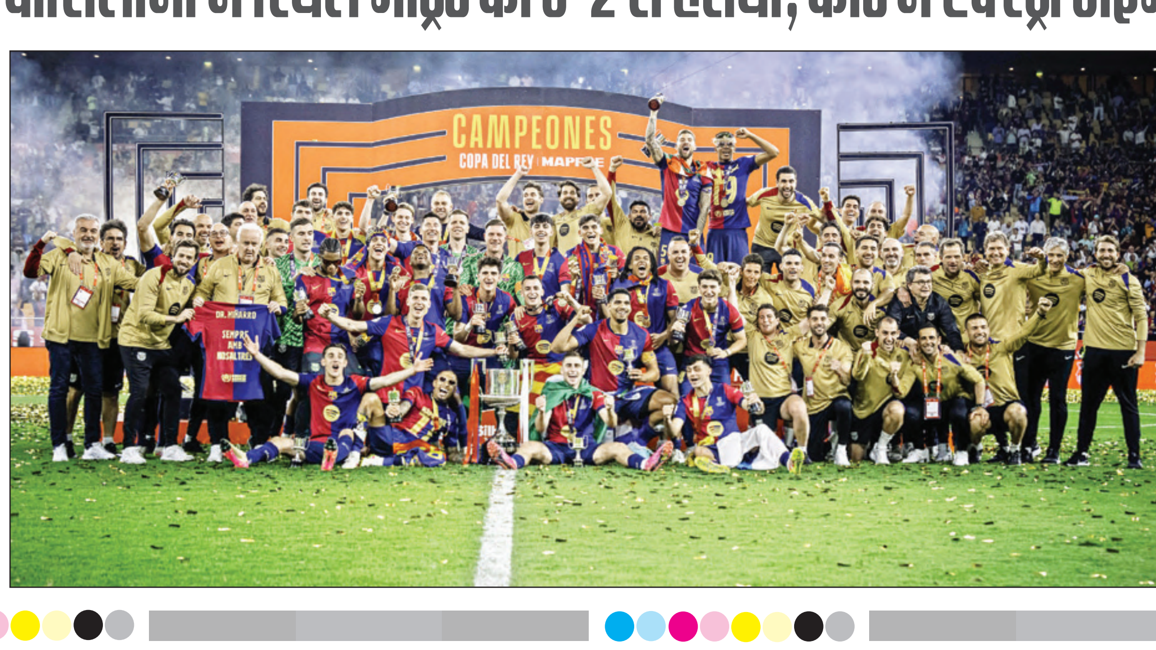

रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों का बर्ताव रहा विवादों में - मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाज़क्केज़ भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

यमाल ने दिखाया जलवा, एम्बाप्पे ने दिलाई उम्मीद - रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरुआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में चमके कोंडे अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंततः लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

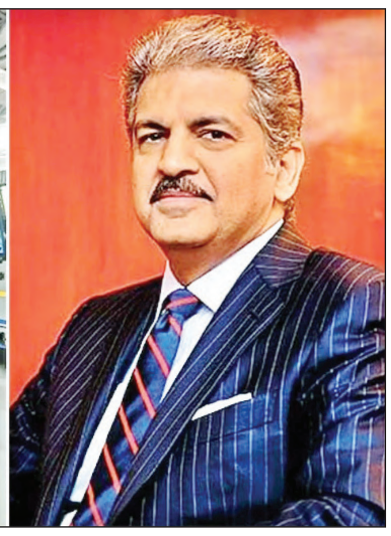

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है।

यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

नोकिया सॉल्यूशंस ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया में एक प्रतिशत हिस्सेदारी 786 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली। नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी शुक्रवार को 786 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने 102.70 करोड़ शेयर बेचे, जो वोडाफोन आइडिया में लगभग 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इन शेयरों को औसतन 7.65 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे की कीमत 785.67 करोड़ रुपए हुई। इस बीच, गोल्डमैन सैक्स, जो एक वैश्विक निवेश कंपनी है, ने वोडाफोन आइडिया में 59.86 करोड़ शेयर यानी 0.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है।

पिछले साल जून में, वोडाफोन आइडिया ने घोषणा की थी कि वह नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को उनके आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए 2,458 करोड़ रुपए के शेयर आवंटित करेगी। इस सौदे से नोकिया सॉल्यूशंस को वोडाफोन आइडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में एक महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हुआ है, जबकि गोल्डमैन सैक्स जैसे निवेशक इस अवसर का लाभ उठाते हुए वोडाफोन आइडिया में निवेश कर रहे हैं।

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

नई दिल्ली। प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। यूजर को यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे।

बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ पेश किया

- मौसम जनित जोखिमों के खिलाफ तुरंत क्लेम देने और मनमाफिक सुरक्षा देने वाला बीमा
- पॉलिसी तुरंत जारी, पूरी तरह से डिजिटल
- ग्राहक साल में कई पॉलिसियां खरीद सकते हैं
- जोखिम अवधि एक दिन जितनी कम हो सकती है
- दावे ऑटोमैटिक से 7 दिनों के भीतर निपटाए जाते हैं

पुणे, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्युमेंट्स के साथ

ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं। यह बीमा कवर बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, और उनके अन्य डिस्ट्रिब्यूशन चैनलों से खरीदा जा सकता है।

क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, हयूंदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं। मारुति ने एफवाय25 में बलेनो की 1,67,161 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाय24) में यह आंकड़ा 1,95,607 यूनिट्स था। हालांकि, हाल ही में लॉन्च हुई बलेनो पर आधारित मारुति सुजुकी फ्रॉन्स ने कुछ हद तक बलेनो की बिक्री को प्रभावित किया है। इन दोनों कारों में समान पावरट्रेन और इंटीरियर्स का इस्तेमाल किया गया है। बलेनो में 1.2-लीटर ड्यूल-जेट ड्यूल-वीवीटी पेट्रोल इंजन है, जो 89.73 पीएस की पावर और 113एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके अलावा, इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी हैं। बलेनो का सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है, जो 77.5पीएस और 98.5 एनएम के साथ आता है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा।

वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनआईए ने जांच के...

इस हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है।'

कश्मीर में हुए सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक को अंजाम देने वाले घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों से भी बारीकी से पूछताछ की जा रही है। एनआईए के बयान के अनुसार आतंकवाद रोधी एजेंसी के एक महानिरीक्षक, एक उपमहानिरीक्षक और एक अधीक्षक की निगरानी में गठित टीम जम्मू-कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए हमले के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही हैं। लक्षित हमले में आतंकवादियों के एक समूह ने भोजनालयों के आसपास बैठे, टट्टू की सवारी कर रहे या अपने बच्चों और माता-पिता सहित अपने परिवारों के साथ 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले घास के मैदान में पिकनिक मना रहे पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

हमले के दोषियों ...

जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि उन्हें भी वैश्विक नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कठोर निंदा की है। वैश्विक नेताओं ने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट की हैं। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को फिर से भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा - इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 दिन पहले देश के महान वैज्ञानिक डॉ कस्तूरीरंगन के निधन का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी उनसे मुलाकात हुई, हम भारत के युवाओं की प्रतिभा, आधुनिक शिक्षा, अंतरिक्ष-विज्ञान ऐसे विषयों पर काफी चर्चा करते थे। विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊँचाई देने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके नेतृत्व में इस्रो को एक नई पहचान मिली। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में जो अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़े, उससे भारत के प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली।उन्होंने कहा कि आज भारत जिन सैटेलाइट्स का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ कस्तूरीरंगन की देखरेख में ही लॉन्च की गई थी। उन्होंने दिवंगत वैज्ञानिक के व्यक्तित्व की ख़ास बात बताते हुए कहा कि इससे युवा-पीढ़ी उनसे सीख सकती है - उन्होंने हमेशा इनोवेशन को महत्व दिया, कुछ नया सीखने, जानने और नया करने का विजन बहुत प्रेरित करने वाला है। बकौल पीएम मोदी, डॉ के कस्तूरीरंगन जी ने देश की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ कस्तूरीरंगन 21वीं सदी की आधुनिक जरूरतों के मुताबिक दूरदर्शी शिक्षा का विचार लेकर आए थे, देश की नि:स्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पीएम मोदी ने डॉ के कस्तूरीरंगन जी को विनम्र भाव से श्रद्धांजलि अर्पित की।आगे बढ़ते हुए पीएम मोदी ने इसी महीने अप्रैल में आर्यभट्ट सैटेलाइट की लॉन्चिंग के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, 50 वर्षों की इस यात्रा को याद करते हैं - तो लगता है हमने कितनी लंबी दूरी तय की है। अंतरिक्ष में भारत के सपनों की ये उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी। पीएम ने ध्यान दिलाया कि राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पाले कुछ युवा वैज्ञानिक - उनके पास न तो आज जैसे आधुनिक संसाधन थे, न ही दुनिया की तकनीक तक वैसी पहुँच थी - अगर कुछ था तो वो था, प्रतिभा, लगन, मेहनत और देश के लिए कुछ करने का जज्बा। उन्होंने ध्यान दिलाया कि बैलगाड़ियों और साइकिलों पर संवेदनशील उपकरण को खुद लेकर जाते हमारे वैज्ञानिकों की तस्वीरों को हमने देखा है - उसी लगन और राष्ट्रसेवा की भावना का नतीजा है कि आज इतना कुछ बदल गया है। पीएम ने गर्व से कहा कि आज भारत एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है, हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स का लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है।उन्होंने आंतरिक के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाले पहले देश बने हैं, भारत ने मार्स ऑर्बिटर मिशन किया है और हम आदित्य - एल1 मिशन के जरिए सूरज के काफी करीब तक पहुँचे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा कोस्ट इफेक्टिव लेकिन सफल स्पेस प्रोग्राम का नेतृत्व कर रहा है, दुनिया के कई देश अपनी सैटेलाइट्स और स्पेस मिशन के लिए इसरो की मदद लेते हैं।देशवासियों की भावनाओं को व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम जब इसरो द्वारा किसी सैटेलाइट का लॉन्च देखते हैं तो हम गर्व से भर जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को जानकारी दी कि अब भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने घोषणा की कि आने वाला समय अंतरिक्ष में बहुत सारी नई संभावनाएँ लेकर आ रहा है और भारत नई ऊँचाइयों को छूने वाला है। उन्होंने जानकारी दी कि देश देश गगनयान, स्पैडेक्स और चंद्रयान-4 जैसे कई अहम् मिशन की तैयारियों में जुटा है। साथ ही हम वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर मिशन पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिक अपने इनोवेशंस से देशवासियों को नए गर्व से भरने वाले हैं।पीएम मोदी ने इसके बाद म्यांमार का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप की खौफनाक तस्वीरें सबने देखी है। भूकंप से वहाँ बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फँसे लोगों के लिए एक-एक साँस, एक-एक पल कीमती था। उन्होंने गर्व से कहा कि कैसे इसलिए भारत ने म्यांमार के हमारे भाई-बहनों के लिए तुरंत 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया। वायुसेना के एयरक्राफ्ट्स से लेकर नौसेना के जहाज तक म्यांमार की मदद के लिए रवाना हो गए। वहाँ भारतीय टीम ने एक फिल्ड हॉस्पिटल तैयार किया। इंजीनियरों की एक टीम ने अहम इमारतों और संरचनाओं को हुए नुकसान का आकलन करने में मदद की। भारतीय टीम ने वहाँ कंबल, टेंट, स्लीपिंग बैग्स, दवाइयां, खाने-पीने के सामान के साथ ही और भी बहुत सारी चीजों की सप्लाई की। इस दौरान भारतीय टीम को वहाँ के लोगों से बहुत सारी तारीफ भी मिली।

पीएम मोदी ने बताया, इस संकट में, साहस, धैर्य और सूझ-बूझ के कई दिल छू जाने वाले उदाहरण सामने आए। भारत की टीम ने 70 वर्ष से ज्यादा उम्र की एक बुजुर्ग महिला को बचाया जो मलबे में 18 घंटों से दबी हुई थी। जो लोग अभी ढत पर 'मन की बात' देख रहे हैं, उन्हें उस बुजुर्ग महिला का चेहरा भी दिख रहा होगा। भारत से गई टीम ने उनके ऑक्सीजन लेवल को स्थिर करने से लेकर फ्रैक्चर के इलाज तक, इलाज की हर सुविधा उपलब्ध कराई। जब इस बुजुर्ग महिला को अस्पताल से छुट्टी मिली तो उन्होंने हमारी टीम का बहुत आभार जताया। वो बोली कि, भारतीय बचाव दल की वजह से उन्हें नया जीवन मिला है। बहुत से लोगों ने हमारी टीम को बताया कि उनकी वजह से वो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को ढूँढ पाए।प्रधानमंत्री ने बताया कि भूकंप के बाद म्यांमार में मांडले स्थित एक बौद्ध मठ में भी कई लोगों के फँसे होने की आशंका थी, हमारे साथियों ने यहाँ भी राहत और बचाव अभियान चलाया, इसकी वजह से उन्हें बौद्ध भिक्षुओं का ढेर सारा आशीर्वाद मिला। पीएम मोदी ने कहा कि हमें 'ऑपरेशन ब्रह्मा' में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों पर बहुत गर्व है, हमारी परंपरा है, हमारे संस्कार हैं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना - पूरी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने बताया कि कैसे संकट के समय विश्व-मित्र के रूप में भारत की तत्परता और मानवता के लिए भारत की प्रतिबद्धता हमारी पहचान बन रही है।पीएम मोदी ने 'मन की बात' में बताया कि उन्हें इथियोपिया में प्रवासी भारतीयों के एक अभिनव प्रयास का पता चला है। इथियोपिया में रहने वाले भारतीयों ने ऐसे बच्चों को इलाज के लिए भारत भेजने की पहल की है जो जन्म से ही हृदय की बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से बच्चों की भारतीय परिवारों द्वारा आर्थिक मदद भी की जा रही है, अगर किसी बच्चे का परिवार पैसे की वजह से भारत आने में असमर्थ है, तो इसका भी इंतजाम, हमारे भारतीय भाई-बहन कर रहे हैं। बकौल पीएम मोदी, कोशिश ये है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे इथियोपिया के हर ज़रूरतमंद बच्चे को बेहतर इलाज मिले।उन्होंने जानकारी दी कि प्रवासी भारतीयों के इस नेक कार्य को इथियोपिया में भरपूर सराहना मिल रही है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि कैसे भारत में मेडिकल सुविधाएँ लगातार बेहतर हो रही हैं, इसका लाभ दूसरे देश के नागरिक भी उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि कैसे कुछ ही दिन पहले भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए बड़ी मात्रा में वैक्सीन भी भेजी है। ये टीके रैबीज, टिटनेस, हेपटाइटिस इ और इन्फ्लुएंजा जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाव में काम आएगी।इसके अलावा भारत ने इसी हफ्ते नेपाल के आग्रह पर वहाँ दवाइयाँ और वैक्सीन की बड़ी खेप भेजी है। इनसे थैलेसीमिया और सीकल सेल डिजीज के मरीजों को बेहतर इलाज सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जब भी मानवता की सेवा की बात आती है, तो भारत, हमेशा इसमें आगे रहता है और भविष्य में भी ऐसी हर जरूरत में हमेशा आगे रहेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद दिलाया कि 10 मई को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वर्षगाँठ भी आने वाली है। आज़ादी की उस पहली लड़ाई में जो चिंगारी उठी थी, वो आगे चलकर लाखों सेनानियों के लिए मशाल बन गई। उन्होंने याद दिलाया कि अभी 26 अप्रैल को हमने 1857 की क्रांति के महान नायक बाबू वीर कुँवर सिंह जी की पुण्यतिथि भी मनाई है। बकौल पीएम मोदी, बिहार के महान सेनानी से पूरे देश को प्रेरणा मिलती है और हमें ऐसे ही लाखों स्वतंत्राता सेनानियों की अमर प्रेरणाओं को जीवित रखना है। हमें उनसे जो ऊर्जा मिलती है, वो अमृतकाल के हमारे संकल्पों को नई मजबूती देती है।पीएम ने अपने रेडियो कार्यक्रम की बात करते हुए कहा कि 'मन की बात' की इस लंबी यात्रा में आपने इस कार्यक्रम के साथ एक आत्मीय रिश्ता बना लिया है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि देशवासी जो उपलब्धियाँ दूसरों से साझा करना चाहते हैं उसे 'मन की बात' के माध्यम से लोगों तक पहुँचाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले महीने हम फिर मिलकर देश की विविधताओं, गौरवशाली परंपराओं और नई उपलब्धियों की बात करेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि हम ऐसे लोगों के बारे में जानेंगे जो अपने समर्पण और सेवा भावना से समाज में बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने जनता से हमेशा की तरह अपने विचार और सुझाव भेजते रहने की अपील की।

भारतीय नौसेना ...

सिस्टम और चालक दल की तत्परता को फिर से प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिहाज से युद्ध के लिए तैयार, जो विश्वसनीय है और भविष्य के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान ने अरब सागर में भारतीय मिसाइल फायरिंग से पहले एक समुद्री अधिसूचना जारी की थी।

व्यापार पूरी तरह ...

प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी।व्यापारियों के इस पैसले से पाकिस्तान को कई बेहद आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो सकेगी। इससे पाक में दवाइयां, रसायन, फल-सब्जियों समेत कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। हालांकि, इस निर्णय के कारण भारत पर भी असर पड़ेगा। क्योंकि नमक एवं आभूषण से लेकर निर्माण क्षेत्र और जूट की अनेक वस्तुएं पाकिस्तान से आयात की जाती हैं, लेकिन इसके बाद भी व्यापारियों ने एकतरफा निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का निर्णय लिया है।उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान भारत ने पाकिस्तान को करीब 50 करोड़ डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया था, जिनमें मुख्य रूप से दवाइयाँ, रसायन, चीनी और ऑटो पार्ट्स शामिल थे। इसी समयावधि में पाकिस्तान से भारत का आयात मात्र 0.42 मिलियन डॉलर रहा। अब इस व्यापार को भी समाप्त करने का निर्णय व्यापारियों ने लिया है। वर्ष 2018 में भारत-पाकिस्तान के बीच लगभग 3 बिलियन डॉलर का वार्षिक व्यापार हुआ था जो वर्ष 2024 में 1.2 बिलियन डॉलर रह गया था।

3 साल जेल...

उल्लंघन करता है, या इसके अंतर्गत बनाए गए किसी नियम या आदेश या इस अधिनियम के अनुसरण में दिए गए किसी निर्देश या अनुदेश या ऐसे आदेश या अनुदेश या अनुदेश का उल्लंघन करता है, जिसके लिए इस अधिनियम के अंतर्गत कोई विशिष्ट दंड का प्रावधान नहीं है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास या तीन लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है।'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन करके यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। मुख्यमंत्रियों के साथ अमित शाह की टेलीफोन पर बातचीत के बाद, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुख्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे तय समय सीमा तक भारत छोड़ दें।

वैन कुएं में गिरी...

यात्रा के दौरान बूढ़ा-टकरावद फंटे के पास अचानक वैन की एक बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वैन बेकाबू होकर सड़क किनारे खुले कुएं में जा गिरी।स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पलटते हुए सीधे कुएं में समा गई। वैन सवार यात्रियों को संभलने का भी मौका नहीं मिला। इस हादसे में वैन सवार 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा बाइक सवार युवक और बचाव कार्य के दौरान कुएं में उतरे एक ग्रामीण की भी जान चली गई।हादसे के बाद नजदीकी गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बिना समय गंवाए ग्रामीणों ने रस्सियों के सहारे कुएं में उतरकर बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर वैन में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। इसी दौरान मनोहर सिंह नामक एक ग्रामीण ने भी बहादुरी दिखाते हुए कुएं में छलांग लगा दी। लेकिन पानी में घुली जहरीली गैस के कारण उसकी भी मौत हो गई। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि ग्रामीण आपदा की घड़ी में कैसे अदम्य साहस दिखाते हैं। थोड़ी देर में पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य को तेज करते हुए क्रेन मंगवाई गई, जिसकी मदद से वैन को बाहर निकाला गया। साथ ही मोटर लगाकर कुएं का पानी भी निकाला गया। एसडीईआरएफ की टीम ने कुएं में उतरकर सावधानी से एक-एक कर वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला। इस दौरान टीम ने चार घायलों को भी सुरक्षित निकाला, जिन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद कुएं से कुल 11 शव निकाले गए, जिनमें मनोहर सिंह भी शामिल थे। मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने रेस्क्यू ऑपरेशन का निरीक्षण किया और अधिकारियों को तत्काल राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा-मंदसौर, मध्य प्रदेश में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल जल्द स्वस्थ हों। राज्य सरकार राहत और बचाव कार्य में पूरी तरह जुटी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी घटना पर गहरी पीड़ा जताई और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने मृतकों के नामों की पहचान कर ली है और उनके परिजनों को सूचित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि देने की घोषणा भी की गई है। साथ ही घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया कि बाइक सवार की लापरवाही और सड़क पर स्पीड ब्रेकर का अभाव हादसे की वजह बन सकते हैं। साथ ही वैन में ओवरलोडिंग की आशंका भी जताई जा रही है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।हादसे के बाद से आसपास के गांवों में मातम छा गया है। कई परिवारों के चिराग एक ही पल में बुझ गए। गांव के स्कूल, बाजार और मंदिरों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। हर आंख नम है और हर दिल दुखी।यह हादसा एक गहरी चेतावनी है कि सड़क सुरक्षा को लेकर सभी को ज्यादा सतर्क और जिम्मेदार बनना होगा। एक छोटी सी चूक कितने घरों में हमेशा के लिए अंधेरा कर सकती है।

आतंकवाद और उसके...

मूल के खिलाफ निर्णायक लड़ाई होनी चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ जनसमर्थन को आगे बढ़ाने की बात करते हुए उन्होंने कहा, कश्मीर के लोग आतंकवाद और निर्दोष लोगों की हत्या के खिलाफ खुलकर सामने आए हैं, उन्होंने यह स्वतंत्र और सहज रूप से किया। अब समय आ गया है कि इस समर्थन को और बढ़ाया जाए और लोगों को अलग-थलग करने वाली किसी भी गलत कार्रवाई से बचा जाए।आतंकी हमले के दोषियों के खिलाफ बिना दया दिखाए कठोर सजा की बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, दोषियों को सजा दी जाए, उन पर कोई दया न दिखाई जाए लेकिन निर्दोष लोगों को नुकसान न होने दिया जाए।उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। हमले के पीड़ितों ने बताया कि आतंकवादियों ने लोगों को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा। इस हमले के बाद देशभर में रोष देखने को मिल रहा है। लोग केंद्र सरकार से सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी एकजुट होकर आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठाई।सरकार ने हमले के पीछे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का हाथ होने की बात कही है। पहलगाम घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में केंद्र सरकार ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए, जिनमें सिंधु जल समझौते को निरस्त करना, पाकिस्तान से अपने राजनयिकों को वापस बुलाना और भारत स्थित पाकिस्तानी दूतावास में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 करना महत्वपूर्ण रहा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 28 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा युगादि पर्व को समर्पित सत्संग एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने बेगम बाजार स्थित राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ भवन में युगादि पर्व को समर्पित एक दिव्य सत्संग एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन कर भक्तों के हृदयों में नव चेतना का संचार किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या सुश्री साक्षी भारती जी ने युगादि पर्व को नव उमंग, नव तरंग और जीवन में नव प्रसंग का संचार करने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व बताया।

अपने सारगर्भित उद्बोधन में मुख्य वक्ता सुश्री भावना भारती जी ने कहा, स्वयं की भूलों को क्षमा करना सरल है, परंतु दूसरों की त्रुटियों को क्षमा करना सच्ची भक्ति का प्रतीक है। उन्होंने विचारों की शुद्धता और सकारात्मकता को मानव सौंदर्य का मूल आधार बताते हुए कहा कि भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए शिष्य को गुरु चरणों में पूर्ण समर्पण एवं श्रद्धा के साथ चलना चाहिए।इस अवसर पर महाराज जी के शिष्यों द्वारा एक प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें भारतीय नव वर्ष - चैत्र शुक्ल प्रतिपदा - के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया गया। नाटिका के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि आज का युवा पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण में अपनी प्राचीन संस्कृति एवं मूल्यों से विमुख हो रहा है, जिसे रोकने के लिए आत्मबोध और सांस्कृतिक पुनर्जागरण आवश्यक है।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया गया कि वे गुरु महाराज जी की शिक्षाओं का अनुसरण कर, अपने जीवन को उच्चतम आध्यात्मिक मूल्यों से सुशोभित करें और भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को गर्व से अपनाएं।कार्यक्रम में महाराज श्री के शिष्यों ने सुमधुर भजनों का गायन, सुंदर नृत्य की प्रस्तुति तथा समापन मंगल आरती और भंडारे से हुआ।

विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या के उपलक्ष में सर्व समाज गौभक्त द्वारा तन-मन-धन से गौ सेवा की। अमावस्या पर भोजन प्रसादी के लाभार्थी बगदाराम देवासी मेडचल, हरे घास की व्यवस्था नारायण राम, वीरामराम सुथार, पप्पू सिंह वास्तव, माजीसा ग्रुप अलवाल, श्री गणेश मित्र मंडल शमीरपेट रहे। इस अवसर पर सजाराम बाबूलाल महेंद्र सिंह देवाराम, अमराराम ,यादव साहब, हरियाणा ग्रुप, उदय भास्कर, बालाजी टीवी सुरेश, शांतिलाल सुथार, व गौभक्त उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति ने गौलीगुडा राममंदिर के पास कैंडल मार्च का आयोजन किया। कार्यक्रम में जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल, नितिन जयसवाल, सविता जयसवाल, अक्षय जयसवाल, शरद, रवि, अशोक, अमित, राजेंधर, पप्पू, दीपराज, धीरज, रणधीर, रितिक, नमिश, अमरीश शामिल हुए।

अमावस्या के अवसर पर नारायणी गौ सेवा सदन में सोनी समाज के सलाहकार टीपू सोनी, राजू पिट्टी, अमन सोनी, बाला प्रसाद , सुब्रमण्यम, सज्जन डागा ने गौ सेवा में भाग लिया।

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा गौ सेवा की गई

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा अमावस्या पर गौमाता की सेवा का लाभ लिया गया ।शाखा मंत्री पन्नालाल भाटी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सिकंदराबाद शाखा के अध्यक्ष पंकज राठौड़ कि अध्यक्षता में यह कार्यक्रम हुआ,इस सेवा में पधारे पूर्व अध्यक्ष नवरंगलाल सैनी, वरिष्ठ नारायण लाल चावड़ा, दिनेश गैहलोत, रोहित कुमार मायछ,रमेश प्रजापत, कैलाश वैष्णव, हरीश माली, गोतम भायल, राजेश व्यास, महेंद्र राव , गजेंद्र सिंह ,नरपतसिंह भाटी, सुरेश राव,मंगलाराम चौधरी, वगताराम, सरवन प्रजापत,आदि दान पुण्य का लाभ लिया।इस कार्यक्रम में सिकंदराबाद पर्ल शाखा संरक्षिका अन्नपुर्णा मायछ का भी योगदान रहा।कार्यक्रम में गायों के लिए हरी सब्जियां, हरा घास और चापड़ कि व्यवस्था शाखा के सदस्यों द्वारा की गई। सेवा में पधारे हुए सभी गौभक्त को संयोजक संदीप घोडेला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को श्रीमती मधु अग्रवाल, श्रीमती तृप्ति अग्रवाल, श्रीमती सुचि गुप्ता परिवार एवं राजेश, श्रीमती अनिता नाथनी परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा आम रस वितरित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला सिकंदराबाद शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा की अध्यक्षा शीतल जैन की अध्यक्षता में महाकाली मंदिर, बटरफ्लाई बैकरी के पास राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के तहत राहगीरों में आमरस वितरित किया गया। जिसका 2000 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। इस कार्यक्रम के लाभार्थी शाखा की सदस्य सीता गांधी, मंजू गांधी, मोना वर्मा, सोनू वर्मा, प्रीति सोनी, ममता पीरगल, पायल मेहता, शीला धोखा और अर्चना बोरा थे। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में पूनम बोहरा, मंजू घोड़ेला,सुनीता डूंगरवाल, वीना जैन, पुष्पा कोठारी, ललिता लोहार, संतोष चौहान, संतोष कोठारी, खुशी कोठारी,उर्मिला धाला,माया राठौर, युवान जैन, हार्दिक जैन, देवांश सोनी, वंश सोनी, द्रव्य सोनी, ध्रुव सोनी और भव्य सोनी का विषय संयोग रहा। शाखा की अमृत धारा संयोजिका शीतल मनोत ने सभी का आभार व्यक्त किया । इस कार्यक्रम में सिकंदराबाद शाखा के वरिष्ठ सदस्य नारायण छावड़ा का सराहनीय सहयोग रहा।

आध्यात्मिक शांति और दिव्य श्रद्धा का प्रतीक मुक्तिनाथ मंदिर

अच्युत् रामानुजाचार्य द्वारा मुक्तिनाथ यात्रा का विवरण

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेपाल की शांत मस्तंग घाटी में स्थित मुक्तिनाथ मंदिर हिंदुओं और बौद्धों दोनों के लिए आध्यात्मिक शांति और दिव्य श्रद्धा का प्रतीक है। किंवदंतियों, पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक महत्व की समृद्ध ताने-बाने के साथ यह पवित्र अभयारण्य मोक्ष और आध्यात्मिक कायाकल्प की तलाश में अनगिनत तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। मुक्तिनाथ की यात्रा कठिन है, कठिन इलाकों और अप्रत्याशित मौसम से गुजरना पड़ता है, फिर भी आध्यात्मिक तृप्ति और मंदिर की अलौकिक सुंदरता तीर्थयात्रा को अत्यधिक पुरस्कृत करती है।

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व

मुक्तिनाथ मंदिर, जिसे मुक्तिनाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में एक आदरणीय स्थान रखता है। इसे 108 दिव्य देशमों में से 106वें स्थान पर सूचीबद्ध किया गया है, जो भगवान विष्णु के पवित्र निवास हैं, जिन्हें विशेष रूप से श्री वैष्णव परंपरा द्वारा सम्मानित किया जाता है। मंदिर का प्राचीन नाम विभिन्न वैष्णव ग्रंथों में आता है, जो बौद्ध परंपराओं से जुड़ने से पहले भी इसके दीर्घकालिक महत्व को दर्शाता है। मंदिर की मुख्य विशेषता शालिग्राम शिला है, जो प्राकृतिक रूप से निर्मित पत्थर है जिसे भगवान विष्णु के एक रूप श्रीमन नारायण का अवतार माना जाता है।

मुक्तिनाथ धाम नेपाल में स्थित एक प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल है। इसकी कथा मुख्यतः भगवान विष्णु और देवी वृंदा से जुड़ी है। वृंदा ने भगवान विष्णु को श्राप दिया था, जिससे उन्हें शालिग्राम शिला के रूप में रहना पड़ा था। बाद में देवी वृंदा ने भगवान विष्णु को श्राप से मुक्ति दिलाई और उसी स्थान को मुक्तिनाथ धाम के नाम से जाना जाने लगा.

कथा का विस्तार:

1. जालंधर का आतंक:

एक समय पर, जालंधर नामक असुर ने संसार में आतंक फैला रखा था। देवी वृंदा उसका पति थी, और उसकी पतिव्रता के कारण कोई भी उसे नहीं हरा पा रहा था.

2. भगवान विष्णु का रूप धारण:

देवताओं ने भगवान विष्णु से जालंधर को हराने के लिए प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण किया और वृंदा की पूजा भंग कर दी.

3. वृंदा का श्राप:

वृंदा को जब सच्चाई पता चली, तो उसने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि वे शालिग्राम शिला के रूप में रहें.

4. शालिग्राम शिला:

भगवान विष्णु को शालिग्राम शिला के रूप में मुक्तिनाथ धाम में रहना पड़ा.

5. देवी वृंदा की प्रार्थना:

माता लक्ष्मी ने वृंदा से भगवान विष्णु को श्राप से मुक्त करने की प्रार्थना की, जिसके बाद वृंदा ने श्राप वापस ले लिया और अपने पति के वियोग में सती हो गई.

6. मुक्तिनाथ धाम:

उसी स्थान को जहां भगवान विष्णु को श्राप से मुक्ति मिली, मुक्तिनाथ धाम के नाम से जाना जाने लगा.

मुक्तिनाथ धाम का महत्व:

यह स्थान हिंदू और बौद्ध दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है. यह स्थान भगवान विष्णु को श्राप से मुक्ति मिलने का प्रतीक है. यहाँ शालिग्राम शिला की पूजा की जाती है.

माना जाता है कि यहाँ स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष (मुक्ति) मिलता है.

अन्य महत्वपूर्ण बातें:

मुक्तिनाथ धाम हिमालय में स्थित है.

यहाँ विभिन्न प्रकार की यात्राएं की जा सकती हैं, जैसे पैदल, हेलिकॉप्टर या अन्य परिवहन साधनों से.

यात्रा के दौरान आप विभिन्न प्रकार के भोजन और आवास की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं.

मुक्तिनाथ मंदिर में दर्शन करने का महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, पूरा संसार जन्म और मृत्यु के चक्र का एक भ्रम है और हर कोई जन्म और मृत्यु के इस चक्र से मुक्त होना चाहता है और मोक्ष प्राप्त करना चाहता है। ऐसा माना जाता है कि मुक्तिनाथ के दर्शन से मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है, इसलिए भक्त विभिन्न स्थानों से यहाँ आते हैं।

माना जाता है कि 2 पवित्र जल कुंड और 108 जलकुंड अतीत में किए गए पापों को धोते हैं। इसलिए, इस मंदिर में आने वाले भक्त अपने पापों से खुद को शुद्ध करने के लिए जलकुंडों और कुंडों में स्नान करते हैं।

मुक्ति धारा: मोक्ष का मार्ग

मंदिर की एक खास विशेषता मुक्ति धारा है, जिसमें 108 जल की टोंटियाँ हैं। ये टोंटियाँ काली गंडकी नदी के ठंडे, शुद्ध पानी को प्रवाहित करती हैं। हिंदू धर्म में 108 की संख्या का महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रतीक है, जो 12 राशियों और 9 ग्रहों का प्रतिनिधित्व करता है, इस प्रकार ब्रह्मांडीय व्यवस्था को समाहित करता है।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, इन 108 बैल-मुख वाले जल के नल के नीचे स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष (मुक्ति) मिलता है। यह अनुष्ठान आध्यात्मिक मुक्ति प्रदान करने और धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने में मंदिर की भूमिका को रेखांकित करता है।

आध्यात्मिक और भौतिक यात्रा

मुक्तिनाथ की तीर्थयात्रा केवल एक भौतिक यात्रा नहीं है, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक खोज है। भक्त अपनी आस्था और मोक्ष के वादे से प्रेरित होकर चुनौतीपूर्ण रास्तों से गुजरते हैं और कठोर मौसम की स्थिति को सहन करते हैं। मस्तंग घाटी की अवास्तविक सुंदरता के बीच मंदिर का स्थान आध्यात्मिक अनुभव को बढ़ाता है। राजसी हिमालय, प्राचीन परिदृश्य और शांत वातावरण एक ऐसी सेटिंग बनाते हैं जो चिंतन और आंतरिक शांति को प्रेरित करती है।

सांस्कृतिक सद्भाव

मुक्तिनाथ धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान का एक उदाहरण है। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे पवित्र स्थान धार्मिक सीमाओं को पार कर सकते हैं, विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं को एकजुट कर सकते हैं। मंदिर की समावेशी प्रकृति, जिसे हिंदू और बौद्ध दोनों ही मानते हैं, सार्वभौमिक आध्यात्मिकता की भावना को बढ़ावा देती है। विभिन्न धर्मों के तीर्थयात्री मुक्तिनाथ में एकत्रित होते हैं, जिससे सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता का एक जीवंत नज़ारा बनता है।

निष्कर्ष

मुक्तिनाथ धाम का इतिहास किंवदंतियों, पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक महत्व का एक आकर्षक मिश्रण है। इसका पवित्र वातावरण और आध्यात्मिक आकर्षण इसे हिंदुओं और बौद्धों दोनों के लिए एक अद्वितीय तीर्थ स्थल बनाता है। शिव और जालंधर के बीच युद्ध से लेकर गुरु रिनपोछे के ध्यान तक मंदिर की किंवदंतियाँ इसकी आध्यात्मिक कथा को समृद्ध करती हैं। मुक्ति धारा और शालिग्राम शिला की उपस्थिति इसकी पवित्रता को और बढ़ाती है, भक्तों को मोक्ष और आंतरिक शांति का मार्ग प्रदान करती है। मुक्तिनाथ एक मंदिर से कहीं बढ़कर है; यह एक आध्यात्मिक आश्रय है जो धार्मिक सीमाओं से परे है, जो दिव्य सद्भाव और सार्वभौमिक आध्यात्मिकता के सार को दर्शाता है।

तेलंगाना सरकार ने 21 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

आरवी कर्णन जीएचएमसी आयुक्त बने

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने रविवार 27 अप्रैल को आदेश जारी कर 21 आईएएस अधिकारियों को विभिन्न पदों पर स्थानांतरित कर दिया।

आदेश के अनुसार, इलमबरिथी के को हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के सरकारी सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जबकि आरवी कर्णन को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

डॉ. शशांक गोयल को सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस का उपाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें ईपीटीअ-ारआई के महानिदेशक के एफएसी में भी रखा गया है। जयेश रंजन को सरकार के विशेष मुख्य सचिव और सीएमओ और स्पीड में उद्योग एवं निवेश प्रकोष्ठ के सीईओ के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें सरकार के विशेष मुख्य सचिव, वाईएटीएंडसी विभाग और पुरा-तत्व विभाग के निदेशक के एफएसी में भी रखा गया है।

संजय कुमार को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा आईटीईएंडसी और खेल विभाग के विशेष मुख्य सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

एम दाना किशोर को प्रमुख सचिव, सरकार, एलईटीएंडएफ विभाग में स्थानांतरित किया गया है। उन्हें आयुक्त, श्रम और निदेशक, रोजगार और प्रशिक्षण सहित कई पदों पर एफएसी में भी रखा गया है।स्मिता सभरवाल को टीजी वित्त आयोग का सदस्य सचिव बनाया गया है।टीके श्रीदेवी को सचिव, नगर प्रशासन विभाग (एचएमडीए से बाहर) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। के.एस.आशांका को आयुक्त, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

एस हरीश को सीएमडी, जेनको में स्थानांतरित किया गया है। उन्हें राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव (डीएम) सहित कई पदों के एफएसी में भी रखा गया है। के निखिला को तेलंगाना मानवाधिकार आयोग के सचिव और सीईओ के एफएसी में रखा गया है।एस संगीता सत्यनारायण को निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट के सीईओ के एफएसी में भी रखा गया है। एस वेंकट राव को निदेशक, बंदोबस्ती के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें यदागिरिगुट्टा मंदिर के कार्यकारी अधिकारी के एफएसी में भी रखा गया है।पी. कात्यायनी देवी को अतिरिक्त सीईओ, एसईआरपी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी को अतिरिक्त सीईओ, उद्योग एवं निवेश प्रकोष्ठ और स्पीड के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें मुसी नदी विकास निगम लिमिटेड (एमआरडीसीएल) के प्रबंध निदेशक के एफएसी में भी रखा गया है।

भोरखड़े हेमंत सहदेवराव को जीएचएमसी का जोनल कमिश्नर बनाया गया है।

जी फणीन्द्र रेड्डी को तेलंगाना मेडिकल सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीजीएमएसआईडीसी) का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। पी कधीरवन को संयुक्त आयुक्त, पीआर एवं आरडी बनाया गया है।के विद्या सागर को अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय), हैदराबाद के पद पर स्थानांतरित किया गया है। उन्हें मुख्य राशन अधिकारी के एफएसी में भी रखा गया है। आर उपेंद्र रेड्डी को सचिव, एचएमडीए के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा के साथ-साथ भजन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, अर्जुनलाल बर्फा, पारसमल शर्मा, चेनाराम परिहार,प्रकाश चोयल, चांदमल, मांगीलाल परिहारिया,मदनलाल रावल, हापुराम गेहलोत ओमप्रकाश पंवार , किशनलाल पंवार, जयराम, मांगीलाल काग, मोतीलाल,कैलाश सानपुरा, जगदीश सीरवी व गौभक्त उपस्थित रहे।भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यकम स्थल पर थी ।

राज्यपाल ने किया इस्कॉन गीता समर कैंप का उद्घाटन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल में इस्कॉन, हैदराबाद द्वारा आयोजित इस्कॉन गीता समर कैंप -2025 का उद्घाटन किया। 9 दिनों के इस कैंप में बच्चों को भगवद गीता के श्लोक सिखाए जाएंगे, ताकि उनमें जीवन के मूल्यों का संचार हो सके।

इस अवसर पर राज्यपाल ने उन बच्चों को बधाई दी, जिन्होंने भगवद गीता के छंदों का पाठ करने में प्रतिभा का प्रदर्शन किया और पुरस्कार प्रदान किए।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में आए बच्चों द्वारा सुनाई गई भगवद गीता के छंदों ने दर्शकों को प्रभावित किया। भगवद गीता के पाठ पर बच्चों द्वारा किए गए नृत्य ने दर्शकों का मनोरंजन किया।अग्रवाल समाज ने भी समर कैंप का समर्थन किया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 144 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 144 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सरुरनगर के कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित आराधना होम में आयोजित किया गया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,शिविर में साधुराम नेत्र चिकित्सालय दोमलगुडा द्वारा नेत्रों की जांच की जिसमें 50 लोगों को चश्मे वितरित किये गये तथा 5 रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर ऑप्टोमेट्रिस्ट पी.विजयश्री, लक्ष्मण, भरत, राहुल, शिविर संयोजक भास्कर,सलमान ने सहयोग दिया। किम्स सनशाइन अस्पताल बेगमपेट ने जनरल फिजिशियन, कार्डियोलोजी, ऑर्थोपेडिक्स, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप, आरबीएस की सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ. गायत्री सामान्य जांच और कार्डियो की सेवा, डॉ. शेरली ने ऑर्थो की सेवा प्रदान की।अवसर पर नर्सिंग स्टाफ सुजा, जॉर्डन, निरोशा, 2डी इको टेक्नीशियन गौतम, बीएमडी टेक्नीशियन मोहन, मार्केटिंग उदय कुमार ने सहयोग प्रदान किया। अवसर पर रेनबो चिल्ड्रन अस्पताल के डॉ. फहद ने शिशु रोग, डॉ. भव्या ने पीडियाट्रिक्स कार्डियोलॉजी की सेवा प्रदान की जिसमें मार्केटिंग मैनेजर-इरफान सिद्दीकी, कैंप सहयोगी भवन बाबू, सिस्टर लोकन्या और वासंती तकनीशियन-नरसिंग राव एवं मोहित, जयन्त ने सहयोग प्रदान किया। शिविर में सामान्य जांच डॉ.अखिल्स क्लिनिक के डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) ने, फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. निखिल ने दी। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से 1 रोगी को चिकित्सा में सहयोग प्रदान किया गया। शिविर में 306 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया।शिविर को सफल बनाने में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, स्थानीय पार्टनर अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा पंकज कुमार संघी, प्रदीप बंसल, शैलेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, सतीश बंसल, निश्चिंत अग्रवाल. कोत्तापेट शाखा के महेंद्र अग्रवाल, बबीता अग्रवाल.आराधना होम के माधव राव, प्रसाद, स्वयंसेवक निर्मला केडिया, अजय तुलस्यान, अरुणा तुलस्यान, सुनैना नरसया. अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्य ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सौभाग्य दुर्गा देवी मंदिर डी. पोचमपल्ली डुंडीगल नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गो सेवा विभाग द्वारा भूमि पूजन एवं गौमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधि विधान से धूप-दीप, अक्षत, रोली, गुड़ आदि वस्त्र तथा जल से गाय का पूजन किया गया है और धूप-दीप से आरती उतारी गई ,इसके बाद सभी ने गौ माता को घास, फल, मिठाई और गुड़ का भोग लगाया। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डुंडीगल नगर गो सेवा प्रमुख मंगलाराम मुलेवा मुख्य शिक्षक, मधु गौड, विभाग सेवा प्रमुख वेंकटेश, मोहन रेड्डी, स्वामी नागेश्वर राव किशोर ,बरफा,प्रकाश प्रजापत, तानिस मुलेवा आदि उपस्थित थे। सभी ने गौ माता की रक्षा का संकल्प लिए गया।

जीव दया मित्र मण्डल द्वारा छाछ वितरित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीव दया मित्र मण्डल द्वारा अमावस्यों के अवसर पर छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सीतारामपेट हनुमान मंदिर के पास छाछ का वितरण किया गया। मण्डल की अध्यक्षा सरस्वती बाई राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को गर्मी के मौसम में ठंडक और राहत प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि मण्डल द्वारा इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं ताकि समाज के लोगों को मदद और सहयोग किया जा सके। कार्यक्रम में कई सदस्य उपस्थित थे जिनमें प्रेमा बाई शर्मा, पुष्पाबाई वर्मा, कान्ता बाई काकडा, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा, शीतल शर्मा, अनिता शर्मा, विजेन्द्र, सोनम, दिव्या, बोड़ा विप्लव रोड़ा गोवर्धन राठी राजकिरण नावंदर सपना चितलांगी और प्रदीप नावंदर शामिल हैं। सरस्वती बाई राठी ने सभी सदस्यों और सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के लिए आगे भी सहयोग और समर्थन की अपेक्षा है।

अग्रवाल समाज लोधा सनतनगर शाखा के चुनाव 25 मई को

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शाखा की कार्यकारिणी बैठक में निर्णय लिया गया कि शाखा के द्विवार्षिक चुनाव एवं साधारण सभा का आयोजन आगामी 25 मई ,रविवार को किया जाएगा ।

शाखा के परामर्शदाता बिमल टिबरेवाल को चुनाव अधिकारी का पदभार सौंपा गया । बैठक में शाखा अध्यक्ष महेन्द्र खेतान,सचिव साकेत अग्रवाल, सह सचिव मुरारीलाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अनिल अग्रवाल ,परामर्शदाता बिमल टिबरेवाल,कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार भारुका व सुमित अग्रवाल उपस्थित थे ।

अलवाल स्थित लोह पुरुष गोधाम में अमावस्या पर गौसेवा में गौभक्तों ने हरा घास खिलाकर दान पुण्य का लाभ लिया। कार्यक्रम में दर्शन अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल , आरएसएस के कार्यकर्ता गो भक्त शांतीलाल सुथार व अन्य उपस्थित थे।

भाग्यनगर पुरोहित संघ अध्यक्ष कुंभारे गोविन्द राजू महराज के नेतृत्व में विठ्ठल मन्दिर गोलीगुड़ा में रविवार को पहलगाम आतंकी हमले के विरोध मेंकैंडल मार्च निकाला गया। जिसमें विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ हैदराबाद तेलंगाना के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, रामपाल पाण्डेय, श्रीकांत विपिन द्विवेदी, राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रम्ह वाहिनी तेलंगाना के सभी सदस्य, विशाल शर्मा, लडडू ओझा, प्रमुख पुजारी पुरोहितों ने भाग लिया।

नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा प्रत्येक अमावस्या की भाँति रविवार दि. 27 अप्रैल 2025 को अमावस्या पर गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्न प्रसाद वितरित किया गया । इस अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, मधु अग्रवाल, नयन अग्रवाल, चिरांशु अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, उषांगी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक अग्रसेन भवन सिकंदराबाद में आयोजित की गई। जिसमें भवन नवीनीकरण के लिए विचार विमर्श किया गया । बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, चेयरमैन नरेन्द्र कुमार गोयल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी गोविंद प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, सह मंत्री मनोज कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल एवं प्रवीण कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अमावस्या के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन आर लक्ष्मण राव द्वारा कोटि, पार्क स्थित श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में कई श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में श्रीकांत, रवि, साई, शेखर, नरेश, सोनू आदि ने उपस्थित थे।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सत्यम शिवम् सुंदरम गौशाला, गगन पहाड़ में गायों को केले खिला कर गौसेवा की गई । इस सेवा के प्रायोजक ट्रस्ट की संस्थापक ट्रस्टी एडवोकेट हेमा मालिनी तायल थी जिनके जन्म दिवस के अवसर पर उनके वजन जितना केले का तुलादान किया गया। अवसर पर गौशाला को साउंड सिस्टम भेंट किया गया । सेवा में ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल अन्य सदस्य गण में राजेश अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, लक्ष्मी दत्त, गौशाला की ओर से परमेश्वर प्रसाद, निहाल सिंग आदि उपस्थित थे।

गडकरी 5 मई को तेलंगाना में 6280 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी (सड़क परिवहन और राजमार्ग) और जी किशन रेड्डी (कोयला और खान) संयुक्त रूप से 5 मई को तेलंगाना में 285 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

लगभग 6,280 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इन बुनियादी ढांचे के उन्नयन का उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाना और राज्य भर में यात्रा की बाधाओं को कम करना है।इस कार्यक्रम में हैदराबाद में प्रमुख परियोजनाओं का औपचारिक उद्घाटन भी किया जाएगा, जिसमें अम्बरपेट ब्रिज और छह लेन वाली सड़क का विस्तार शामिल है, साथ ही भविष्य के विकास के लिए आधारशिला भी रखी जाएगी।

350 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अम्बरपेट ब्रिज पहले से ही चालू है, लेकिन अभी इसके आधिकारिक उद्घाटन का इंतजार है।

इस बीच, 300 करोड़ रुपये की लागत से आरामघर से शमशाबाद तक छह लेन वाली सड़क का विस्तार पूरा हो गया है, जिससे इस उच्च घनत्व वाले गलियारे पर यातायात का प्रवाह सुचारू होने का वादा किया गया है।हैदराबाद के बुनियादी ढांचे में एक और महत्वपूर्ण योगदान, बीएचईएल फ्लाईओवर, अंतर-शहर यात्रा को और अधिक सुगम बनाएगा।

उद्घाटन के अलावा, 961 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत से 51 किलोमीटर लंबी दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी जाएगी।आदिलाबाद में एक प्रमुख पहल में 1,153 किलोमीटर सड़क निर्माण शामिल है, जिसके लिए 3,694 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि हैदराबाद में 895.64 करोड़ रुपये की लागत से 22.57 किलोमीटर नई सड़क का निर्माण कार्य होगा।

आरआरआर परियोजना

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने हैदराबाद के क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी खंड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने पर भी सैद्धांतिक रूप से सहमति दे दी है, बशर्ते राज्य सरकार 2,230 करोड़ रुपये की भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत वहन करने के लिए प्रतिबद्ध हो।

एक बार चालू हो जाने पर, 7,512 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 158.4 किलोमीटर लंबी उत्तरी भाग सहित पूरी रिंग रोड क्षेत्रीय संपर्क को बदल देगी, जिसके लिए वर्तमान में 111 गांवों में भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है।

इन परियोजनाओं के पूरक के रूप में तेलंगाना की एच-सीआईटीआई पहल है, जो 7,032 करोड़ रुपये की योजना है, जिसमें 31 फ्लाईओवर, 17 अंडरपास और 10 सड़क विस्तार शामिल हैं, जिससे औसत यात्रा गति 15 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 35 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

प्रेम, धोखा और अवैध प्रवेश

पहलगाम हमले के बाद हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी नागरिक के मामले से जूझ रही हैदराबाद पुलिस

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। यह प्रेम, विवाह, धोखे और एक पाकिस्तानी नागरिक के भारत में अवैध प्रवेश और हैदराबाद में रहने का मामला है।और, यह ऐसा मामला है जिसने पुलिस को असमंजस में डाल दिया है, जबकि वह यह सुनिश्चित करने के प्रयास कर रही है कि शहर में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिक पहलगाम में हुए नरसंहार के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई समय-सीमा से पहले भारत छोड़ दें।

वह पाकिस्तानी नागरिक, जिसने भारतीय होने का झूठा परिचय देकर शहर की एक महिला को धोखा दिया तथा अपनी असली पहचान उजागर होने से पहले ही उससे विवाह कर लिया, यहां एक हिरासत केंद्र में है।मिली जानकारी के अनुसार मोहम्मद उस्मान इकराम उर्फ मोहम्मद अब्बास इकराम की हैदराबाद की रहने वाली महिला से दुबई में मुलाकात हुई थी, जहां वह करीब 17 साल पहले नौकरी की तलाश में गई थी। खुद को दिल्ली का बताकर उसने उसका विश्वास जीता और प्यार का इजहार करते हुए शादी कर ली।महिला कुछ समय बाद हैदराबाद लौट आई।

इस बीच, वीजा के लिए व्यर्थ प्रयासों के बाद, इकराम अवैध रूप से देश में घुस गया और शहर पहुंचकर महिला को बताया कि वह विजिट वीजा पर आया है। कुछ महीने बाद, महिला को शक हुआ और उसने पूछताछ में इकराम को अपनी असली पहचान और राष्ट्रीयता बताने पर मजबूर किया।इससे दंपत्ति के बीच मनमुटाव हो गया और महिला ने उससे दूर रहना शुरू कर दिया और पुलिस में शिकायत कर दी।

वर्ष 2018 में इकराम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और भारत में उसके अवैध प्रवेश और ठहरने के बारे में पता चलने पर उसे वर्ष 2023 तक डिटेंशन सेंटर में रखा गया।

कथित तौर पर उसे निर्वासित करने के प्रयास भी सफल नहीं हुए, क्योंकि प्रस्तुत किए गए कागजात में उसके विवरण से संबंधित मुद्दे थे। तब से यहां एक अदालत में मामला चल रहा है।

बुद्धिजीवियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी से माओवादियों के साथ शांति वार्ता को सुगम बनाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवानिवृत्त प्रोफेसर हरगोपाल और सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्र कुमार सहित बुद्धिजीवियों के एक समूह ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से केंद्र को सीपीआई (माओवादियों) के साथ शांति वार्ता शुरू करने के लिए राजी करने का आह्वान किया है। समूह ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनसे युद्धविराम और माओवादी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए दबाव डालने का आग्रह किया गया।जवाब में, सीएम रेड्डी ने समूह को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार नक्सलवाद के मुद्दे को सामाजिक दृष्टिकोण से देखती है, न कि केवल कानून और व्यवस्था की समस्या के रूप में। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ को स्वीकार करते हुए याद दिलाया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता के जन रेड्डी ने 2004 में माओवादियों के साथ शांति वार्ता सफलतापूर्वक की थी, जब वे अविभाजित आंध्र प्रदेश में गृह मंत्री थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस मामले पर सलाह के लिए के. जन रेड्डी से परामर्श करेंगे और आगे कोई कदम उठाने से पहले कैबिनेट मंत्रियों से चर्चा करेंगे। शांति वार्ता का अनुरोध ऐसे समय में किया गया है जब माओवादियों के खिलाफ सघन अभियान चल रहे हैं, खास तौर पर छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर, जहां करीब 10,000 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

माओवादियों ने भी एक बयान जारी कर सैन्य अभियान बंद करने तथा सरकार से शांति वार्ता शुरू करने का आग्रह किया है, जिससे इस बात पर बहस और तेज हो गई है कि लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष का सबसे अच्छा समाधान कैसे निकाला जाए।

राधनकार्ड धारकों के लिए खुशखबरी

बारिक चावल वितरण 1 मई से

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने 1 अप्रैल से पूरे राज्य में मुफ़्त पतला चावल वितरण योजना (पतला चावल योजना) शुरू की थी। इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को मुफ़्त बढ़िया चावल उपलब्ध कराना है। हालाँकि, हैदराबाद में, एमएलसी चुनाव संहिता के कार्यान्वयन के कारण योजना के क्रियान्वयन में देरी हुई।स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण हैदराबाद में मुफ़्त चावल वितरण शुरू नहीं किया जा सका। 25 अप्रैल को चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के साथ ही तेलंगाना सरकार अब शहर में वितरण प्रक्रिया शुरू करने के लिए

तैयार है।अधिकारियों ने हैदराबाद में 653 राशन दुकानों तक पतला चावल पहुंचाना शुरू कर दिया है। पात्र लाभार्थियों को उनका हिस्सा समय पर मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए वितरण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।1 मई से हैदराबाद में राशन की दुकानों के ज़रिए पतला चावल वितरित किया जाएगा। इस योजना के तहत, प्रत्येक पात्र परिवार के सदस्य को 6 किलोग्राम पतला चावल मिलेगा। यह पहल आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद नए राशन कार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। रिपोर्ट बताती है कि तेलंगाना में लगभग 3.5 लाख लोगों ने पतले चावल वितरण कार्यक्रम सहित सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए नए राशन कार्ड के लिए आवेदन किया है।

उप्पल में गंजापन दूर करने का घोटाला पकड़ा गया, प्रभावशाली व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक अन्य घटना में, गंजेपन का इलाज करने का दावा करने वाले एक इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर को उप्पल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।सूर्यपेट जिले के राजनायक थांडा के हरीश नाम के इस प्रभावशाली व्यक्ति ने गंजे सिर पर बाल फिर से उगाने का वादा किया था। सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर दावा किया गया कि वह गंजे सिर पर बाल फिर से उगा देगा। इसके लिए एक खास ऐप भी बनाया गया था।

इस बात पर यकीन करने वाले लोग 23 अप्रैल को उप्पल भगायत में बड़ी संख्या में आए। आयोजकों ने हर व्यक्ति से 1,000 रुपये एकत्र किए और उन्हें तेल और शैम्पू की बोतलें दीं। जिन लोगों के बाल विभिन्न कारणों से झड़ गए थे, वे बाल वापस पाने की उम्मीद में उप्पल में आए।हरीश और उसके साथियों ने लोगों को सिर पर तेल और शैम्पू लगाने का तरीका बताया। सैकड़ों की संख्या में लोग वहां पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने पुलिस से शिकायत की। मौके पर पहुंची उप्पल पुलिस ने हरीश को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की।इस महीने की शुरुआत में, कई गंजे आदमी अस्पताल पहुंचे थे, जब एक नाई ने कथित तौर पर उनके गंजे सिर पर कुछ लोशन लगाया था, जिससे बाल फिर से उगने का आश्वासन मिला था।यह घटना पुराने शहर के चंदूलाल बारादरी में घटी, जहां दिल्ली के एक नाई सह सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्ति वकील सलमानी ने दावा किया कि वह बालों को दोबारा उगाने में मदद कर सकता है।

भारत द्वारा वीजा रद्द किये जाने के बाद चार पाकिस्तानी नागरिक हैदराबाद से रवाना हुए

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की है, जिसके बाद चार पाकिस्तानी नागरिक, जो अल्पकालिक वीजा पर हैदराबाद में थे, सप्ताहांत में शहर छोड़कर चले गए हैं।

पुरुष तो पिछले दिन ही शहर से चला गया था, लेकिन महिला और बच्चा रविवार को दुबई के लिए सीधी उड़ान से रवाना हो गए। पुलिस के अनुसार, तेलंगाना में 250 पाकिस्तानी नागरिक हैं, जिनमें से 213 हैदराबाद में रहते हैं। पुलिस ने कहा, हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में 208 नागरिक रहते हैं, 39 साइबराबाद कमिश्नरेट में और तीन राचकोंडा कमिश्नरेट में रहते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग लंबी अवधि के वीजा पर रह रहे हैं।

नोटिस मिलने के कुछ दिनों बाद महेश बाबू ने ईडी से नई तारीख मांगी

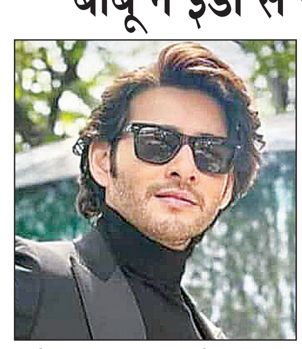

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अभिनेता महेश बाबू ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होने के लिए नई तारीख मांगी है, उन्होंने कहा कि वह इस समय विदेश में शूटिंग कर रहे हैं। साई सूर्या डेवलपर्स और सुराना ग्रुप पर हाल ही में की गई छापेमारी के बाद नोटिस जारी किए गए, जिसका अभिनेता ने पहले समर्थन किया था।टॉलीवुड सुपरस्टार को 28 अप्रैल को हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी कार्यालय में पेश होना था।

तेलंगाना पुलिस द्वारा के. सतीश चंद्र गुप्ता और नरेंद्र सुराणा के खिलाफ कथित धन शोधन की शिकायत दर्ज किए जाने के बाद सुराणा समूह और साई सूर्या डेवलपर्स की जांच की जा रही है।सूत्रों के अनुसार गुप्ता और सुराना पर धोखाधड़ी करने का आरोप है, जिसमें अनधिकृत लेआउट में प्लॉट बेचना, एक ही प्लॉट को कई लोगों को बेचना और गलत रजिस्ट्रेशन गारंटी देना शामिल है। ईडी को संदेह है कि अवैध लेनदेन किया गया है।

पोन्नम प्रभाकर ने आरटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूर्ण समर्थन का संकल्प लिया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सेवानिवृत्त आरटीसी अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए तेलंगाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में आरटीसी निगम को पूर्ण समर्थन का वादा किया।

रविवार को शहर के एक होटल में आयोजित टीजीए-सआरटीसी सेवानिवृत्त अधिकारी कल्याण संघ के पांचवें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पोन्नम प्रभाकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आरटीसी कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए जा रहे हैं।मंत्री ने 90 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत बनाने में उनके आजीवन योगदान को स्वीकार किया।

पोन्नम प्रभाकर ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले वर्ष कर्मचारी कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया, उन्होंने नई बसों की खरीद और बसों के विस्तार के साथ-साथ निरंतर भर्ती अभियान जैसी पहलों का हवाला दिया।उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना आरटीसी वित्तीय स्थिरता की ओर बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण राज्य सरकार द्वारा महालक्ष्मी योजना का सफल कार्यान्वयन है।

मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चल रहे सुधारों और पहलों के साथ, तेलंगाना आरटीसी देश में अग्रणी परिवहन निगम बनने की ओर अग्रसर है।

सम्मेलन में टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार, सेवानिवृत्त अधिकारी कल्याण संघ के अध्यक्ष नागवेंद्र राव, उपाध्यक्ष नागराजू, सचिव विजय कुमार, संयुक्त सचिव सीताराम बाबू, कोषाध्यक्ष वेंकट रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ओआरआर पर भीषण ट्रैफिक जाम कई किलोमीटर तक फंसे रहे वाहन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर घाटकेसर टोल प्लाजा के पास भीषण ट्रैफिक जाम लग गया है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। यह ट्रैफिक जाम मुख्य रूप से बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) द्वारा आयोजित राजोत्सव समारोह के लिए वारंगल की ओर जाने वाले वाहनों की बड़ी संख्या के कारण हुआ है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई किलोमीटर तक वाहन जाम में फंसे हुए हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। जाम की सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जाम को हटाने तथा सड़कों पर सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए काम कर रही है।

इस बीच, हनमाकोंडा के एल्काथुर्थी में वारंगल जिले के गठन की 25वीं वर्षगांठ के जश्न की तैयारियां जोरों पर हैं। बीआरएस पार्टी इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, क्योंकि यह राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

यह राजोत्सव कार्यक्रम सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसका नेतृत्व, खासकर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) इसे उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। केसीआर के इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करने की उम्मीद है, जहां राजनीतिक नेता और पार्टी के सदस्य उत्सुकता से चर्चा कर रहे हैं कि उनका भाषण क्या होगा।

जेएनयू में एबीवीपी ने लहराया परचम

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में 42 में से 23 सीटों पर किया कब्जा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के कुल 42 काउंसलर पदों में से 23 पदों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

यह किसी भी अन्य छात्र संगठन की तुलना में सर्वाधिक है।

अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है, जिससे जेएनयूएसयू द्वारा किए जाने वाले फैसलों में अब अभाविप की अहम जगह प्राप्त हो सकेगी। यह विजय एबीवीपी के रूप में उस सकारात्मक बदलाव की विजय है जिसे जेएनयू के छात्रों ने चुना है। स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जिसे जेएनयू में वामपंथ का गढ़ माना जाता रहा है, वहां अभाविप ने 25 वर्षों बाद दो सीटों पर विजय प्राप्त कर एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत दिया है। इसी प्रकार, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जो लंबे समय से वामपंथी प्रभाव का प्रमुख केंद्र रहा है, वहां भी एबीवीपी ने दो सीटों पर विजय हासिल कर नई राजनीतिक धारा को स्थापित किया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

बीआरएस की रजत जयंती पर पुराने स्वरूप में लौटे केसीआर, कहा

कांग्रेस तेलंगाना की खलनायक नंबर–1

एल्काकुर्ती (वरंगल), 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। समय बड़ा बलवान होता है। यह वरंगल के एल्काकुर्ती में देखने को मिला। जिस समय तेलंगाना के लोग अनियमित बिजली आपूर्ति, वेतन में देरी, अनुचित विध्वंस और जबरन भूमि अधिग्रहण, पानी की कमी और सरकारी उदासीनता से परेशान थे, किसानों के लिए मुसीबतें खड़ी कर रहे थे, उसी समय वह व्यक्ति जिसके नेतृत्व में राज्य ने अपना स्वर्णिम काल देखा था, वापस अपने मूल स्वरूप में आ गया, आग उगलते हुए और यह संकेत देते हुए कि उसकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। वास्तव में, वह अपने द्वारा हासिल किए गए तेलंगाना को बचाने के लिए एक और आंदोलन शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहा था।

रविवार को पार्टी के 25वें साल के जश्न की शुरुआत करने के लिए एल्काकुर्थी में एक विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए के चंद्रशेखर राव बिल्कुल 'पुराने केसीआर' की तरह थे, जो अपने शब्दों से आग उगलते थे, जो पूरी आबादी को जगाने और जन आंदोलन शुरू करने में सक्षम थे। इरादा भी वहीं था, क्योंकि उन्होंने बार–बार दहाड़ती भीड़ से कहा कि बीआरएस सत्ता में वापस आएगी, कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती। यहां तक कि यह कहते हुए कि उनकी पार्टी का सरकार गिराने का कोई इरादा नहीं है, उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी दी कि अगर उनकी सरकार ने अपना काम ठीक से नहीं किया तो वह अपनी कब्र खुद खोदेगी।

लोगों के मन में उठने वाले हर मुद्दे को छूते हुए, बिजली आपूर्ति में व्यवधान से लेकर आम जनता और किसानों दोनों को परेशान करने वाली, कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से राज्य में आई वित्तीय दुर्दशा से लेकर पुलिस का इस्तेमाल करके लोगों की आवाज़ दबाने तक, चंद्रशेखर राव का एक घंटे का भाषण वही था जिसका लोग वास्तव में इंतज़ार कर रहे थे। हालांकि सटीक संख्याएँ उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन अनुमान है कि एल्काकुर्ती में भीड़ कुछ लाख से ज़्यादा होगी, लेकिन कई यूट्यूब चैनलों और समाचार चैनलों पर लाइव कार्यवाही को कम से कम तीन लाख लोग देख रहे थे जो इसे लाइव स्ट्रीम कर रहे थे।उनके प्रत्येक प्रश्न पर मिली जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट, बैठक शुरू होने के काफी बाद तक एल्काकुर्ती में लोगों का लगातार आना–जाना और जब पुलिस और परिवहन अधिकारियों ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल पर ले जा रही बसों को रोकने की कोशिश की तो शुरू हुआ ट्रैफिक जाम, इन सबने एक बात साबित कर दी – तेलंगाना में राजनीतिक धाराएं और गतिशीलता नवंबर 2023 या मई 2024 की तुलना में बदल रही हैं। वारंगल और पास के करीमनगर में कांग्रेस के नेता, जिनमें से कई चंद्रशेखर राव के भाषण के दौरान अपने टेलीविजन सेट से चिपके हुए थे, ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि रजत जयंती बैठक में जनता की प्रतिक्रिया जबरदस्त थी। बार–बार यह कहते हुए कि बीआरएस ही तेलंगाना के भविष्य का एकमात्र और सच्चा संरक्षक है, चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस के लिए एक नहीं बल्कि कई तीखे सवाल पूछे, यहां तक कि सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा अपने वादों को लागू करने की बार–बार बदलती तारीखों का भी मज़ाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि कल वे कहेंगे, फिर परसों, संक्रांति, दीपावली, 31 मार्च, ये सब बीत गया और कुछ नहीं हुआ, उन्होंने कहा कि राज्य की पूरी वित्तीय स्थिति अनुभवहीन, अक्षम कांग्रेस सरकार की अन्यायपूर्ण और विचारहीन नीतियों और कृत्यों से बर्बाद हो गई है।

बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने एल्काकुर्ती में एकत्रित विशाल जनसमूह से पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखने की अपील की।

शाम 6.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे राव ने वहां उपस्थित लोगों से खड़े होकर आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखने को कहा। इसके बाद उन्होंने बैठक की कार्यवाही शुरू की।

एल्काकुर्ती बैठक में अपने बहुप्रतीक्षित भाषण के दौरान वह किस पर निशाना साधेंगे, इस पर कोई संदेह न छोड़ते हुए बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुरू में ही कहा कि तेलंगाना के लिए कांग्रेस खलनायक नंबर 1 है।

राव ने बताया कि 2014 में जब बीआरएस (टीआरएस) ने अपना कार्यकाल शुरू किया था, तब तेलंगाना किस तरह से मजबूती से आगे बढ़ा था। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे राज्य ने कई पुरस्कार जीते और प्रति व्यक्ति आय और जीएसडीपी सहित कई मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की।

इस भूमि पर रानी रुद्रमा देवी और अन्य लोगों का शासन था और यह आंदोलन और संघर्ष के लिए जाना जाता है। बीआरएस प्रमुख ने कहा कि इस भूमि के खिलाफ अतीत में कई प्रयास किए गए और वर्तमान में भी कई प्रयास किए जा रहे हैं।

केसीआर ने केंद्र से ऑपरेशन कगार रोकने को कहा, शांति वार्ता का आह्वान किया

बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भाजपा नीत केंद्र से माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन कगार को रोकने और वामपंथी उग्रवादियों को शांति वार्ता के लिए बुलाने को कहा है।चंद्रशेखर राव ने कहा कि यह अभियान मुख्य रूप से पड़ोसी छत्तीसगढ़ पर केंद्रित था और यह नरसंहार सही नहीं था, यह कोई धर्म नहीं है। उन्होंने केंद्र से हत्याएं रोकने को कहा और इसके बजाय माओवादियों को शांति वार्ता के लिए बुलाया तथा उनकी बातें सुनने को कहा। उन्होंने केंद्र से कहा कि वह सिर्फ इसलिए हत्याओं का सिलसिला न चलाए क्योंकि उसके पास सत्ता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि यदि वे उनके तर्क का समर्थन करते हैं तो उन्हें तालियां बजानी चाहिए।

मैं आपके साथ हूं, केसीआर ने बीआरएस सोशल मीडिया योद्धाओं को आश्वासन दिया

कांग्रेस सरकार को कड़ा संदेश देते हुए बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने पार्टी के सोशल मीडिया योद्धाओं को अपना अटूट समर्थन दिया, जो कांग्रेस सरकार और उसके कुशासन के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे सत्ता प्रतिष्ठान से पूछताछ कर रहे हैं, और बेजुबानों को अपनी आवाज दे रहे हैं। पुलिस द्वारा मामले दर्ज करके उन्हें चुप कराने में निभाई गई भूमिका पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस अपनी डायरी में यह लिख ले कि अगले चुनाव में बीआरएस सत्ता में आने वाली है।

उन्होंने कहा, ''कोई भी ताकत हमारी जीत को रोक नहीं सकती।

पार्टी के सोशल मीडिया विंग के सामने आने वाली बाधाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने उन्हें पार्टी के बिना शर्त समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने सरकार के गलत कामों पर सवाल उठाने और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में उनकी भूमिका के महत्व पर जोर दिया।चंद्रशेखर राव ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने का आग्रह करते हुए कहा, पुलिस भाइयों, पुलिस मित्रों, इसे अपनी डायरी में लिख लें – 100 प्रतिशत, यह फिर से बीआरएस सरकार है। इसे कोई नहीं रोक सकता।चंद्रशेखर राव ने बीआरएस कानूनी प्रकोष्ठ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला तथा सोशल मीडिया योद्धाओं के साथ खड़े रहने तथा उत्पन्न होने वाली किसी भी कानूनी लड़ाई को लड़ने का वादा किया।

उन्होंने कहा, हम अब और चुप नहीं रहेंगे। हम दृढ़ संकल्प के साथ लड़ेंगे।

कांग्रेस 20 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार है

राज्य में कांग्रेस शासन पर तीखा हमला करते हुए बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने इसे भ्रष्टाचार और अधूरे वादों में डूबी सरकार करार दिया। उन्होंने कहा कि बिलों के निपटान में 20 से 30 प्रतिशत कमीशन के दावों से लोगों में आक्रोश फैल गया है।

आरोप है कि पैसा जनकल्याण के लिए इस्तेमाल होने के बजाय निजी जेबों में जा रहा है। यह आरोप सिर्फ बीआरएस का नहीं है। 200 से ज्यादा ठेकेदारों ने, जो कमीशन दिए बिना अपने बिलों का भुगतान करवाने में विफल रहे, सचिवालय में वित्त मंत्री के कक्ष में घुसकर हंगामा किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कमीशनखोरी की प्रवृत्ति पर चिंता जताई।

कांग्रेस द्वारा पैसे की बोरियां भरकर कहीं और ले जाने की प्रथा की निंदा करते हुए चंद्रशेखर राव ने कहा कि पूर्व सरपंच, जिन्होंने अपने गांवों के विकास में निवेश किया था, अपने बिलों के भुगतान के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन वे भी इसी समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने निराशा व्यक्त की है और ग्रामीण विकास के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस सरकार को विफल सरकार बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार कल्याण, रैयत बंधु, बिजली आपूर्ति, उर्वरक वितरण, धान तथा अन्य सभी पहलों के कार्यान्वयन में विफल रही है, जिन्हें बीआरएस ने एक दशक तक सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया था।

गोलमाल में कांग्रेस बेजोड़, खोखले वादे लेकर दिल्ली से आए डुप्लीकेट गांधी

सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने पूछा कि सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद भी कांग्रेस द्वारा किए गए सभी वादों का क्या हुआ।

उन्होंने कहा कि गोलमाल और लोगों से झूठ बोलने में कांग्रेस का कोई मुकाबला नहीं कर सकता।

उन्होंने याद किया कि जैसे यहां के नेता पर्याप्त नहीं थे, दिल्ली से 'डुप्लीकेट' गांधी परिवार के लोग यहां आए और आश्वासन दिया कि ऋतु बंधु के तहत 15,000 रुपये दिए जाएंगे, जो केसीआर द्वारा दी जा रही राशि से अधिक है। उन्होंने पूछा कि वादे का क्या हुआ।कांग्रेस का इस तरह की नौटंकी का इतिहास रहा है। उन्होंने याद करते हुए कहा, कांग्रेस ने बीआरएस (तब टीआरएस) के साथ गठबंधन किया था और 36 दलों से समर्थन पत्र प्राप्त किए थे। इन सभी प्रयासों के बावजूद, जब कांग्रेस ने तेलंगाना से इनकार कर दिया, तो मैंने अपनी जान जोखिम में डालकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। विरोध के डर से, कांग्रेस ने एक घोषणा की और फिर तुरंत पीछे हट गई। इस धोखे के बाद, सभी वर्गों के लोगों ने सकला जनुला सम्मे सहित हड़ताल और विरोध प्रदर्शन शुरू किए।

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने रजत जयंती मनाई

केटीआर ने दोहराया कि तेलंगाना की प्रगति पार्टी की प्राथमिकता

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के रजत जयंती के अवसर पर पार्टी को संबोधित करने से पहले कार्यकर्ताओं ने पूरे राज्य में पार्टी के झंडे फहराए।

तेलंगाना के समर्थक प्रोफेसर जयशंकर और स्वतंत्रता सेनानी कोंडा लक्ष्मण बापूजी सहित कई तेलंगाना शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और तेलंगाना राज्य का मार्ग प्रशस्त करने वाले उनके बलिदान को याद करते हुए नारे लगाए गए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और वरिष्ठ नेताओं ने तेलंगाना भवन में पार्टी का झंडा फहराया। बाद में उन्होंने प्रोफेसर जयशंकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने टैंक बंड में कोंडा लक्ष्मण बापूजी और गन पार्क में तेलंगाना शहीदों के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए रामा राव ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी और प्रोफेसर जयशंकर को तेलंगाना राज्य आंदोलन के स्तंभ बताया, जिनकी विचारधाराओं ने पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर राव को पिछले 25 वर्षों से पार्टी का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, हमारी पार्टी, जिसका जन्म 25 साल पहले के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में जल दृश्यम से हुआ था, एक व्यक्ति के मिशन से बढ़कर एक जन आंदोलन में बदल गई है, जिसने तेलंगाना राज्य का दर्जा हासिल किया है।

हैदराबाद पुलिस ने तेलंगाना में हाई अलर्ट जोन की अफवाहों पर स्पष्टीकरण दिया

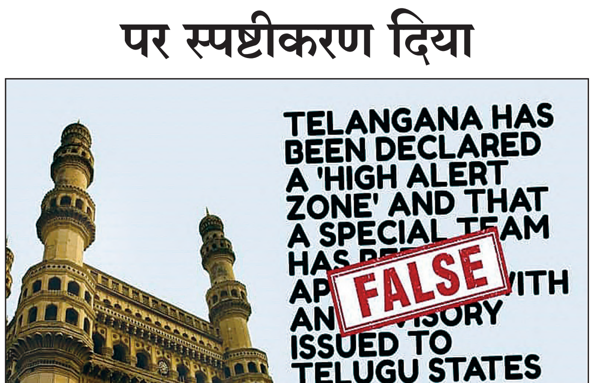

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुलिस ने रविवार, 27 अप्रैल को कई सोशल मीडिया पोस्ट का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद तेलंगाना को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है।

संदेश में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 14 स्थानों को गलत तरीके से सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, चारमीनार और हैदराबाद में गोलकोंडा किला जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं, जिन्हें हाई–अलर्ट ज़ोन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जहाँ विशेष आतंकवाद विरोधी अभियान की आवश्यकता है।

फ़र्जी सलाह में इन क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए ऑक्टोपस (आतंकवादी विरोधी अभियान संगठन) टीमों को तैनात किए जाने का भी उल्लेख है।संदेश में नागरिकों को सलाह दी गई कि वे आवश्यक न होने तक सूचीबद्ध स्थानों पर जाने से बचें, जिससे जनता में दहशत और बढ़ गई।

फैलती अफ़वाहों के जवाब में हैदराबाद पुलिस ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि यह संदेश पूरी तरह से झूठा है। ये दावे झूठे हैं।

हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे ऐसी अफ़वाहों पर विश्वास न करें या उन्हें आगे न बढ़ाएँ। सटीक जानकारी के लिए हमेशा आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें, एक्स पर संदेश में लिखा था।

के. रामकृष्ण राव तेलंगाना के नए मुख्य सचिव नियुक्त

हैदराबाद, 27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के रामकृष्ण राव, जो वर्तमान में वित्त विभाग में विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं, को तेलंगाना सरकार का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

रामकृष्ण राव ए शांति कुमारी की जगह लेंगे, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त होने वाली हैं। रविवार को जारी सरकारी आदेश (जीओ) के माध्यम से नियुक्ति को औपचारिक रूप दिया गया।

2016 से रामकृष्ण राव वित्त विभाग में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना के गठन के बाद से सभी दस राज्य बजट पेश किए हैं और सरकार की प्रमुख योजनाओं के लिए सफलतापूर्वक संसाधन जुटाए हैं। नई वित्तीय प्रणालियों को शुरू करने में उनके प्रयासों ने राज्य में वित्तीय नियंत्रण और पारदर्शिता को काफी मजबूत किया है। अपने वित्तीय नेतृत्व के अलावा, रामकृष्ण राव राज्य पुनर्गठन विभाग का भी प्रभार संभालते हैं, जो तेलंगाना के गठन से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों को संभालते हैं। उन्होंने पहले सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (उत्क्रम) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने कई राज्यों में आईटी–संचालित सुधार पहलों का नेतृत्व किया। रामकृष्ण राव को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है और उन्होंने संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान आदिलाबाद और गुंटूर जिलों के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य किया है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ — R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/– | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/– के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/– मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति–रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। – प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार–कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

।। विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ।।
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
मंगला शासन
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/–
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/–
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
आज के यजमान : 28-04-2025
अतिविशिष्ट यजमान :
विशिष्ट यजमान :
बद्रीप्रसाद–सुरेखा सारडा को वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ
श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलाइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित : श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
वरिष्ठ मार्गदर्शक सहित : अमित अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोया, वीणा काबरा, मेघराज अग्रवाल, चकिलम रामनया, हरि भाई चांडक, गोविंद राठी, कमल काकानी, बद्रीप्रसाद सारदा, गुलाबचंद देवड़ा, पुरुषोतम लाहोटी, अरुण ज्योति, शोभा रानी, रूपेश काकड़ा, विष्णु कडेल, आलोक शुक्ला, विनोद बंग एवं जगन्नाथ मठ परिवार
9963910401 | 9440061537 | 9908222206

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.